केंद्रीय विद्यालय संगठन

आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूरू

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

ZONAL INSTITUTE OF EDUCATION AND TRAINING

MYSURU

कक्षा XII – इतिहास

(History)

न्यूनतम अधिगम स्तर

(Minimum Level of Learning)

शिक्षण–अधिगम सामग्री

2025-26

COURSE DIRECTOR

Ms. MENAXI JAIN

DIRECTOR, ZIET MYSURU

ASSOCIATE COURSE DIRECTOR

SH. MAYANK SHARMA

PRINCIPAL, PM SHRI KV NO 1, HBK, DEHRADUN

RESOURCE PERSONS

SH. VATAN SINGH KUNWAR

VICE PRINCIPAL, KV OIL DULIAJAN TINSUKIA

SH. SURESH CHAND

PGT(HISTORY), PM SHRI KV IIP MOHKAMPUR DEHRADUN

COORDINATOR

SH. DINESH KUMAR

TRAINING ASSOCIATE (PHYSICS)

ZIET MYSURU

CONTENT CREATORS

Lesson No.	Name of the Lesson	Content prepared by	KV NAME
1	Writing and City Life	Mr. BRAJESH KUMAR SINGH	PM SHRI KV NO1 KANCHRAPARA
2	An Empire Across Three Continents	Mr. CHANDRA BHUSHAN PRASAD	PM SHRI KV PDDDU NAGAR
3	Nomadic Empires	Mr. PAWAN KUMAR GUPTA	PM SHRI KV DOGRA LINES MEERUT CANTT
4	The Three orders	Dr. MITALI	PM SHRI KV KANPUR CANTT
5	Changing Cultural Traditions	Ms. SHRADDHA CHAUHAN	PM SHRI KV NO. 2 O.F DEHUROAD
6	Displacing Indigenous Peoples	Mr. RAJ BANSH PAUL	PM SHRI KV NO-1, ICHHANATH SURAT
7	Paths to Modernisation	Mr. SARIKA GUPTA	PM SHRI KV BABINA CANTT

अध्याय -1

ईटें,मनके और अस्थियाँ

यह अध्याय सिंधु घाटी सभ्यता पर आधारित है जिसे हड़प्पा सभ्यता भी कहते हैं। यह सभ्यता लगभग 2600 ई.पू. से 1900 ई.पू. तक फैली थी। हड़प्पा, मोहनजोदाड़ो, लोथल, कालीबंगा, राखीगढ़ी जैसे शहर इसके प्रमुख केंद्र थे।इस सभ्यता का नामकरण ,हड़प्पा नामक स्थान जहां ये पहली बार खोजी गई थी,के नाम पर किया गया है।

मुख्य विशेषताएँ:

- **नगर नियोजन:** ग्रिड पैटर्न में बसे शहर, पक्की ईंटों से बने मकान, नालियों की सुव्यवस्था।नगर दो भागों मे बटन था – निचला शहर और दुर्ग। शहर का सारा भवन निर्माण कार्य चबूतरो पर एक निश्चित क्षेत्र तक सीमित था।

- **मोहेनजोदरो के भवनों से जानकारी मिलती है कि भूमि ताल पर बनी दीवारों मे खिडकियां नहीं है। हर घर मे ईटों से बना स्नानागार होता था।**

- **आर्थिक जीवन:** कृषि, पशुपालन, शिल्पकला (मिट्टी, धातु, मनके, मुहरें), व्यापार।मनके निर्माण मे कार्नीलियन ,जैस्पर,स्फटिक ,क्वार्ट्ज था सेलखड़ी का प्रयोग किया जाता था। कार्नीलियन का लाल रंग को पीले रंग के मानकों को पका कर प्राप्त किया जाता था।इनका व्यापारिक संबंध अफगानिस्तान,ओमान,मेसोपोटामिया एवं अन्य एसियाई देशों से था।

- **धार्मिक विश्वास:** पशुपति जैसी मूर्तियाँ, अग्निकुंड, देवी पूजा के प्रमाणमिलते है।

- **लेखन प्रणाली:** चित्रलिपि, जो अब तक पूर्णतः पढ़ी नहीं जा सकी है।375 से 400 टूक चिन्ह पाए गए है जो दाहिने से बाएं लिखी जाती थी। बाट ,माप के साक्ष्य भी पाए गए है

- **सामाजिक जीवन:** समानता के साथ सामाजिक भिन्नताएं भी जैसे शवधानों और घरों से पता चलता है। शवधानों से प्राप्त वस्तुओं से पता चलता है कि उनका मृतोपरांत उपयोग किया जाता था। सामाजिक जीवन मे दो प्रमुख वस्तुएं है-पहली विलासिता कि और दूसरा उपयोगी।

पतन के कारण: सूखा, नदियों का मार्ग परिवर्तन, व्यापार में गिरावट, जल प्रबंधन में कमी।

एक वाक्य मे उत्तर

प्रश्न 1 -हड़प्पा सभ्यता किस युग से संबंधित है?

उत्तर: कांस्य युग

प्रश्न 2 .हड़प्पा सभ्यता की खोज किस वर्ष हुई?

उत्तर: 1921

प्रश्न 3. मोहनजोदाड़ो का अर्थ क्या है?

उत्तर: मृतकों का टीला

प्रश्न 4.हड़प्पा सभ्यता की प्रमुख नदी कौन-सी थी?

उत्तर: सिंधु नदी

प्रश्न 5 हड़प्पा की लिपि को क्या कहते हैं?

उत्तर: चित्रलिपि

प्रश्न 6.लोथल किस राज्य में स्थित है?

उत्तर: गुजरात

प्रश्न 7.हड़प्पा सभ्यता की प्रमुख फसल कौन-सी थी?

उत्तर: गेहूं और जौ

प्रश्न 8 हड़प्पा की प्रमुख ईंट का अनुपात क्या था?

उत्तर: 1:2:4

प्रश्न 9 हड़प्पा की मुहरें किससे बनती थीं?

उत्तर: स्टिअटाइट (soft stone)

प्रश्न 10 हड़प्पा सभ्यता का पतन कब हुआ?

उत्तर: लगभग 1900 ई.पू.

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न11- हड़प्पा सभ्यता में नगर नियोजन की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

i. ग्रिड प्रणाली में बस्तियाँ।
ii. पक्की ईंटों से निर्मित मकान।
iii. जल निकासी की उत्तम व्यवस्था।

प्रश्न 12-हड़प्पा के प्रमुख शिल्प और व्यवसाय क्या थे?

उत्तर :

i. मिट्टी, तांबे, कांसे के बर्तन।
ii. मनके बनाना, मुहरें बनाना।
iii. व्यापारिक संपर्क मेसोपोटामिया से।

प्रश्न13- हड़प्पा सभ्यता में सामाजिक भिन्नता के प्रमाण दीजिए।

उत्तर :

i. भिन्न-भिन्न आकार के मकान।
ii. समाधि/कब्र में भिन्न वस्तुएँ।
iii. कब्रों के निर्माण में विभिन्नता

प्रश्न14. हड़प्पा के पतन के संभावित कारण लिखिए।

उत्तर :

i. नदियों का मार्ग बदलना।
ii. सूखा और कृषि संकट।
iii. व्यापार में गिरावट।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न15 -हड़प्पा सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

i. पक्की ईंटों के मकान।
ii. नगरों की ग्रिड व्यवस्था।
iii. जल निकासी की प्रणाली।
iv. विकसित शिल्पकला।
v. चित्रलिपि का प्रयोग।
vi. कृषि व पशुपालन।
vii. व्यापार (स्थानीय व विदेशी)।
viii. सामाजिक-धार्मिक विश्वास।

प्रश्न 16- हड़प्पा सभ्यता की अर्थव्यवस्था के विषय में बताइए।

उत्तर : मुख्य फसलें: गेहूँ, जौ, तिल, कपास, चना और बाजरा।

- सिंचाई के लिए नहरों और कुओं का प्रयोग होता था।
- उन्नत कृषि प्रणाली और उपजाऊ भूमि के कारण अर्थव्यवस्था मजबूत थी।
- बैल, गाय, भैंस, बकरी, भेड़, कुत्ता और हाथी पाले जाते थे।
- बैल खेती और यातायात के लिए उपयोगी थे।
- पशुपालन कृषि के पूरक के रूप में कार्य करता था।

3. शिल्प और कारीगरी (Craft and Artisanship):

- हड़प्पा के लोग कुशल कारीगर थे।मनके बनाना, धातु कार्य (तांबा, कांसा), मिट्टी के बर्तन, मुहरें।
- हड़प्पा के लोग व्यापार में निपुण थे।
- **आंतरिक व्यापार:** नगरों और गांवों के बीच वस्त्र, अनाज, मिट्टी के बर्तन आदि का लेन-देन।
- **विदेशी व्यापार:** मेसोपोटामिया (सुमेर), अफगानिस्तान, ईरान के साथ व्यापारिक संबंध थे।
- **लोथल** जैसे बंदरगाह व्यापार के लिए प्रसिद्ध थे।

प्रमुख शब्दावली

मोहनजोदाड़ो: योजना अनुसार बना नगर

लोथल: बंदरगाह नगर

चित्रलिपि: अपठनीय लेखन प्रणाली

ग्रेट बाथ: स्नानागार

मुहरें: व्यापार व पहचान के लिए

मानचित्र कार्य

हड़प्पा – पंजाब, पाकिस्तान,मोहनजोदाड़ो – सिंध, पाकिस्तानचन्हूदड़ो – पाकिस्तान,कालीबंगा – राजस्थान,राखीगढ़ी – हरियाणा,लोथल ,धोलावीरा – कच्छ, गुजरात बनवाली – हरियाणा

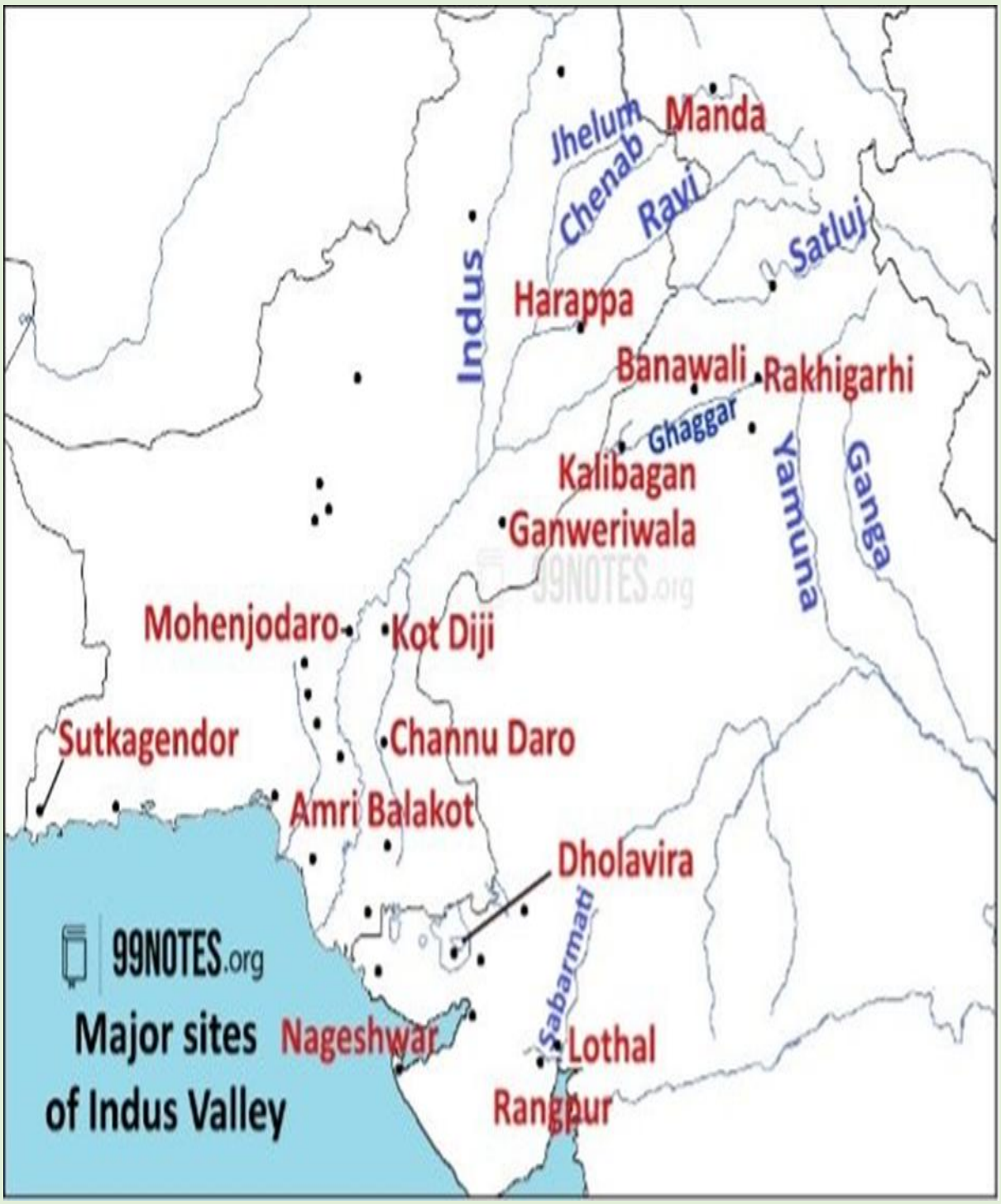
Jhelum
Manda
Chenab
Ravi
Satluj
Indus
Harappa
Banawali
Rakhigarhi
Ghaggar
Kalibagan
Yamuna
Ganga
Ganweriwala
99NOTES.org
Mohenjodaro
Kot Diji
Sutkagendor
Channu Daro
Amri Balakot
Dholavira
99NOTES.org
Sabarmati
Major sites
of Indus Valley
Nageshwar
Lothal
Rangpur

अध्याय 2

राजा, किसान और नगर

आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं

(लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

छठी शताब्दी ईसा पूर्व का महत्व-

1. प्रारंभिक राज्यों और शहरों का विकास
2. लोहे का बढ़ता उपयोग
3. सिक्कों का विकास
4. बौद्ध धर्म और जैन धर्म सहित विभिन्न विचारधाराओं का विकास

मगध का उदय- कई कारकों ने मगध को सबसे शक्तिशाली महाजनपद बनाया जैसे

*उपजाऊ मैदान

* उत्पादक कृषि

* लोहे की उपलब्धता

*हाथियों की उपलब्धता

*गंगा और उसकी सहायक नदियों के माध्यम से सस्ता और सुविधाजनक संचार

* बिम्बिसार, अजातशत्रु और महापद्मनंद जैसे महत्वाकांक्षी राजा

मौर्य साम्राज्य के इतिहास के पुनर्निर्माण के स्रोत-

* पुरातात्विक खोज

*यूनानी राजदूत मैगस्थनीज के विवरण, कौटिल्य का अर्थशास्त्र, बौद्ध, जैन और पौराणिक साहित्य

*अशोक के शिलालेख

उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियाँ-* छठी शताब्दी ईसा पूर्व से गंगा और कावेरी के उपजाऊ मैदानों में **हल से खेती** करने की प्रवृत्ति में बदलाव आया।

***लोहे की नोक** वाले हल का इस्तेमाल किया जाता था जो अधिक कुशल था।

***रोपाई** के कारण **धान** का उत्पादन बढ़ा।

* सिंचाई के लिए **तालाबों और कुओं** का इस्तेमाल किया जाता था।

भूमि दान- *भूमि दान की प्रथा आम युग की शुरुआती शताब्दियों से शुरू हुई।

***ब्राह्मणों** और **धार्मिक संस्थानों** को भूमि अनुदान दिया जाता था और उनमें से कई अभिलेखों में दर्ज हैं।

* ज्यादातर तांबे की प्लेटों पर दर्ज हैं। चंद्रगुप्त द्वितीय की बेटी और वाकाटक परिवार में विवाहित **प्रभावती गुप्त** ने भी भूमि अनुदान दिया।

सिक्कों का विकास- *पहले सिक्के चांदी और तांबे से बने **आहत सिक्के** थे।

* **इंडो-ग्रीक शासकों** ने छवियों और नामों के साथ सिक्के जारी किए।

***कुषाणों** ने पहले सोने के सिक्के जारी किए।

*दक्षिण भारत में कई स्थलों से **रोमन सिक्के** पाए गए।

* पंजाब और हरियाणा के **यौधेय** जैसे कबायली गणराज्यों ने भी सिक्के जारी किए।

***गुप्त शासकों** ने सबसे शानदार सिक्के जारी किए।

एक पंक्ति के उत्तर

1. अशोक के शिलालेखों को किसने पढ़ा ?

उत्तर. जेम्स प्रिंसेप

2. जेम्स प्रिंसेप द्वारा पढ़ी गई कौन सी दो लिपियाँ अशोक के शिलालेखों में उपयोग की जाती हैं ?

उत्तर. ब्राह्मी और खरोष्ठी

3. अधिकांश अभिलेखों में अशोक के लिए कौन से शब्द प्रयोग किए गए है?

उत्तर. देवानामपिय और पियदस्सी

4. ईसा पूर्व छठी शताब्दी में कितने राज्यों या महाजनपदों का उदय हुआ ?

उत्तर. 16 महाजनपद

5. मगध की राजधानी का नाम बताइये।

उत्तर. मगध की आरंभिक राजधानी राजगाह थी किन्तु चौथी शताब्दी में पाटलिपुत्र को राजधानी बनाया गया|

6. धम्म का संदेश फैलाने के लिए किन अधिकारियों को नियुक्त किया गया था?

उत्तर. धम्म महामत्ता

7. प्राचीन काल में तमिलकम में उभरे राज्यों के नाम बताइए।

उत्तर. चोल, चेर और पांड्य।

8. कुषाण शासकों ने कौन सी उपाधि धारण की थी ?

उत्तर. "देवपुत्र"

9. अग्रहार क्या था ?

उत्तर. वह भूमि जो ब्राह्मणों को दी गई थी।

10. श्रेणियाँ क्या थीं ?

उत्तर. श्रेणी या गिल्ड शिल्प उत्पादकों और व्यापारियों के संगठन थे।

लघुत्तरिय प्रश्न

1. छठी शताब्दी ईसा पूर्व को अक्सर प्रारंभिक भारतीय इतिहास में एक प्रमुख मोड़ क्यों माना जाता है?

उत्तर. I प्रारंभिक राज्यों और शहरों का विकास

II लोहे का उपयोग और सिक्कों का विकास

III बौद्ध धर्म और जैन धर्म सहित विभिन्न विचारधाराओं का विकास

2. मौर्य साम्राज्य के इतिहास के पुनर्निर्माण के स्रोत क्या हैं?

उत्तर. I मेगस्थनीज का विवरण

II कौटिल्य या चाणक्य द्वारा लिखित अर्थशास्त्र, बौद्ध, जैन और पौराणिक साहित्य

III अशोक के अभिलेख। इन्हें सबसे मूल्यवान स्रोत माना जाता है।

3. प्रयाग प्रशस्ति पर एक संक्षिप्त टिपण्णी लिखिए|

उत्तर. I प्रशस्ति राजाओं की प्रशंसा में लिखी जाती थी|

II प्रयाग प्रशस्ति हरिषेण द्वारा लिखी गई|

III यह प्रशस्ति गुप्त शासक समुद्रगुप्त की प्रशंसा में लिखी गई|

4. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए अपनाई गई रणनीतियों का उल्लेख करें।

उत्तर. I लोहे की नोक वाले हल का उपयोग

II धान की रोपाई विधि

III सिंचाई के लिए कुओं और तालाबों का उपयोग

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1.मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद क्यों बन गया?

उत्तर. I कृषि अच्छी थी।

II उपजाऊ मैदान

III लोहे की खदानें उपलब्ध थी

IV हाथी जंगलों में उपलब्ध थे

V परिवहन के लिए उपयोग की जाने वाली नदियाँ।

VI बिम्बिसार , अजातसत्तु और महापद्म नंद जैसे महत्वाकांक्षी राजा

VII महत्वपूर्ण रणनीतिक अवस्थिति

VIII शक्तिशाली वंशों का शासन

2. अभिलेखीय साक्ष्य की सीमाएँ क्या हैं?

उत्तर. I अक्षर हल्के ढंग से उकेरे गए हैं

II अभिलेख क्षतिग्रस्त हो सकते हैं

III शब्द गायब हो सकते हैं।

IV शब्दों के अर्थ बदले जा सकते हैं।

V ये केवल उन राजाओं के दृष्टिकोण को दर्शाते है जिन्होंने ने इन्हें बनाया है|

VI ये आम व्यक्तियों के जीवन के बारे में नहीं बताते है|

VII इनमें केवल महत्वपूर्ण घटनाओं को रिकोर्ड किया गया है|

VIII कुछ अभिलेखों को अभि तक नहीं पढ़ा गया है|

महत्वपूर्ण पारिभाषिक शब्द

पारिभाषिक शब्द	अर्थ
अभिलेखशास्त्र	अभिलेखों के अध्ययन को अभिलेखशास्त्र कहते है
दानात्मक अभिलेख	वे अभिलेख जिनमें धार्मिक संस्थाओं को दी गए दान का विवरण होता है|
श्रेणी	उत्पादकों और व्यापारियों के संघ
मुद्राशास्त्र	सिक्कों का अध्ययन
गण या संघ	वे महाजनपद जहाँ कई लोगों का समूह शासन करता था

मानचित्र

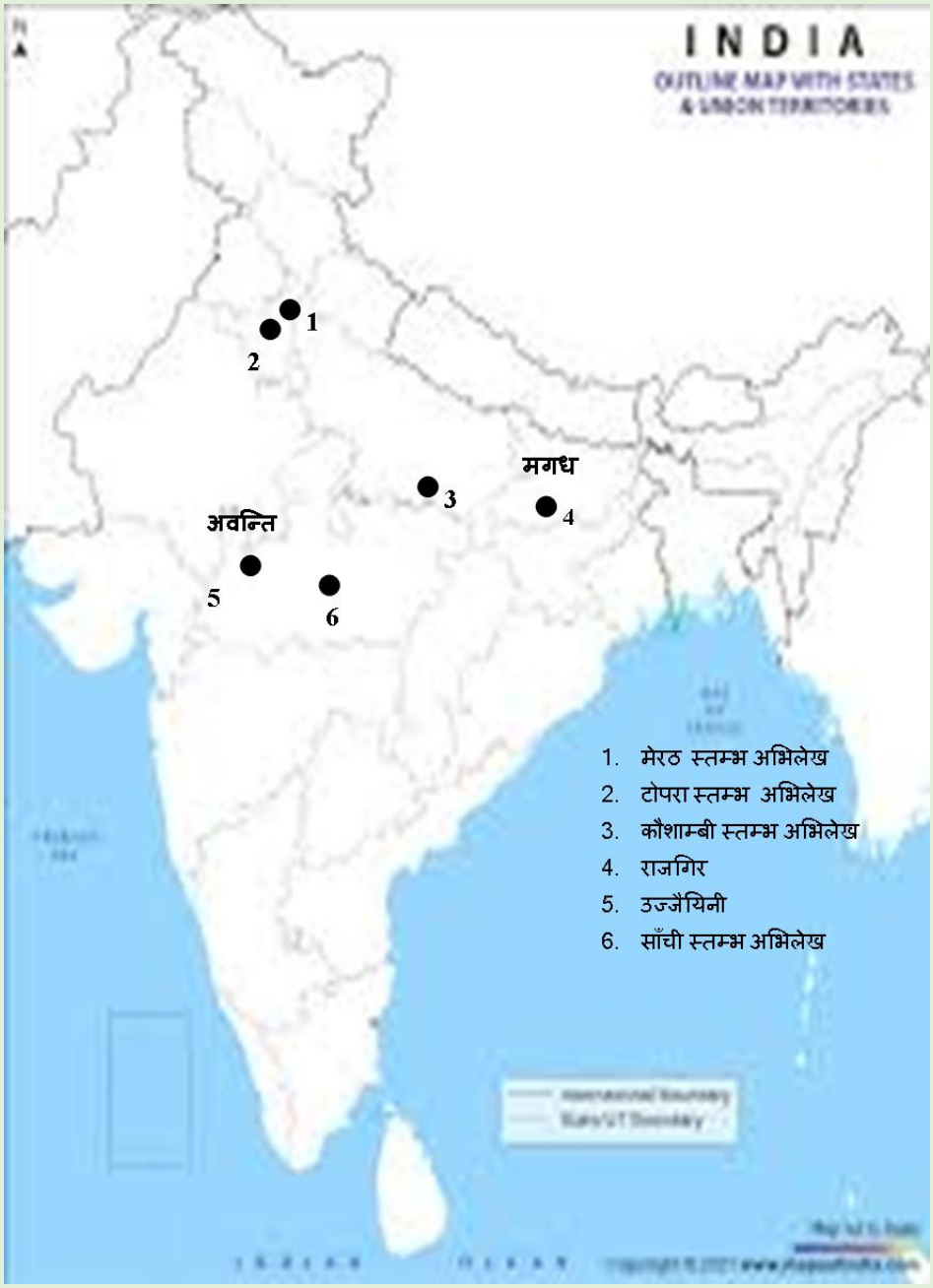
INDIA
OUTLINE MAP WITH STATES
& UNION TERRITORIES
1
2
मगध
3
4
अवन्ति
5
6
1. मेरठ स्तम्भ अभिलेख
2. टोपरा स्तम्भ अभिलेख
3. कौशाम्बी स्तम्भ अभिलेख
4. राजगिर
5. उज्जैयिनी
6. साँची स्तम्भ अभिलेख

अध्याय -3

बंधुत्व ,जाति एवं वर्ग

महाभारत का आलोचनात्मक संस्करण

यह परियोजना 1919 में वी. एस. सुकथंकर के नेतृत्व में शुरू हुई।महाभारत के विभिन्न संस्करणों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। दो प्रमुख निष्कर्ष सामने आए:

1. कुछ तत्व सभी संस्करणों में समान थे।
2. इसमें क्षेत्रीय विविधताएं भी पाई गईं।

बंधुत्व और विवाह: नियम एवं परंपराएं

- महाभारत की कहानियों से पितृसत्तात्मक व्यवस्था को बल मिला।
- बहिर्गोत्रीय विवाह (Exogamy) प्रचलित था।
- कन्यादान को धीरे-धीरे धार्मिक कर्तव्य माना जाने लगा।

गोत्र व्यवस्था:

- एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह नहीं कर सकते थे। विवाह के बाद महिलाओं को अपने पिता का गोत्र छोड़ना पड़ता था।
- सातवाहन वंश ने गोत्र नियमों में अपवाद प्रस्तुत किए।- कुछ शासकों की पहचान माता के नाम से (मातृवंशीय) की जाती थी।

वर्ण और जाति व्यवस्था: नियम एवं परंपराएं

- वर्ण व्यवस्था को दैवी और जन्म पर आधारित बताया गया।
- चार वर्णों के लिए निर्धारित कार्य:
  - ब्राह्मण – पुरोहित
  - क्षत्रिय – योद्धा/राजा
  - वैश्य – व्यापारी
  - शूद्र – सेवक
- सूत्रों में कहा गया कि केवल क्षत्रिय ही राजा बन सकता है।
  - लेकिन इतिहास में गैर-क्षत्रिय राजा भी हुए।
- वर्ण व्यवस्था से बाहर के लोगों को जातियों (जति) में रखा गया।
- एक जैसे कार्य करने वाली जातियाँ श्रेणियों (श्रेणि) में संगठित थीं।
  - कई बार श्रेणियों के सदस्य अन्य कार्य भी करते थे।
- कुछ सामाजिक वर्गों को अस्पृश्य माना गया, जैसे – चांडाल।

संपत्ति अधिकार

- संस्कृत ग्रंथों के अनुसार महिलाओं को संपत्ति का अधिकार नहीं था, केवल स्त्रीधन की अनुमति थी।
- अपवाद: प्रभावतीगुप्ता (चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री) ने एक गांव का दान किया था।
- शूद्रों के लिए केवल सेवा कार्य को ही उचित माना गया। परंतु बौद्ध ग्रंथों में धनवान शूद्रों का भी उल्लेख मिलता है।

सामाजिक भेदभाव की व्याख्या

- बौद्ध दृष्टिकोण में सामाजिक भेदभाव की व्याख्या सामाजिक अनुबंध सिद्धांत पर आधारित थी, न कि दैवी व्यवस्था पर।

महाभारत: एक जटिल और गतिशील ग्रंथ

- यह ग्रंथ कई भाषाओं और लिपियों में लिखा गया था।

- इसमें दो भाग होते हैं:
  - कथात्मक – कहानियाँ
  - नीतिपरक – शिक्षा व उपदेश
- यह ग्रंथ 500 ई.पू. से 500 ई. के बीच रचा गया था। इसके लिए संपूर्ण पुरातात्विक साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं।

एक पंक्ति के उत्तर

प्रश्न1 . पित्रवंशिता से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर -वह वंश परंपरा जो पिता के पुत्र फिर पौत्र- प्रपौत्र आदि से चलती है

प्रश्न2 . मनुस्मृति द्वारा निर्धारित चांडालो के कर्त्तव्य बताइए|

उत्तर -गाँव के बाहर रहना, फेंके हुए बर्तनों का इस्तेमाल, मरे हुए लोगो के वस्त्र तथा लोहे के आभूषण पहनना

प्रश्न3. स्त्रीधन क्या था ?

उत्तर -विवाह के समय स्त्री को मिले उपहार।

प्रश्न 4 मनुस्मृति क्या है?

उत्तर –संस्कृत मे लिखा हुआ धर्मशास्त्र।

प्रश्न 5 एकलव्य कौन था?

उत्तर –जंगल वासी और धनुर्धर।

प्रश्न6: महाभारत में वर्ण व्यवस्था के कितने मुख्य वर्ग बताए गए हैं?

उत्तर: चार – ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र।

प्रश्न7: वर्ण व्यवस्था किस सिद्धांत पर आधारित थी?

उत्तर: कर्म और जन्म के सिद्धांत पर।

प्रश्न8: जाति और वर्ण में मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर: वर्ण वैदिक वर्गीकरण है, जबकि जाति जन्म पर आधारित सामाजिक व्यवस्था है।

प्रश्न9: 'बंधुत्व' का क्या अर्थ है महाभारत के सन्दर्भ में?

उत्तर: समाज में समानता, सहयोग और सामाजिक एकता की भावना।

प्रश्न 10: महाभारत काल में 'अवर्ण' किसे कहा जाता था?

उत्तर: जो चार वर्णों में शामिल नहीं थे, उन्हें अवर्ण कहा जाता था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न11 . महाभारत एक जीवंत स्त्रोत किस तरह है ?

उत्तर:

1 महाभारत केवल संस्कृत रूपांतरण तक सीमित नहीं है
2 महाभारत के अनेक पाठांतर विभिन्न भाषाओ में लिखे गए है जो लोगो एवं समुदायों के संवाद का परिणाम
3 अनेक कहानिओ का क्षेत्र विशेष में उद्भव हुआ
4 महाभारत के दृश्यों को मूर्तियों एवं चित्रों में दर्शाया गया
5 नृत्य एवं नाटक के माध्यम से दर्शाया गया

.

प्रश्न12 . महाभारत की भाषा एवं विषयवस्तु की व्याख्या कीजिये |

उत्तर

1 महाभारत की भाषा संस्कृत है जो वेदों से कही अधिक सरल है

2 इसके प्राकृत, पालि, तमिल में भी पाठांतर मिलते है

3 विषयवस्तु को दो मुख्य शीर्षकों में बांटा जाता है – आख्यान एवं उपदेशात्मक

4 संभवतः उपदेशात्मक भाग बाद में जोड़ा गया है

5 उपदेशात्मक भाग में सामाजिक आचार-विचार समाहित है, संभवतः इनका उदेश्य समाज को निर्देश देना था

प्रश्न13 . पित्रवंशिता कुलीन परिवारों के लिए क्यों महत्वपूर्ण थी ?

1 पित्रवंशिता का आदर्श महाभारत की कथा से पूर्व भी प्रचलित रहा होगा

2 महाभारत की मुख्य कथा पित्रवंशिता को पुनः स्थापित करती है

3 अधिकतर शासक वंशो ने इस व्यवस्था के पालन का दावा किया है

4 पुत्र न होने की स्थिति में , सगे- सम्बन्धी उत्तराधिकार का दावा करते थे

5 पित्रवंशिता के आदर्श के संकेत ऋग्वेद के मंत्रो में भी मिलते है।

प्रश्न13. महाभारत की भाषा और विषय-वस्तु को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर: महाभारत की भाषा और विषय-वस्तु नीचे दी गई है:

i. महाभारत संस्कृत भाषा में लिखी गई है।महाभारत में प्रयुक्त संस्कृत अन्य वेदों की तुलना में बहुत सरल है।

ii. महाभारत की विषय-वस्तु कथात्मक और उपदेशात्मक दो खंडों में विभाजित है।

iii. कथात्मक खंड में कहानियाँ हैं।उपदेशात्मक खंड में सामाजिक मानदंडों के बारे में निर्देश हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1 . महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने के विभिन्न चरणों का विवरण दीजिये |

उत्तर

1 १९१९ में वी एस. सुक्थंकर के नेतृत्व में विद्वानों ने इस परियोजना की शुरआत की

2 देश के विभिन्न भागो में विभिन्न लिपियों में लिखी गयी महाभारत की संस्कृत पाण्डुलिपिओ को एकत्र किया गया

3 सभी पाण्डुलिपिओ में लगभग समान श्लोको का चयन किया गया

4 क्षेत्रिय विभिन्नताओं को भी इंगित किया गया

5 विद्वानों ने तमिल, प्राकृत, पालि भाषा में संस्करणों का भी अद्धयन किया

प्रश्न 2 . महाभारत प्राचीन समय के सामाजिक मूल्यों को जानने का उत्तम स्त्रोत है , स्पष्ट कीजिये|

उत्तर

1 दो बांधव-जनों के बीच भूमि एवं सत्ता के लिए हुए संघर्ष की कहानी है , इससे भाईचारे के मूल्यों में आये परिवर्तनों का संकेत मिलता है

2 पित्रवंशिता के आदर्शो के पालन का संकेत

3 पुत्रो की महत्ता , पुत्रियों का पारिवारिक संपत्ति पर कोई दावा नहीं

5 पुत्रियों का विवाह परिवार से बाहर, इसे बहिर्विवाह पद्धति कहते थे

6 कन्यादान करना अभिभावको का धार्मिक कर्त्तव्य

7 भीम एवं हिडिम्बा का विवाह गैर- ब्राह्मणीय परंपरा का उदाहरण

8 बहुपत्नी विवाह का उदाहरण मिलता है

9 गोत्र परंपरा का पालन

.

मुख्य बिन्दु

बंधुत्व - पारिवारिक संबंधों की सामाजिक व्यवस्था

वर्ण व्यवस्था - समाज को चार वर्गों में बांटने की प्रणाली

जाति - जन्म पर आधारित सामाजिक श्रेणी

बहिर्गोत्रीय विवाह- अलग गोत्र में विवाह करने की परंपरा

पितृसत्ता - वह व्यवस्था जिसमें पिता को परिवार में सर्वोच्च अधिकार होता है

शूद्र - वर्ण व्यवस्था का चौथा और निम्न वर्ग, सेवा कार्यों से जुड़ा

धर्म - नैतिक कर्तव्यों और धार्मिक आचरण का मार्ग

अध्याय- 4

विचारक, विश्वास और इमरातें

अध्याय का सार

परिचय: यह अध्याय बौद्धों, जैनों, ब्राह्मणवादी ग्रंथों, स्मारकों और शिलालेखों के आधार पर 600 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी की अवधि के दौरान उभरने वाले विचारों और विश्वासों को समझने की कोशिश करता है।

भोपाल के शासकों की भूमिका:

- सांची स्तूप (बौद्ध स्मारक) 1818 में खोजा गया और भोपाल की शासक शाहजहां बेगम ने एवं सुल्तान जहां बेगम द्वारा संरक्षित किया गया |
- शासकों ने संरक्षण के लिए धन प्रदान किया और स्तूप के अवशेषों को यूरोपियन के हाथों मे जाने से बचाया |
- जॉन मार्शल ने सांची पर किए गए अपने काम को सुल्तान जहां बेगम को समर्पित किया।

महावीर- 24 वें तीर्थंकर: जो संसार की नदी को पार लगाने मे पुरुषों और महिलाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

महावीर का संदेश : पत्थरों, चट्टानों में जीवन; जीवित प्राणियों को चोट न पहुंचाना, अहिंसा का सिद्धांत, जन्म और पुनर्जन्म के चक्र का कारण कर्म हैं , मुक्ति के लिए मठवासी जीवन आवश्यक|

बुद्ध की शिक्षाएं:

- **दुख** सार्वभौमिक है, यहां तक कि खुशी भी अस्थायी है। **दुःख का कारण**: इच्छा और अज्ञानता। **संसार** : लगातार बदलता हुआ और आत्माहीन।
- **लक्ष्य**: *निर्वाण* – अहंकार और इच्छा का अंत, **मार्ग**: आत्म-प्रयास, नैतिक जीवन, संयम का मार्ग।
- संघ :बुद्ध द्वारा स्थापित भिक्षुओं का संगठन। सभी सामाजिक समूहों के अनुयायी।
- बौद्ध ग्रंथ- त्रिपिटक- **विनय पिटक (**संघ के लिए नियम), **सुत्त पिटक (**बुद्ध की शिक्षाएं) **अभिधम्म पिटक (**दार्शनिक विषय)

स्तूप: पहले चैत्य बाद में स्तूप के रूप मे विकसित ।

- स्तूप, बुद्ध के शारीरिक अवशेषों अथवा बुद्ध के द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओ का संग्रह |
- स्तूप कैसे बनाए गए थे? राजाओं, संघों, महिलाओं और पुरुषों द्वारा दान |
- स्तूप की संरचना- अंड (एक अर्ध-गोलाकार टीला), हरमिका (एक बालकनी जैसी संरचना: देवताओं का निवास), यष्टि (एक दंड - हरमिका से उत्पन्न)।

अमरावती और सांची का भाग्य:

- सांची बच गया लेकिन अमरावती नहीं बचा । अमरावती स्तूप इन-सीटू संरक्षण के मूल्य से पहले पाया गया था।
- 1850 के दशक तक, अमरावती स्तूप के स्लैब कलकत्ता, मद्रास और लंदन भेजे गए।

सांची स्तूप में इन-सीटू संरक्षण के लिए एचएच कोल का समर्थन हुआ।

मूर्तियां- पत्थरों में कहानी: 1. वेसन्तर जातक कथा 2. प्रतीकों की पूजा (**खाली आसन**- बुद्ध का ध्यान, **स्तूप**- महापरिनिर्वाण, **चक्र** - बुद्ध का पहला उपदेश 3.लोकप्रिय परंपराएं (**शालभंजिका**- शुभ प्रतीक, गजलक्ष्मी- सौभाग्य का प्रतीक)

नई धार्मिक परंपराए – महायान बौद्ध धर्म, पहली शताब्दी ईस्वी , (सभी की मुक्ति, मुक्तिदाता -बोधिसत्व की अवधारणा, बुद्ध की मूर्ति पूजा शुरू)

पौराणिक हिंदू धर्म का विकास- **वैष्णव और शैववाद**, मंदिरों का निर्माण

बराबर गुफाएं (बिहार), देवगढ़ मंदिर (यूपी), कैलाशनाथ मंदिर, एलोरा, महाराष्ट्र

एक शब्द/पंक्ति प्रश्न

Q.1 स्तूप में बालकनी जैसी संरचना को क्या कहा जाता है ?

उत्तर : हरमिका

Q.2 बौद्ध ग्रंथ में दार्शनिक विषयों से संबंधित कौन सा ग्रन्थ है?

उत्तर : अभिधम्म पिटक

Q.3 ..... सांची स्तूप के संरक्षण के लिए धन प्रदान किया।

उत्तर: भोपाल की बेगम

Q.4 सांची स्तूप (बौद्ध स्मारक) ..... में खोजा गया|

उत्तर: 1818

Q.5 जैन धर्म में 'तीर्थंकर' से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर: जो संसार की नदी को पार लगाने मे पुरुषों और महिलाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

Q.6 'बोधिसत्व की अवधारणा बौद्ध धर्म के किस सम्प्रदाय से सम्बंधित है?

उत्तर: महायान संप्रदाय ।

Q. 7 'संसार आत्माहीन है।' कौन सा दर्शन संसार के बारे में इस विचार में विश्वास करता है?

उत्तर: बौद्ध धर्म

Q.8 भारत के किस राज्य में आठवीं शताब्दी का मंदिर, कैलाशनाथ मंदिर स्थित है?

उत्तर: महाराष्ट्र

Q.9 'चक्र ' का प्रतीक बुद्ध के जीवन की किस घटना का प्रतिनिधित्व करता है?

उत्तर: बुद्ध का पहला उपदेश

Q.10 बुद्ध द्वारा स्थापित भिक्षुओं के संगठन को ..... कहा जाता था

उत्तर: संघ

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q. 11. सांची स्तूप के संरक्षण में भोपाल के शासकों की भूमिका की विवेचना कीजिए।

उत्तर :

i. शाहजहाँ बेगम यूरोपीय लोगों को प्लास्टर कास्ट प्रतियां प्रदान करके स्तूप को अपने मूल स्थान पर बनाए रखने में कामयाब रही।
ii. उन्होंने संरक्षण के लिए अनुदान भी प्रदान किया।
iii. सुल्तान जहां ने जॉन मार्शल के निष्कर्षों के प्रकाशन और संग्राहलय के निर्माण के लिए अनुदान दिए|

Q.12 महायान बौद्ध धर्म की विशेषताएं क्या थीं?

उत्तर :

i. महायान का अर्थ है - महान वाहन- **सभी के लिए मोक्ष। मुक्तिदाता की अवधारणा** का उदय हुआ।
ii. **बोधिसत्व** दयालु प्राणी थे जो पुण्य प्राप्त करते हैं एवं उनका उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए उपयोग करते हैं।
iii. बुद्ध और बोधिसत्वों की मूर्ति पूजा शुरू हुई।

Q.13. जैन धर्म की शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

i. अहिंसा: सभी चीजों में जीवन है; किसी को नुकसान न पहुंचाएं।
ii. कर्म, जन्म और पुनर्जन्म के चक्र का कारण हैं |
iii. पांच प्रतिज्ञाएं: कोई हत्या, चोरी, झूठ नहीं; ब्रह्मचर्य का पालन करें; कोई संपत्ति का संग्रह नहीं।

Q. 14 शैव और वैष्णव परंपराएँ पुराणिक हिंदू धर्म की विविधता को किस प्रकार दर्शाती हैं?

उत्तर :

i. शैव परंपरा में शिव को परम देवता के रूप में पूजा जाता है। उन्हें संहारक, तपस्वी और योगी के रूप में चित्रित किया गया है।
ii. शैव धर्म में लिंग पूजा का विशेष महत्व है और अनेक पुराण जैसे *शिव पुराण* इस परंपरा को आधार प्रदान करते हैं।
iii. वैष्णव परंपरा में विष्णु को संसार के पालक के रूप में पूजा जाता है और उनके विभिन्न अवतारों जैसे राम और कृष्ण की व्यापक रूप से भक्ति की जाती है। इन दोनों परंपराओं में पूजा की विधियाँ, मंदिर स्थापत्य में भिन्नताएँ हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

Q.15 बुद्ध की प्रमुख शिक्षाओं का परीक्षण कीजिए ?

उत्तर :

i. **दुख** सार्वभौमिक है, यहां तक कि खुशी भी अस्थायी है।
ii. **दुःख का कारण**: इच्छा और अज्ञानता।
iii. **संसार** : लगातार बदल रहा है और आत्माहीन है |
iv. **लक्ष्य**: *निर्वाण* – अहंकार और इच्छा का अंत।
v. **बौद्ध धर्म आत्मा की सत्ता को अस्वीकार करताहै**
vi. बुद्ध ने **व्यक्तिगत प्रयास** और **सद्कार्यों पर जोर दिया**।
vii. उन्होंने राजाओं और गहपतियों को मानवीय और नैतिक होने की सलाह दी।
viii. बुद्ध जगत को ईश्वर की रचना नहीं मानते थे।

Q.16 स्तूपों का निर्माण कैसे तथा क्यों किया गया? स्पष्ट कीजिए। |

उत्तर : स्तूपों का निर्माण बौद्ध धर्म के अनुयायियों द्वारा बुद्ध की स्मृति में किया गया था। ये मूलतः समाधि स्मारक होते थे, जिनमें बुद्ध के अवशेष, जैसे अस्थियाँ या धातु से बनी वस्तुएँ, स्थापित की जाती थीं।

i. प्रारंभ में मिट्टी के ढेर के रूप में बनाए गए स्तूपों को बाद में ईंट व पत्थरों से स्थायी रूप दिया गया।

ii. एक मुख्य अंड (गोलाकार गुंबद), हरमिका (छत्र के नीचे वर्गाकार क्षेत्र), और चैत्य वृत्त (प्रदक्षिणा पथ) जैसे भाग इसमें होते थे।

iii. राजा अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में अनेक स्तूपों का निर्माण करवाया, विशेषकर सांची स्तूप प्रमुख उदाहरण है।

निर्माण का उद्देश्य:

i. बुद्ध की स्मृति को संरक्षित करना
ii. धार्मिक भक्ति का केंद्र बनाना
iii. बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार
iv. तीर्थ यात्रा एवं ध्यान साधना के स्थल
v. स्तूप केवल धार्मिक महत्व नहीं रखते थे, बल्कि कला, संस्कृति और स्थापत्य के अद्भुत उदाहरण भी थे।

महत्वपूर्ण शब्दावली

1.	उपनिषद्	ग्रंथों का एक समूह जो वैदिक अवधारणाओं और ब्रह्म, कर्म और मोक्ष के नए विचार पर आधारित है।
2.	कुटाग्रशाला	शाब्दिक अर्थ , एक नुकीली छत वाली झोपड़ी, जहां वाद विवाद होते थे |
3.	संत चरित्र	किसी संत या धार्मिक नेता की जीवनी।
4.	बुद्ध	जिसे ज्ञान प्राप्त हो
5.	निबबान	अहंकार और इच्छा का बुझना(अंत)|
6.	थेरी	सम्मानित महिला जिन्होंने मुक्ति प्राप्त की थी.
7.	चैत्य	एक अंतिम संस्कार टीला या छोटे पूजा स्थल के साथ पवित्र स्थान.
8.	जातक	बौद्ध ग्रंथ (बुद्ध के पिछले जन्म की कहानियाँ)
9.	बोधिसत्व	दयालु प्राणी जो दूसरों को निर्वाण प्राप्त करने में मदद करते हैं.
10.	हीनयान या थेरवाद	पुरानी बौद्ध परंपरा के अनुयायी
11.	पुराण	ब्राह्मणों द्वारा संकलित पाठ (पहली सहस्राब्दी ईस्वी के मध्य तक) में हिंदू देवी-देवताओ की कहानियां शामिल हैं।
12.	गर्भगृह	एक कमरा जहां मंदिर में देवता की मूर्ति रखी जाती है.

मानचित्र कार्य

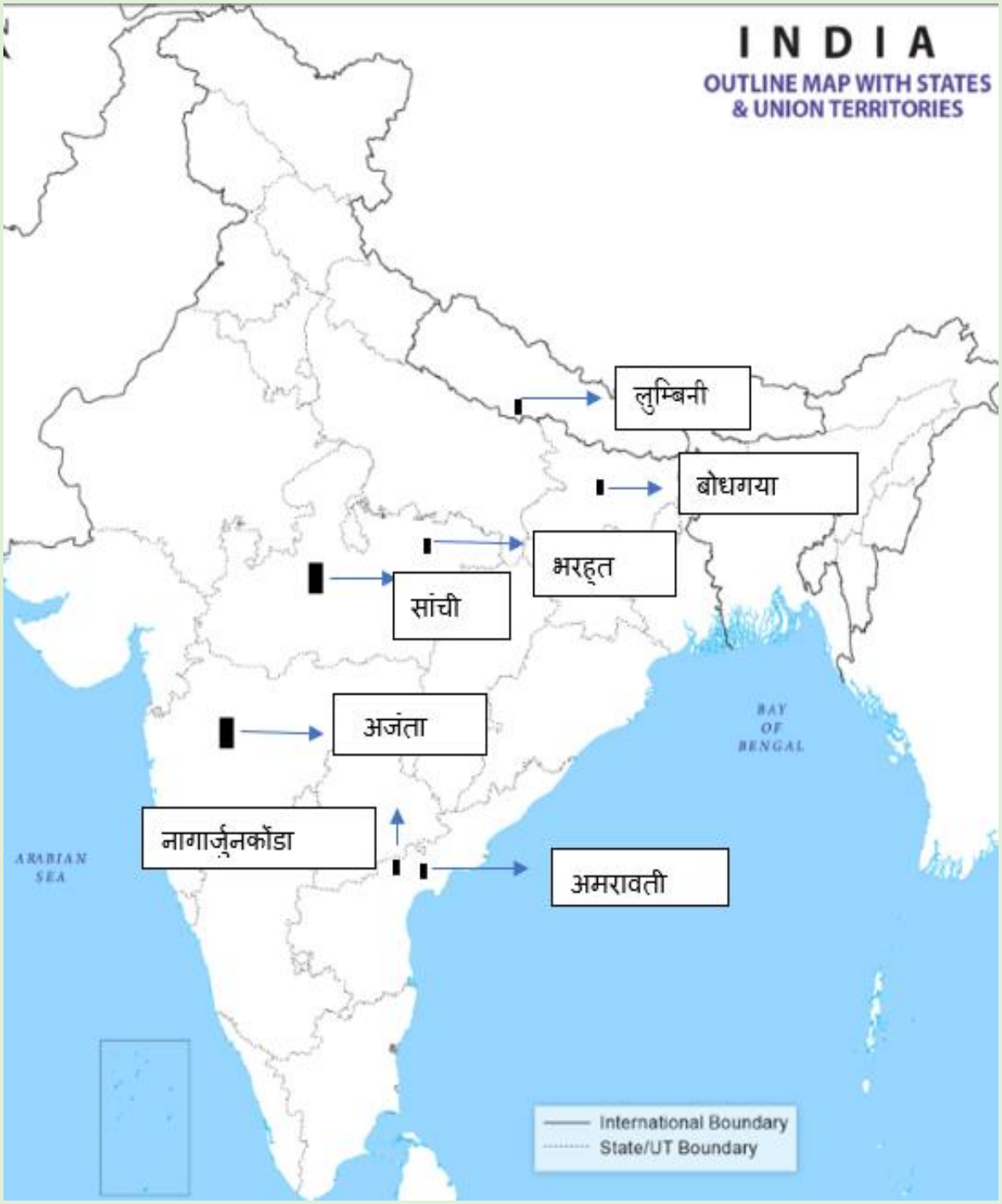
INDIA
OUTLINE MAP WITH STATES
& UNION TERRITORIES
लुम्बिनी
बोधगया
भरहुत
सांची
अजंता
नागार्जुनकोंडा
अमरावती
BAY
OF
BENGAL
ARABIAN
SEA
International Boundary
State/UT Boundary

अध्याय -5

यात्रियों की नज़रिये

समाज की धारणाएँ (लगभग दसवीं से सत्रहवीं शताब्दी)

अध्याय का सार

अल-बिरूनी

- मध्य एशिया के महान विद्वान अल-बिरूनी 11वीं शताब्दी में भारत आए थे। वे महमूद गजनवी के आक्रमण के दौरान भारत आए थे।
- अल-बिरूनी का जन्म 4 सितंबर 973 को उज्बेकिस्तान के ख्वारिज्म में हुआ था।
- अल-बिरूनी कई भाषाओं में पारंगत थे। अल-बिरूनी की सबसे बेहतरीन रचना 'किताब-उल-हिंद' गजनी में लिखी गई थी और यह भारत से संबंधित थी।

इब्न बतूता –

- वह 14वीं शताब्दी में मोरक्को से भारत आए थे। उन्होंने मक्का की तीर्थ यात्राएं की थीं और पहले ही सीरिया, इराक, फारस, यमन, ओमान और पूर्वी अफ्रीका के तट पर कुछ व्यापारिक बंदरगाहों में बड़े पैमाने पर यात्रा कर चुके थे।
- मुहम्मद बिन तुगलक, सुल्तान उनकी विद्वता से प्रभावित हुए और उन्हें दिल्ली का काजी या न्यायाधीश नियुक्त किया। 1342 में उन्हें मंगोल शासक के लिए सुल्तान के दूत के रूप में चीन जाने का आदेश दिया गया।
- मोरक्को के महान यात्री की 1377 में मृत्यु हो गई, लेकिन उनके द्वारा लिखा गया विवरण ' रिहला ' है।
- वह सल्तनत काल के दौरान भारत की संचार प्रणाली के बारे में विवरण देता है। भारत में दो प्रकार की डाक प्रणाली थी। ये उलूक (घोड़ा डाक) और दावा (पैदल डाक)। दावा, उलूक से अधिक तेज थी और अक्सर इसका उपयोग खुरासान के फलों के परिवहन के लिए किया जाता था।

फ्रांसिस बर्नियर –

- वह एक फ्रांसीसी यात्री था जो 17वीं शताब्दी में भारत आया था। **फ्रांसिस** बर्नियर एक महान फ्रांसीसी चिकित्सक, दार्शनिक और इतिहासकार थे
- उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक लिखी जिसका शीर्षक था " **मुगल दरबार में यात्राएँ"। फ्रेंकोइस ने** भारतीय शहर, भूमि स्वामित्व प्रणाली और सामाजिक बुराई, यानी सती प्रथा के बारे में विस्तार से बताया है।
- **सती प्रथा -** बर्नियर ने अपने लेख में सती प्रथा का विस्तृत विवरण दिया है। उन्होंने बताया कि कुछ महिलाएं खुशी-खुशी मौत को गले लगा लेती थीं, जबकि कुछ को जबरन मौत के घाट उतार दिया जाता था। उन्होंने लाहौर में बाल सती प्रथा पर भी गौर किया, जहां एक बारह वर्षीय युवा विधवा की बलि दी जाती थी।
- **महिला श्रमिक -** कृषि और गैर-कृषि उत्पादन दोनों में महिला श्रमिक महत्वपूर्ण थे। व्यापारी परिवारों की महिलाएँ वाणिज्यिक गतिविधियों में भाग लेती थीं। इसलिए, ऐसा लगता नहीं है कि महिलाओं को उनके घरों के निजी स्थानों तक ही सीमित रखा गया हो।

एक सूत्रीय प्रश्न

1. डाक प्रणाली के अस्तित्व का प्रमाण हमें किसके द्वारा मिलता है ?

उत्तर: इब्न-बतूता

2. किसने कहा था, 'उपमहाद्वीप रोमांचक अवसरों से भरा है?'

उत्तर: इब्न बतूता

3. निम्नलिखित में से किस यात्री को मुहम्मद बिन तुगलक ने दिल्ली का काजी या न्यायाधीश नियुक्त किया था?

उत्तर: इब्न- बतूता

4. निम्नलिखित में से कौन सी भारत में अल-बिरूनी के सामने मुख्य बाधा थी?

उत्तर: भाषा , धार्मिक प्रथा

5. किताब-उल- हिंद किसने लिखी?

उत्तर: अल-बिरूनी

6. ट्रैवल इन मुगल एम्पायर किसने लिखी?

उत्तर- फ्रेंकोइस बर्नियर

7- नगर सेठ कौन थे?

उत्तर- व्यापारी समुदाय का मुखिया

8. फ्रेंकोइस बर्नियर ने अपनी प्रमुख रचनाएँ किस राजा को समर्पित कीं?

उत्तर- लुई XIV

9. इब्न बटू भारत की दो अद्भुत चीजें देखकर मंत्रमुग्ध हो गया -

उत्तर- नारियल और पान का पत्ता

10-मुगल शहरों को कैंप शहर किसने कहा था?

उत्तर- बर्नियर

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. किताब-उल-हिंद पर एक टिप्पणी लिखें।

उत्तर:

i. किताब-उल-हिंद अल-बिरूनी द्वारा लिखी गई थी। यह अरबी भाषा में लिखा गया था। इसे 80 अध्यायों में विभाजित किया गया है।
ii. उन्होंने हिंदू धर्म और दर्शन, त्योहारों, रीति-रिवाजों और परंपराओं, लोगों के सामाजिक और आर्थिक और राजनीतिक जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला है।
iii. प्रत्येक अध्याय में उन्होंने एक विशिष्ट शैली अपनाई और शुरुआत में एक प्रश्न रखा। इसके बाद संस्कृत परंपरा पर आधारित विवरण दिया गया।

प्रश्न 2. इब्न बतूता द्वारा दिए गए दास प्रथा के साक्ष्य का विश्लेषण करें।

i. उत्तर: दिल्ली के सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक के पास बड़ी संख्या में दास थे।
ii. इस समय दासों को उपहार के रूप में भी दिया जाता था। इब्न बतूता जब उनसे मिलने गया, तो उसने सुल्तान को भेंट करने के लिए बहुत से घोड़े, ऊँट और दास भी लाए।
iii. महिला दास अमीरों (कुलीनों) के घर में नौकर के रूप में काम करती थीं। ये महिलाएँ सुल्तान को अपने स्वामियों (यानी कुलीनों) की गतिविधियों के बारे में जानकारी देती थीं। अधिकांश दास घरेलू काम करती थीं

प्रश्न 3. सती प्रथा के वे कौन से तत्व थे जिन्होंने बर्नियर का ध्यान आकर्षित किया?

उत्तर:

i. बर्नियर के अनुसार सती प्रथा पश्चिमी और पूर्वी समाज में महिलाओं के साथ व्यवहार में अंतर को दर्शाती है।
ii. उन्होंने देखा कि कैसे बाल विधवाओं को जबरन अंतिम संस्कार की चिता पर जला दिया जाता था
iii. विधवा सती प्रथा की अनिच्छुक शिकार थी। उसे सती होने के लिए मजबूर किया गया था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. "इब्न बतूता ने उपमहाद्वीप में रोमांचक अवसरों से भरे शहर पाए" अपने उत्तर को उसके द्वारा दिए गए साक्ष्यों से पुष्ट कीजिए

उत्तर: इब्न बतूता ने उपमहाद्वीप के शहरों को उन लोगों के लिए रोमांचक अवसरों से भरा पाया जिनके पास आवश्यक प्रेरणा, संसाधन और कौशल थे।

i. वे घनी आबादी वाले और समृद्ध थे,
ii. इन शहरों में सड़कें और बाजार हैं जहाँ विभिन्न प्रकार के सामान मिलते हैं।
iii. दिल्ली एक विशाल शहर है, जिसकी जनसंख्या बहुत अधिक है, यह भारत का सबसे बड़ा शहर है।
iv. दौलताबाद (महाराष्ट्र में) भी कम नहीं था, और आकार में आसानी से दिल्ली से प्रतिस्पर्धा करता था।
v. बाज़ार न केवल आर्थिक लेन-देन के स्थान थे, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र भी थे।
vi. ज़्यादातर बाज़ारों में एक मस्जिद और एक मंदिर होता था और उनमें से कुछ में नर्तकियों, संगीतकारों और गायकों द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए जगह बनाई जाती थी।
vii. उपमहाद्वीप भारतीय विनिर्माण के साथ व्यापार और वाणिज्य के अंतर-एशियाई नेटवर्क के साथ अच्छी तरह से एकीकृत था।
viii. भारतीय वस्त्र, सूती कपड़ा, बढ़िया मलमल, रेशम, ब्रोकेड और साटन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में काफी मांग थी।

प्रश्न 2. भारत में भू-संपत्ति के स्वामित्व के बारे में बर्नियर की धारणा को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

i. बर्नियर के अनुसार, मुगल भारत और यूरोप के बीच एक बुनियादी अंतर भारत में भूमि पर निजी संपत्ति का अभाव था।
ii. सभी भूमि पर ताज का स्वामित्व उनका मानना था कि मुगल सम्राट के पास सारी भूमि थी और उन्होंने इसे अपने रईसों में वितरित किया, इससे अर्थव्यवस्था और समाज के लिए विनाशकारी परिणाम हुए।
iii. भूमि में कोई सुधार नहीं भूमि पर निजी संपत्ति की अनुपस्थिति ने "सुधारक" जमींदारों के वर्ग के उभरने को रोक दिया था
iv. जीवन स्तर में गिरावट इसके कारण कृषि की एक समान बर्बादी हुई, किसानों पर अत्यधिक अत्याचार हुआ और समाज के सभी वर्गों के जीवन स्तर में निरंतर गिरावट आई।
v. बर्नियर ने भारतीय समाज को दरिद्र लोगों से मिलकर बना बताया, जो एक अमीर और शक्तिशाली शासक वर्ग के अल्पसंख्यक द्वारा वशीभूत थे।
vi. बर्नियर ने विश्वास के साथ कहा कि, "भारत में कोई मध्यम राज्य नहीं था।" और राजा "भिखारियों और बर्बर लोगों" का राजा था;
vii. इसके शहर और कस्बे बर्बाद हो गए थे और "बीमार हवा" से दूषित थे; और इसके खेत, "झाड़ियों से भरे हुए" और महामारी वाले दलदल से भरे हुए थे"।
viii. सोलहवीं शताब्दी में अकबर के शासनकाल के आधिकारिक इतिहासकार अबुल फ़ज़ल ने भूमि राजस्व को "संप्रभुता के पारिश्रमिक" के रूप में वर्णित किया है। यूरोपीय यात्री ऐसे दावों को लगान के रूप में मानते थे ।

अध्याय 6

भक्ति -सूफी परंपराएं

धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रन्थ

(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

अध्याय का सार

1. धार्मिक विश्वासों और आचरणों की गंगा-जमुनी बनावट

- साहित्य व मूर्तिकला में अनेक देवी-देवताओं का उल्लेख।
- उड़ीसा में जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की आदिवासी लकड़ी से बनी मूर्तियाँ।
- देवी की तांत्रिक आराधना वैदिक परंपरा से भिन्न थी।

2. उपासना की कविताएँ और प्रारंभिक भक्ति परंपरा

- भक्ति के दो प्रकार: सगुण (मूर्त रूप) व निर्गुण (निराकार)।
- निर्गुण भक्ति के प्रमुख संत: कबीर, नानक, दादू दयाल।
- प्रारंभिक भक्ति आंदोलन 6वीं सदी में तमिलनाडु से शुरू; अलवार (विष्णु भक्त) व नयनार (शिव भक्त)।
- अलवारों की रचना *नलायिर दिव्य प्रबंधम्* को वेद तुल्य माना गया।

3. कर्नाटक की वीरशैव / लिंगायत परंपरा

- 12वीं सदी में बसवन्ना के नेतृत्व में लिंगायत आंदोलन।
- लिंग धारण की परंपरा; मृत्यु के बाद पुनर्जन्म नहीं, श्राद्ध वर्जित।
- विधवा पुनर्विवाह, वयस्क विवाह को मान्यता।

4. उत्तरी भारत में धार्मिक उफान

- शिव व विष्णु की मंदिरों में उपासना, शासकीय समर्थन से निर्माण।
- नाथ, जोगी, सिद्ध जैसे संतों का उदय; वेदों को चुनौती दी।

5. इस्लामी परंपराएँ

- इस्लाम के पाँच स्तंभ: एकेश्वरवाद, पैगंबर में आस्था, नमाज़, जकात, रोज़ा और हज।
- मस्जिदों में विशेष स्थापत्य: मक्का की दिशा, मेहराब व मिम्बर।
- मुस्लिम समुदायों को क्षेत्रानुसार भिन्न नाम जैसे तुरष्क, ताजिक, परसीक आदि।

6. सूफी परंपरा का विकास

- रहस्यवाद और भक्ति की ओर झुकाव, ईश्वर के आदेशों का पालन।
- सूफी केंद्र: *खानकाह*, नेतृत्व शेख या पीर करते थे।

- *सिलसिला* से पीर-मुरीद का संबंध; कुछ फकीर खानकाह से अलग जीवन जीते – बे-शरिया।

7. चिश्ती सिलसिला (भारत में)

- चिश्ती सूफियों ने स्थानीय परंपराएँ अपनाई।
- उपासना के माध्यम: *जिक्र* (स्मरण) और *समा* (संगीत)।

8. नवीन भक्ति पंथ

- **कबीर**: एकेश्वरवाद, मूर्तिपूजा का विरोध, बीजक, ग्रंथावली आदि रचनाएँ।
- **गुरु नानक**: निर्गुण भक्ति, कर्मकांडों का विरोध, नाम-स्मरण पर बल।
- **मीराबाई**: कृष्ण भक्ति की कवयित्री, सगुण परंपरा की अनुयायी।

9. धार्मिक परंपराओं के इतिहास का पुनर्निर्माण

- इतिहासकार मूर्तिकला, स्थापत्य, संत कथाएँ, स्त्री-पुरुषों की रचनाओं से धार्मिक परंपरा का अध्ययन करते हैं।

एक पंक्ति/शब्द प्रकार के प्रश्न

1. मध्यकालीन भारत के नाथ सम्प्रदाय कौन थे?

उत्तर :- नाथ सम्प्रदाय

2 भक्ति संत कराइक्कल अम्मइयार कौन थी ?

उत्तर :- वह तमिलनाडु की एक नयनार महिला शिव भक्त थी।

3. गुरु तेग बहादुर जी की रचना को गुरु ग्रंथ साहिब में किसने शामिल किया

उत्तर :-गुरु गोबिंद सिंह जी ने

4. वीरशैव या लिंगायत कौन थे?

उत्तर ::-वे शिव को सर्वोच्च मानते हैं,

5. कौन अमीर खुसरो (महान कवि और संगीतकार , कव्वाली ,कॉल की शुरुआत के मार्गदर्शक थे ?

उत्तर :- शेख निज़ामुद्दीन औलिया

6. सिक्खों के किस गुरु ने 'आदि ग्रंथ साहिब' का संकलन किया ?

उत्तर :-गुरु अर्जुन देव जी

7.भगवान जगन्नाथ का सम्बन्ध निम्नलिखित से है

उत्तर ::-विष्णु

8. शेख मुईनुद्दीन चिश्ती कहाँ के सूफी संत थे?

उत्तर ::- - अजमेर

9. बसवन्ना का सम्बन्ध किस प्रदेश से है?

उत्तर - कर्नाटक

10. काल अनुसार क्रमबद्ध करे : गुरु नानक देव, गुरु अर्जन देव, गुरु गोबिन्द सिंह , गुरु तेगबहादुर

उत्तर - गुरु नानक देव, गुरु अर्जन देव, गुरु तेगबहादुर, गुरु गोबिन्द सिंह

लघु -उत्तरीय प्रकार के प्रश्न

11. मध्यकालीन भारत में भक्ति आंदोलन के संदर्भ में मीराबाई के जीवन और योगदान का वर्णन कीजिए।

उत्तर:-मीराबाई

(i) मीराबाई (लगभग 15वीं-16वीं शताब्दी) सगुण भक्ति परंपरा की सबसे प्रसिद्ध महिला कवयित्री हैं।

(ii) वह मारवाड़ के मेड़ता की एक राजपूत राजकुमारी थीं। शादी उनकी इच्छा के विरुद्ध राजस्थान के मेवाड़ के सिसोदिया वंश के एक राजकुमार से हुई थी।

(iii) वह कृष्ण की प्रेमिका के रूप में भक्ति संत थीं। उन्होंने जातिगत समाज के मानदंडों को नहीं माना।

12. कबीर के दर्शन और शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर:-(i) कबीर निर्गुण विचारधारा के कवि थे |

(ii) अल्लाह, खुदा, हज़रत, अलख, निराकार, ब्रह्म, आत्मन् कहकर परम सत्य को पुकारा है।

(iii) मूर्तिपूजा, बलि, छूआछूत की आलोचना |नाम सिमरन, जप को महत्त्व, समानता और गुरु की भक्ति पर बल दिया है।

13. 'बारहवीं शताब्दी, में कर्नाटक में वीरशैव संतों के द्वारा एक धार्मिक और सामाजिक आंदोलन हुआ' ।उपयुक्त बिंदुओं के साथ कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:-(i)कर्नाटक में 12वीं सदी में बसवन्ना (1106 से 68) के नेतृत्व में वीरशैव या लिंगायत(शिव के वीर / लिंग धारण करने वाले) परंपरा चलाई।

(ii) लिंगायत शिव की लिंग के रूप में पूजा करते हैं। उन्होंने पुनर्जन्म के सिद्धांत पर भी सवाल उठाए।

(iii) लिंगायत जाति की अवधारणा के खिलाफ थे।उन्होंने विधवा पुनर्विवाह और वयस्क विवाह का समर्थन किया।

14. गुरु नानक देव के दर्शन और शिक्षाओं की व्याख्या कीजिए|

उत्तर:-

(i) गुरु नानक देव जी ने निर्गुण भक्ति का प्रचार किया (उन्होंने परम रब को निराकार बताया)।

(ii) बलिदानों और अनुष्ठानों को अस्वीकार कर दिया (यज्ञ, अनुष्ठानिक स्नान, मूर्ति पूजा व कठोर तप आदि का विरोध किया)।

(iii) सामाजिक समानता के लिए लंगर (सामूहिक भोज)। सामूहिक उपासना के लिए नियम निर्धारित। (संगत)

दीर्घ -उत्तरीय प्रकार के प्रश्न

15. अलवारों और नयनारों के विचारों की व्याख्या कीजिए | राज्यों के साथ इन्होनें अपने संबंध किस प्रकार स्थापित किए? स्पष्ट कीजिए|

उत्तर:-(i) अलवार भगवान विष्णु के भक्त थे और नयनार भगवान शिव के भक्त थे। भक्ति संतों ने जातिगत समानता का प्रचार किया

(ii) उनकी रचनाएँ वेदों जितनी ही महत्वपूर्ण थी, उदाहरण के लिए नलयिरादिव्यप्रबंधम

(iii) अंडाल (अलवार संत) और कराइक्काल अम्मईयार (नयनार संत) जैसी महिलाएं भक्ति संत थी।

राज्य के साथ संबंध :

(i) चोल शासकों ने विष्णु और शिव के मंदिरों के निर्माण के लिए अनुदान दिया।

(ii) उन्होंने तमिल भाषा के शैव भजनों का एक संकलन एक ग्रंथ (तवरम) में किया।

(iii) चोल शासक परांतक प्रथम ने एक शिव मंदिर में संत कवि अप्पार, संबंदर और सुंदरार की धातु की मूर्तियों की प्रतिष्ठा की।

16. सूफीयों के आचार -विचार क्या थे? सूफियों के राज्य के साथ संबंधों को भी स्पष्ट कीजिए|

उत्तर:-(i) सूफियों ने वैराग्य और रहस्यवाद की ओर रुख किया।

(ii) उन्होंने ईश्वर के प्रति गहन भक्ति और प्रेम के माध्यम से मुक्ति की तलाश पर जोर दिया।

(iv) उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर कुरान की व्याख्या की।

(vi) दान पर चलने वाली सामुदायिक रसोई (लंगर) बिन मांगी खैरात (फुतूह) पर चलती थी।

(vii) संगीत और नृत्य के माध्यम से ईश्वर से जुड़ना।

राज्य के साथ सूफियों के संबंध:

(i) सूफियों ने राजनीतिक अभिजात वर्ग से अनचाहे अनुदान और दान स्वीकार किया।

(ii) शासक न केवल सूफी संतों से संबंध रखना चाहते थे अपितु उनके समर्थन के भी कायल थे।

शब्दावली

- **शरिया** मुसलमान समुदाय को निर्देशित करने वाला कानून है।
- **हदीस** का अर्थ है पैगंबर साहब से जुड़ी परंपराएं जिसके अंतर्गत उनके इस स्मृत शब्द और क्रियाकलाप भी आते हैं।
- **कियास** (सदृशता के आधार पर तर्क) और **इजमा** (समुदाय की सहमति) को भी कानून का स्रोत माना जाता है।
- जिम्मी वे लोग थे जो उद्धटित धर्म ग्रंथ को मानने वाले थे जैसे इस्लामी शासको के क्षेत्र में रहने वाले यहूदी और ईसाई
- यह लोग **जजिया** नामक कर चुका कर मुसलमान शासको द्वारा संरक्षण दिए जाने के अधिकारी हो जाते थे। भारत में इसके अंतर्गत हिंदुओं को भी शामिल कर लिया गया।
- **वली (बहुवचन- ओलिया)** अर्थात ईश्वर का मित्र वह सूफी जो अल्लाह के नजदीक होने का दावा करता था और उनसे मिली बरकत से करामात करने की शक्ति रखता था |
- पीर की दरगाह पर **जियारत** के लिए जाने की खास तौर से उसकी बरसी के अवसर पर परिपाटी चल निकली|
- **मात्रगृहता** -वह परिपाटी जहां स्त्रियां विवाह के पश्चात मायके में ही संतान के साथ रहती हैं।

अध्याय -7

एक साम्राज्य की राजधानी: विजयनगर (लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)

अध्याय का सारांश

- विजयनगर, दक्षिण भारत का एक शक्तिशाली साम्राज्य और राजधानी थी जिसकी स्थापना 1336 ई. में हरिहर और बुक्का ने की थी।
- यह साम्राज्य 1565 ई. में तालीकोटा के युद्ध के बाद लूटे जाने तक समृद्ध रहा, जिसके बाद इसे त्याग दिया गया।
- इसकी पुनः खोज 1800 ई. में कर्नल कॉलिन मैकेंज़ी द्वारा की गई, जिन्होंने प्रारंभिक सर्वेक्षण, अभिलेखों और विदेशी यात्रियों के वृत्तांतों पर भरोसा किया।
- कृष्णा-तुंगभद्रा दोआब क्षेत्र के लोग इसे "हम्पी" नाम से जानते थे, जो स्थानीय मातृ देवी "पम्पादेवी" से जुड़ा हुआ है।

राजवंश और शासक:

- पहला राजवंश **संगम वंश** था, जिसने 1485 ई. तक शासन किया। इसके बाद **सालुव वंश** (1503 ई. तक), फिर **तुलुव वंश** आया, जिससे प्रसिद्ध राजा **कृष्णदेव राय** (1509–1529 ई.) संबंधित थे।
- 1542 ई. के बाद शासन **अरविदु वंश** के हाथों में चला गया, जो सत्रहवीं शताब्दी के अंत तक सत्ता में रहा।

प्रशासन और सैन्य व्यवस्था:

- शासकों को **राय** कहा जाता था; जैसे कृष्णदेव राय, जिन्होंने साम्राज्य का विस्तार किया और निर्माण कार्यों को प्रोत्साहन दिया।
- **अमरा-नायक प्रणाली** के अंतर्गत सैन्य प्रमुखों को क्षेत्र सौंपे जाते थे, जिनका दायित्व सेना बनाए रखना और शासन करना होता था।

जल प्रबंधन और किलेबंदी:

- नगर में जल प्रबंधन अत्यंत उन्नत था; इसमें टंकियों और नहरों का व्यापक उपयोग हुआ।
- **कमलापुरम् टैंक**, जो 15वीं सदी की शुरुआत में बनाया गया था, निकटवर्ती खेतों की सिंचाई करता था
- **हिरिया नहर**, तुंगभद्रा नदी पर बने बाँध से जल खींचती थी और "पवित्र केंद्र" व "नगरीय कोर" के बीच की घाटी को सिंचित करती थी; इसे संभवतः संगम वंश ने बनवाया था।
- यहाँ की अद्वितीय दीवारें कृषि भूमि तक को घेरती थीं, ताकि संकट के समय रक्षात्मक रणनीति के रूप में काम आ सकें।

महत्वपूर्ण संरचनाएँ:

- **राजकीय केंद्र** में **महानवमी डिब्बा** जैसी विशाल वेदिका थी जहाँ राज्य समारोह आयोजित होते थे, और सुंदर **लोटस महल** स्थित था।
- **पवित्र केंद्र** में भव्य मंदिर स्थित थे जैसे – **विरुपाक्ष मंदिर** और **विट्ठल मंदिर**, जिनमें ऊँचे **राय गोपुरम्** (प्रवेशद्वार) और सुंदर **मंडप** बने थे।

आर्थिक और सांस्कृतिक विशेषताएँ:

- विजयनगर की अर्थव्यवस्था घोड़ों, मसालों और बहुमूल्य वस्तुओं के व्यापार पर आधारित थी, जिससे राज्य की समृद्धि में योगदान मिला।
- इसकी विशिष्ट वास्तुकला में देशी शैली और **इंडो-इस्लामी प्रभाव** का सुंदर समावेश देखा जाता है, विशेषकर भवनों और प्रवेशद्वारों में।
- आज **हम्पी** के रूप में जानी जाने वाली यह जगह अब एक **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** है।

एक शब्द / एक पंक्ति उत्तर

1. **तुलुव वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक कौन था?**

उत्तर :कृष्णदेव राय

2. **विजयनगर के खंडहर किस आधुनिक नगर में स्थित हैं?**

उत्तर :हम्पी

3. **कौन-सा मंदिर अपने पत्थर के रथ के लिए प्रसिद्ध है?**

उत्तर :विट्ठल मंदिर

4. **कौन-सा विदेशी यात्री पुर्तगाल से विजयनगर आया था?**

उत्तर :पैस

5. **महानवमी डिब्बा में मनाया जाने वाला प्रमुख त्योहार कौन-सा था?**

उत्तर :दशहरा

6. **विजयनगर के शासकों के लिए हम्पी क्षेत्र का क्या महत्व था?**

उत्तर :हम्पी को उसकी सामरिक स्थिति और धार्मिक महत्त्व के कारण चुना गया था।

7. **अमरा-नायक प्रणाली क्या थी?**

उत्तर :यह एक सैन्य और प्रशासनिक प्रणाली थी, जिसमें नायकों को सैन्य सेवा के बदले भूमि दी जाती थी।

8. **महानवमी डिब्बा का क्या कार्य था?**

उत्तर :यह एक शाही मंच था जहाँ दशहरा जैसे समारोह और सार्वजनिक आयोजन होते थे।

9. **हम्पी के खंडहर विजयनगर के बारे में क्या दर्शाते हैं?**

उत्तर :वे इसके उन्नत नगर नियोजन, वास्तुकला और शाही वैभव को दर्शाते हैं।

10. **विजयनगर में जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत क्या था?**

उत्तर :टंकियाँ और नहरें जल आपूर्ति के मुख्य स्रोत थे।

लघु उत्तर प्रश्न

1. विजयनगर साम्राज्य की किलाबंदी की विशेषता का परीक्षण कीजिए।

उत्तर :विजयनगर साम्राज्य की किलाबंदी की विशेषता का वर्णन विदेशी यात्री **अब्दुर रज्जाक** ने किया था।

I. सुरक्षा की बहुस्तरीय व्यवस्था: इस साम्राज्य में सात परतों वाली घेराबंदी की दीवारें थीं, जिनमें प्रवेश द्वार और प्रहरी मीनारें थीं।

II. प्राकृतिक भू-आकृति के साथ समन्वय: पहाड़ियाँ, नदियाँ और बड़े-बड़े पत्थरों को प्राकृतिक रक्षात्मक बाधाओं के रूप में कुशलता से उपयोग किया गया।

III. कृषि क्षेत्रों का घेराव: किलों की परिधि में खेत, अन्न भंडार और जल टंकियाँ शामिल थीं ताकि लंबे समय तक घेराबंदी झेली जा सके।

2. विजयनगर के पवित्र क्षेत्र में विरुपाक्ष मंदिर का महत्व स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :I. यह सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है और आज भी पूजा की जाती है।

II. यह भगवान **विरुपाक्ष** (शिव के एक रूप) के संप्रदाय से जुड़ा हुआ है।

III. यह एक प्रमुख तीर्थ स्थल था, जो भक्तों और राजकीय संरक्षण को आकर्षित करता था।

3. क्या महानवमी डिब्बा को शाही केंद्र में एक महत्वपूर्ण संरचना माना गया है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :I. महानवमी (नवरात्रि/दशहरा) के पर्व के दौरान भव्य उत्सवों का आयोजन यहीं होता था।

II. यहाँ सैन्य परेड, नृत्य प्रदर्शन और राजकीय शोभायात्राएँ आयोजित होती थीं।

III. ऊँचे मंच से राजा नीचे हो रहे समारोहों का अवलोकन करते थे।

4. विजयनगर के इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए किन मुख्य स्रोतों का उपयोग किया गया है?

उत्तर :I. **पुरातात्विक साक्ष्य:** स्मारक, मूर्तियाँ, शिलालेख आदि।

II. **विदेशी यात्रियों के वृत्तांत:** जैसे डोमिंगो पैस और अब्दुर रज्जाक के विवरण।

III. **साहित्यिक स्रोत:** क्षेत्रीय भाषाओं एवं संस्कृत में उपलब्ध ग्रंथ।

दीर्घ उत्तर प्रश्न

1. विजयनगर साम्राज्य के शाही क्षेत्र की विशिष्ट विशेषताओं को समझाइए।

उत्तर :I. **घेरा हुआ क्षेत्र:** शाही क्षेत्र एक अच्छी तरह से परकोटे में बंद क्षेत्र था, जिसमें ऊँची दीवारें और प्रवेश द्वार थे।

II. **राजकीय आवास:** इसमें राजमहल, दरबार हॉल और प्रशासनिक भवन शामिल थे।

III. **महानवमी डिब्बा:** यह एक बड़ा मंच था जिसका उपयोग दशहरा जैसे सार्वजनिक समारोहों के लिए किया जाता था।

IV. **लोटस महल:** एक अनोखा मंडप था जिसमें हिंदू और इस्लामी स्थापत्य शैली का समन्वय दिखाई देता है।

V. **सांस्कृतिक महत्त्व:** यह क्षेत्र साम्राज्य की शक्ति, संपन्नता और वास्तुकला कौशल को दर्शाता था।

VI. **हाथी अस्तबल:** एक लम्बा भवन था जिसमें गुंबदाकार कक्ष बने थे, जहाँ शाही हाथियों को रखा जाता था।

VII. **जल प्रबंधन:** यहाँ योजनाबद्ध टंकियाँ, नहरें और भूमिगत जल निकासी प्रणाली शामिल थी।

VIII. **गारे का प्रयोग नहीं:** भवनों का निर्माण ग्रेनाइट के पत्थरों को बिना गारे के जोड़कर किया गया था।

2. विजयनगर साम्राज्य में राय और नायकों की भूमिका की विवेचना कीजिए।

उत्तर :**राय (शासकों) की भूमिका:**

I. **सर्वोच्च सत्ता:** राय राजा होते थे और प्रशासन, सेना तथा धर्म में अंतिम अधिकार रखते थे।

II. **केन्द्रीयकृत शासन:** वे प्रमुख राजस्व क्षेत्रों पर नियंत्रण रखते थे और शीर्ष अधिकारियों की सीधी नियुक्ति करते थे।

III. **राजकीय संरक्षण:** उन्होंने मंदिर निर्माण, कला और साहित्य को बढ़ावा दिया।

IV. **सैन्य नेतृत्व:** उन्होंने विशाल सेनाओं का नेतृत्व किया और बाहरी आक्रमणों से साम्राज्य की रक्षा की।

नायकों (सेनापतियों) की भूमिका:

I. **शासक:** नायक सैन्य प्रमुख होते थे, जिन्हें सेवा के बदले भूमि (अमरम्) प्रदान की जाती थी।

II. **अमरा-नायक प्रणाली:** वे राजस्व वसूलते थे, सेना बनाए रखते थे और युद्ध में राजा की सेवा करते थे।

III. **स्थानीय प्रशासन:** वे अपने क्षेत्रों में स्थानीय शासन, मंदिरों का प्रबंधन और न्याय व्यवस्था संभालते थे।

IV. **बाद में स्वतंत्रता:** 17वीं शताब्दी तक कई नायक शक्तिशाली होकर स्वतंत्र राज्य स्थापित करने लगे थे।

शब्दावली

अमर नायक व्यवस्था	सैन्य एवं प्रशासनिक भूमि अनुदान प्रणाली / अमर-नायक व्यवस्था
राय	राया (राजा या शासक)
मंडप	मंदिरों में स्तंभयुक्त मंडप
गोपुरम्	मंदिर का द्वार-गर्भ / गोपुरम्
महानवमी डिब्बा	शाही अनुष्ठानों हेतु मंच

मानचित्र

भारत के राजनीतिक मानचित्र पर निम्नलिखित स्थानों को दर्शाइए / चिह्नित कीजिए:

बिदर, गोलकोंडा, बीजापुर, विजयनगर, चंद्रगिरि, कांचीपुरम, मैसूर, तंजावुर, कोलार, तिरुनेलवेली

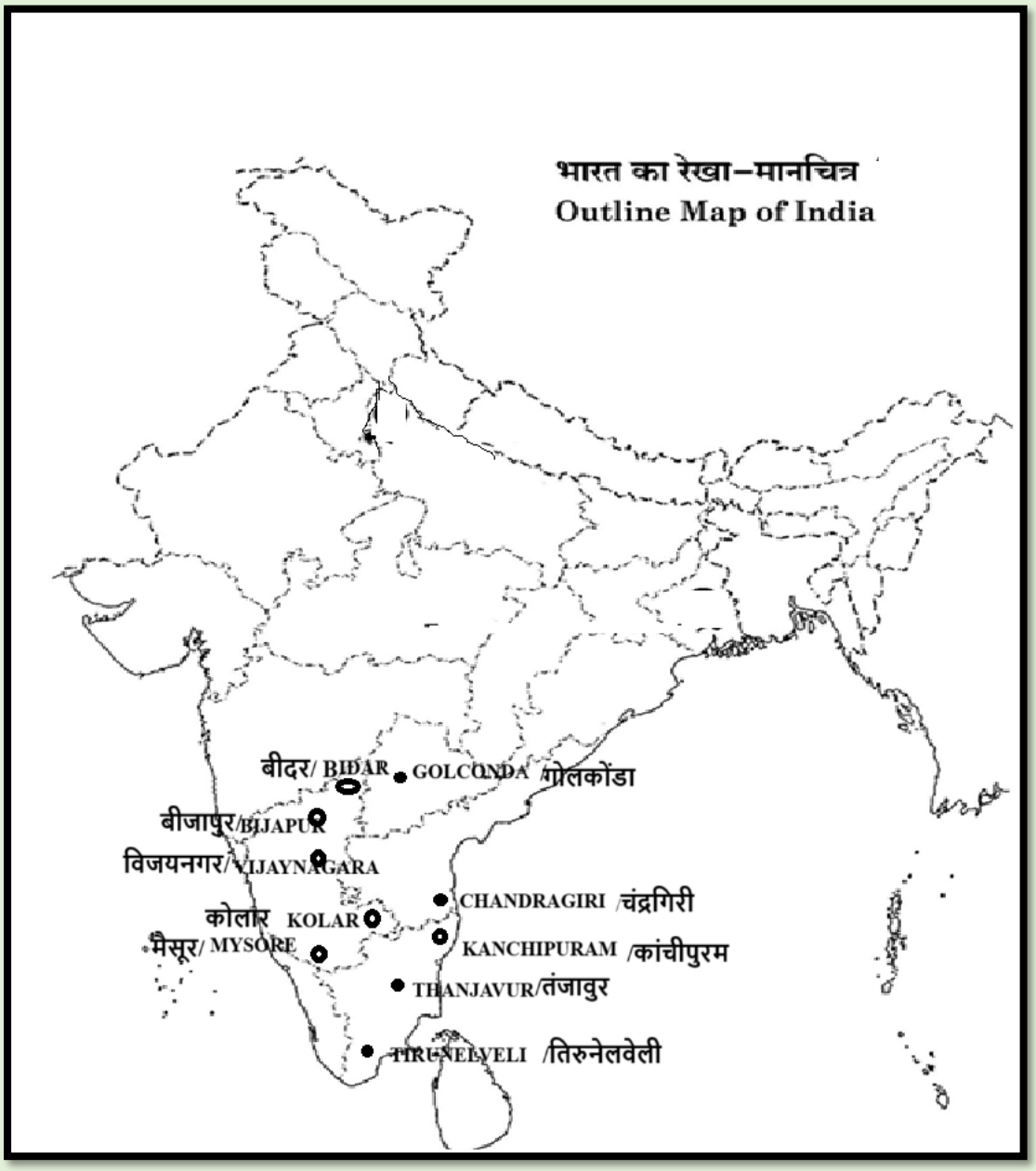

अध्याय 8

किसान, जमींदार और राज्य

- सबसे महत्वपूर्ण इतिहास **आइन -ए- अकबरी** (संक्षेप में आइन) था, जिसे अकबर के दरबारी इतिहासकार अबुल फ़ज़ल ने लिखा था।
- दो तरह के किसान - **खुद-काश्त और पाही-काश्त।** खुद-काश्त उस गांव के निवासी थे, जहां उनकी ज़मीन थी और पाही-काश्त गैर-निवासी किसान थे, जो किसी दूसरे गांव के थे, लेकिन अनुबंध के आधार पर कहीं और ज़मीन पर खेती करते थे। लोग अपनी पसंद या मजबूरी में पाही-काश्त बन जाते हैं।
- मानसून मुगल अर्थव्यवस्था की रीढ़ था। सिंचाई परियोजनाओं को भी राज्य का समर्थन प्राप्त था। उत्तर भारत में राज्य ने नई नहरों (नहर, नाला) की खुदाई की और शाहजहाँ के शासनकाल के दौरान पंजाब में शाहनहर जैसी पुरानी नहरों की मरम्मत भी की।

कृषि में तकनीकें:

- लकड़ी का हल, बैलों द्वारा खींची जाने वाली ड्रिल
- छोटे लकड़ी के हैंडल वाले संकीर्ण लोहे के ब्लेड से कुदाल और निराई
- *कपास और गन्ना जैसी फसलें जिन-ए-कामिल (उत्तम फसलें) थीं।*
- अकबर और उसके अमीरों को पहली बार **1604** में तम्बाकू मिला। जहाँगीर को इसकी लत इतनी लगी कि उसने इस पर प्रतिबंध लगा दिया।
- **पंचायत का मुखिया मुकद्दम या मंडल नामक मुखिया** होता था। कुछ स्रोतों से पता चलता है कि मुखिया का चुनाव गाँव के बुजुर्गों की सहमति से होता था
- ज़मींदारों में महिलाओं को संपत्ति विरासत में पाने का अधिकार था।
- जंगली के नाम से जाने जाने वाले वनवासी वे थे जिनकी आजीविका वन उपज इकट्ठा करने, शिकार करने और खेतीबाड़ी करने से होती थी।
- अधिकांश ज़मींदारों के पास किले के साथ-साथ घुड़सवार सेना, तोपखाना और पैदल सेना की एक सशस्त्र टुकड़ी भी थी।
- **राजस्व निर्धारण का कार्य राजस्व संग्रहकर्ता या आमिल गुजर द्वारा किया जाता है।**
- **अकबर के अधीन भूमि का वर्गीकरण**
- **पोलज**-प्रतिवर्ष खेती की जाने वाली भूमि, **परती** : उपजाऊपन वापस पाने के लिए कुछ समय के लिए खेती से बाहर छोड़ी गई भूमि,**चाचर**: 3 से 4 साल तक परती छोड़ी गई भूमि,**बंजर**: 5 साल या उससे ज़्यादा समय तक खेती से बाहर रखी गई भूमि
- **मनसबदारी व्यवस्था-** मुगल प्रशासनिक व्यवस्था के शीर्ष पर एक सैन्य-सह-नौकरशाही तंत्र (मनसबदारी) था, जो राज्य के नागरिक और सैन्य मामलों की देखभाल के लिए जिम्मेदार था।
- 1690 के आसपास भारत से गुज़रने वाले **जियोवेन्नी कैरेरी ने दुनिया भर में चाँदी के भारत पहुँचने के तरीके के बारे में एक विस्तृत विवरण दिया है।**

- आइन पाँच पुस्तकों (दफ़्तरों) से बना है: - **पहली पुस्तक, जिसे मंज़िल-आबादी कहा जाता है,** शाही घराने और उसके रख-रखाव से संबंधित है। - **दूसरी पुस्तक, सिपाह-आबादी, सैन्य और नागरिक प्रशासन** और नौकरों की स्थापना की जानकारी प्रदान करती है।
- **तीसरी पुस्तक, मुल्क-आबादी,** वह है जो साम्राज्य के **राजकोषीय पक्ष से** संबंधित है
- **चौथी और पाँचवीं पुस्तकें (दफ़्तर)** भारत के लोगों की धार्मिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपराओं से संबंधित हैं
- **आइन-ए-अकबरी की सीमाएँ-** आइन में कुछ अंकगणितीय त्रुटियाँ हैं, सभी प्रांतों से समान रूप से डेटा एकत्र नहीं किया गया ,सभी क्षेत्रों की कीमतों और मजदूरी पर डेटा उपलब्ध नहीं है

एक पंक्ति वाले प्रश्न के उत्तर

प्रश्न 1: मुगल भारत में ज़मींदार कौन थे?

उत्तर: ज़मींदार ज़मींदार थे जो राज्य की ओर से किसानों से राजस्व एकत्र करते थे।

प्रश्न 2: मुगल प्रशासन में भूमि राजस्व के लिए किस शब्द का इस्तेमाल किया जाता था?

उत्तर: भूमि राजस्व को जामा के रूप में जाना जाता था।

प्रश्न 3: ज़ब्त प्रणाली किसने शुरू की?

उत्तर: ज़ब्त प्रणाली अकबर द्वारा शुरू की गई थी।

प्रश्न 4: 'ज़ब्त' शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर: ज़ब्त भूमि माप के आधार पर राजस्व मूल्यांकन और संग्रह की एक विधि थी।

प्रश्न 5: मुगल अर्थव्यवस्था में किसानों की क्या भूमिका थी?

उत्तर: किसान कृषि वस्तुओं के प्राथमिक कृषक और उत्पादक थे।

प्रश्न 6: अकबर के शासनकाल के दौरान किस दस्तावेज़ में भूमि राजस्व डेटा दर्ज किया गया था?

उत्तर: अबुल फ़ज़ल द्वारा संकलित आइन-ए अकबरी।

प्रश्न 7: किसानों से वस्तु या नकद के रूप में वसूले जाने वाले कर का नाम बताइए।

उत्तर: इसे खराज कहा जाता था।

प्रश्न 8: स्थानीय स्तर पर ज़मींदारों ने सत्ता कैसे हासिल की?

उत्तर: भूमि पर नियंत्रण करके, किसानों को संगठित करके और सैन्य शक्ति बनाए रखकर।

प्रश्न 9: किसानों और ज़मींदारों के बीच संघर्ष का कारण क्या था?

उत्तर: उच्च कर और कठोर राजस्व संग्रह विधियाँ।

प्रश्न 10: जब किसान राजस्व का भुगतान करने में असमर्थ थे, तो क्या हुआ?

उत्तर: उन्हें अपनी ज़मीन से सज़ा या बेदखली का सामना करना पड़ा।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1: मुगल साम्राज्य में जमींदारों की क्या जिम्मेदारियाँ थीं?

उत्तर: 1 .राजस्व संग्रह,

2. स्थानीय प्रशासन ,

3.सैन्य सहायता

प्रश्न 2: अकबर के शासनकाल में भूमि राजस्व का आकलन कैसे किया जाता था?

उत्तर:

i. ज़ब्त प्रणाली: राजस्व भूमि माप और 10 वर्षों में औसत उपज के आधार पर तय किया गया था।
ii. आइन-ए अकबरी अभिलेख: अबुल फ़ज़ल ने फसलों, कीमतों और राजस्व पर विस्तृत डेटा दर्ज किया।
iii. नकद या वस्तु: राजस्व का भुगतान नकद या वस्तु के रूप में किया जा सकता था, जो उपयोग में आने वाली प्रणाली पर निर्भर करता था।

प्रश्न 3: मुगल राजस्व प्रणाली के तहत किसानों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ा?

उत्तर:

i. उत्तर:उच्च कर बोझ: फसल की विफलता या सूखे की परवाह किए बिना कर अक्सर भारी और निश्चित होते थे।
ii. ज़मींदारों द्वारा ज़बरदस्ती: भुगतान न कर पाने की स्थिति में किसानों को कठोर व्यवहार और दबाव का सामना करना पड़ता था।
iii. भूमि का नुकसान: भुगतान न करने पर बेदखली और खेती के अधिकार का नुकसान हो सकता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1: मुगल कृषि व्यवस्था में जमींदारों की भूमिका और स्थिति की व्याख्या करें।

उत्तर:

i. अधिकारों वाले भूस्वामी: जमींदार शक्तिशाली मध्यस्थ थे, जिनके पास भूमि के बड़े हिस्से थे और उन पर वंशानुगत अधिकार थे।
ii. राजस्व संग्रहकर्ता: वे किसानों से राजस्व एकत्र करते थे और मुगल राज्य में एक निश्चित हिस्सा जमा करते थे, जिसमें से एक हिस्सा अपनी आय के रूप में रखते थे।
iii. राजनीतिक अधिकार: वे अपने क्षेत्रों में राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव रखते थे और अक्सर स्थानीय शासकों के रूप में कार्य करते थे।

iv. सैन्य भूमिका: कई जमींदार सशस्त्र अनुचर (सैनिक) रखते थे और आवश्यकता पड़ने पर मुगल सम्राट को सैन्य सहायता प्रदान करते थे।
v. मध्यस्थ भूमिका: वे राज्य और किसानों के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करते थे, जिससे गांव स्तर पर राज्य की नीतियों को लागू करने में मदद मिलती थी।
vi. प्रतिरोध और विद्रोह: कुछ जमींदारों ने राज्य की अत्यधिक मांगों का विरोध किया और स्वायत्तता का दावा करते हुए विद्रोह का नेतृत्व किया।
vii. सांस्कृतिक संरक्षक: उन्होंने स्थानीय संस्कृति, धर्म और त्योहारों का संरक्षण किया, जिससे समाज में उनकी स्थिति मजबूत हुई।
viii. स्थिरता में योगदान: मुगल राजस्व प्रणाली की स्थिरता और दक्षता के लिए उनका सहयोग महत्वपूर्ण था।

प्रश्न 2: मुगल कृषि संरचना में किसानों की स्थिति और भूमिका पर चर्चा करें।
उत्तर:

i. प्राथमिक कृषक: किसान कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ थे, जो खाद्यान्न, कपास और गन्ना सहित विभिन्न फसलें उगाते थे।
ii. किसानों के प्रकार: वे खुदकाश्त (निवासी मालिक) और पाही-काश्त (अनिवासी या किरायेदार कृषक) में विभाजित थे।
iii. भारी कर बोझ: वे अपनी उपज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा राजस्व के रूप में, या तो नकद या वस्तु के रूप में, ज़मींदारों के माध्यम से राज्य को देते थे।
iv. भेद्यता: फसल की विफलता, सूखा या अत्यधिक कराधान अक्सर ऋण, भूमि हानि या पलायन का कारण बनता था।
v. सामाजिक बंधन: किसान अक्सर सामूहिक रूप से काम करते थे, आपसी सहयोग के लिए एकजुट गाँव समुदाय बनाते थे।
vi. प्रतिरोध आंदोलन: उत्पीड़न के मामलों में, किसान कभी-कभी ज़मींदारों या अधिकारियों के खिलाफ प्रतिरोध में एकजुट हो जाते थे।
vii. अर्थव्यवस्था में भूमिका: उनके अधिशेष उत्पादन ने व्यापार को बढ़ावा दिया और कस्बों, बाजारों और कारीगरों को सहायता प्रदान की।
viii. नैतिक अधिकार: शोषण के बावजूद, किसानों के पास अपनी भूमि पर प्रथागत अधिकार थे और वे अनुचित मांगों पर बातचीत कर सकते थे या उनका विरोध कर सकते थे।

मुख्य बिंदु

कृषि संरचना: मुगल साम्राज्य मुख्य रूप से कृषि प्रधान था, जिसमें किसान कृषि उत्पादन की रीढ़ थे और ज़मींदार राज्य और किसानों के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करते थे।

राजस्व प्रणाली: भूमि राजस्व मुगल राज्य के लिए आय का मुख्य स्रोत था, जिसे ज़ब्त जैसी प्रणालियों के माध्यम से निर्धारित किया जाता था, और नकद या वस्तु के रूप में एकत्र किया जाता था।

ज़मींदारों की भूमिका: ज़मींदार प्रभावशाली भूमिधारक थे जो राजस्व एकत्र करते थे, स्थानीय प्राधिकरण को बनाए रखते थे, और कभी-कभी प्रतिरोध या विद्रोह के माध्यम से राज्य की शक्ति को चुनौती देते थे।

किसान की स्थिति: किसानों को भारी कराधान, लगातार शोषण और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता का सामना करना पड़ता था, फिर भी उन्होंने अन्याय का विरोध करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाई

अध्याय 9

उपनिवेशवाद और देहात: सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

बंगाल और स्थायी बंदोबस्त (Permanent Settlement)

- लॉर्ड कॉर्नवॉलिस के तहत ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1793 में बंगाल में "स्थायी बंदोबस्त" की शुरुआत की।
- इस व्यवस्था के तहत, ज़मींदारों (ज़मींदारों) को भूमि का स्वामित्व दिया गया।
- उन्हें हर साल ब्रिटिश सरकार को एक निश्चित राशि का कर देना होता था।
- यदि कोई ज़मींदार भुगतान नहीं कर पाता था, तो उसकी ज़मीन छीनकर बेची जा सकती थी।
- यह एक समस्या क्यों थी:
- कई ज़मींदारों को निश्चित कर चुकाना मुश्किल लगता था, खासकर जब फसल खराब होती थी।
- किसानों को भी परेशानी हुई क्योंकि ज़मींदार अक्सर उनसे अधिक किराया वसूलते थे।

पाँचवीं रिपोर्ट (The Fifth Report)

- यह 1813 में ब्रिटिश संसद में प्रस्तुत की गई थी।
- इसमें बताया गया था कि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी भारत को कैसे चला रही थी, खासकर भूमि और राजस्व (कर) के बारे में।
- इससे पता चला कि स्थायी बंदोबस्त समस्याएँ पैदा कर रहा था और कई ज़मींदार अपनी ज़मीनें खो रहे थे।

कुदाल और हल: झूम खेती बनाम स्थायी खेती

- पहाड़िया: ये पहाड़ी लोग थे जो "झूम खेती" (जिसे शिफ्टिंग एग्रीकल्चर भी कहते हैं) करते थे। वे पेड़ों को काटते थे, वनस्पति जलाते थे, कुछ साल फसल उगाते थे, और फिर दूसरे क्षेत्र में चले जाते थे। वे कुदाल का इस्तेमाल करते थे।
- संथाल: ये जंगल में रहने वाले लोग थे जो बाद में आए और "स्थायी खेती" के लिए जंगल साफ किए। वे स्थायी रूप से खेती करने के लिए हल का इस्तेमाल करते थे।
- टकराव: ब्रिटिशों ने संथालों को खेती के लिए अधिक भूमि साफ़ करने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि वे अधिक कर वसूल सकते थे। इसने पहाड़ियों को दूर धकेल दिया और दोनों समूहों के बीच और ब्रिटिशों के साथ संघर्ष हुआ।

ग्रामीण इलाकों में एक विद्रोह: दक्कन के दंगे (Deccan Riots)

- यह 1875 में महाराष्ट्र में हुआ था।
- किसानों पर बहुत अधिक कर्ज था क्योंकि उन्हें उच्च कर चुकाना पड़ता था और साहूकारों से पैसे उधार लेने पड़ते थे।
- जब वे कर्ज नहीं चुका पाते थे, तो साहूकार उनकी ज़मीन और संपत्ति ले लेते थे।
- किसान गुस्सा हो गए और उन्होंने साहूकारों के घरों पर हमला किया और उनकी खाते की किताबें (जहाँ कर्ज का रिकॉर्ड रखा जाता था) जला दीं।

फ्रांसिस बुकानन (Francis Buchanan)

- वह एक डॉक्टर और सर्वेक्षक थे जिन्होंने भारत में बहुत यात्रा की।
- उन्होंने भूमि, लोगों और संसाधनों का विस्तृत विवरण लिखा।
- उनके लेखन से हमें ब्रिटिश शासन के दौरान ग्रामीण इलाकों में जीवन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।
- याद रखें: उन्होंने वही दर्ज किया जो उन्होंने देखा।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्र 1: स्थायी बंदोबस्त के तहत ज़मींदारों के रूप में किन्हें मान्यता दी गई थी?

उ : राजाओं और तालुकदारों को।

प्र 2: स्थायी बंदोबस्त से संबंधित "सूर्यास्त कानून" क्या था?

उ : यदि निर्धारित तिथि के सूर्यास्त तक राजस्व का भुगतान नहीं किया जाता था, तो ज़मींदारी की नीलामी की जा सकती थी।

प्र 3: "जोतदार" कौन थे और ग्रामीण बंगाल में उनका क्या महत्व था?

उ : धनी किसान जिन्होंने गाँवों में शक्ति का केंद्रीकरण किया, अक्सर स्थानीय व्यापार और साहूकारी को नियंत्रित करते थे, और ज़मींदारों को चुनौती देते थे।

प्र 4: ज़मींदारों ने अक्सर नीलामियों के बावजूद अपनी जागीरों पर नियंत्रण कैसे बनाए रखा?

उ : फर्जी बिक्री के माध्यम से, संपत्ति को अपनी माताओं या अन्य रिश्तेदारों को हस्तांतरित करके, या खरीददारों के साथ मिलीभगत करके।

प्र 5: "दामिन-ए-कोह" क्या था?

उ : राजमहल की पहाड़ियों में संथालों के लिए सीमांकित एक क्षेत्र।

प्र 6: बंबई दक्कन में कौन सी भू-राजस्व प्रणाली लागू की गई थी?

उ : रैयतवाड़ी व्यवस्था।

प्र 7: राजस्व भुगतान के संबंध में रैयतवाड़ी व्यवस्था की एक प्रमुख विशेषता क्या थी?

उ : राजस्व सीधे रैयत (किसान) के साथ तय किया जाता था, और मांग समय-समय पर संशोधनों के अधीन थी।

प्र 8: अमेरिकी गृहयुद्ध (1861) ने बंबई दक्कन में कपास उत्पादकों को कैसे प्रभावित किया?

उ : इससे "कपास उछाल" आया क्योंकि भारतीय कपास की मांग बढ़ गई, जिससे शुरू में ऋण उपलब्ध हुआ।

प्र 9: स्थायी बंदोबस्त के बाद ब्रिटिशों ने ज़मींदारों की शक्ति को नियंत्रित करने का प्रयास कैसे किया?

उ 9: उनकी सेनाओं को भंग करके, सीमा शुल्क समाप्त करके और उनके न्यायालयों को कंपनी के पर्यवेक्षण में लाकर।

प्र 10: दक्कन दंगा आयोग कब और क्यों गठित किया गया ?

उ : ब्रिटिश सरकार ने 1875 में हालात की जाँच के लिए **"दक्कन दंगा आयोग"** का गठन किया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्र 1: स्पष्ट कीजिए कि स्थायी बंदोबस्त ने ज़मींदारों के लिए किस प्रकार समस्याएँ उत्पन्न कीं।

उ 1: स्थायी बंदोबस्त ने ज़मींदारों के लिए निम्नलिखित कारणों से समस्याएँ उत्पन्न कीं:

i. उच्च राजस्व मांग: प्रारंभिक मांगें बहुत अधिक थीं, क्योंकि कंपनी अपनी आय को अधिकतम करना चाहती थी।
ii. फसल की स्थिति या कृषि मूल्यों की परवाह किए बिना राजस्व का भुगतान समय पर करना होता था।
iii. कंपनी ने ज़मींदारों के सशस्त्र दस्तों को भंग, उनकी कचहरियों (स्थानीय न्यायालयों) को समाप्त ।

प्र 2: 19वीं शताब्दी में दक्कन के रैयतों के साहूकारों के प्रति क्रोध के कारणों की व्याख्या कीजिए।

उ 2: दक्कन के रैयतों का साहूकारों के प्रति क्रोध निम्नलिखित कारणों से उत्पन्न हुआ:

i. जब किसान ऋण चुकाने में विफल रहते थे तो साहूकार उनकी ज़मीनें हड़प लेते थे।
ii. रैयतों को लगा कि साहूकार ब्याज से संबंधित पारंपरिक नियमों का उल्लंघन कर रहे थे।
iii. कपास के उछाल (बूम) के समाप्त होने के बाद, साहूकारों ने आगे ऋण देने से इनकार कर दिया।

प्र 3: 'पाँचवीं रिपोर्ट' के महत्व और कमियों का परीक्षण कीजिए।

उ 3: 'पाँचवीं रिपोर्ट' (1813) निम्नलिखित कारणों से महत्वपूर्ण थी:

i. इसने ईस्ट इंडिया कंपनी के भारत में प्रशासन और गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रदान किया।

ii. यह ब्रिटेन में कंपनी के भारत में शासन की प्रकृति के बारे में गहन संसदीय बहसों का आधार बनी।

कमियों में शामिल थे:

i. इसने ब्रिटिश आधिकारिक दृष्टिकोण को अत्यधिक प्रतिबिंबित किया और अक्सर औपनिवेशिक नीतियों को उचित ठहराया।

प्र 4: अमेरिकी ग्रह युद्ध का भारत पर क्या प्रभाव हुआ?

उ 4: i. कई भारतीय बिचौलियों, साहूकारों और व्यापारियों ने इस अवसर से बहुत धन कमाया।

ii. 1865 में अमेरिकी गृह युद्ध के समाप्त होते ही भारत में कपास की माँग और कीमतें अचानक गिर गईं।

iii. अमेरिकी गृह युद्ध के समाप्त के बाद भारत में कर्ज में डूबे किसान।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्र 1. लॉर्ड कॉर्नवॉलिस द्वारा शुरू की गई स्थायी बंदोबस्त की नीति के मुख्य पहलुओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। किसानों की स्थिति पर इसका क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर:

चार्ल्स कॉर्नवॉलिस 1793 में स्थायी बंदोबस्त प्रणाली की शुरुआत की।

- कर की राशि हमेशा के लिए तय कर दी गई थी। इसमें कोई बदलाव नहीं होता था।
- ज़मींदारों का भूमि पर स्वयं का स्वामित्व नहीं था।
- वे किसानों से पैसा इकट्ठा करते थे और फिर सरकार को एक निश्चित राशि का भुगतान करते थे।
- निश्चित कर: कर की राशि हमेशा समान रहती थी, जो स्पष्ट थी।
- स्थिर आय: सरकार को नियमित रूप से धन प्राप्त होता था।
- कभी-कभी किसानों को ज़मींदारों को अपना किराया चुकाना बहुत मुश्किल लगता था।
- कर की राशि कभी नहीं बदलती थी, भले ही फसल खराब हो या सूखा पड़ा हो।
- यदि कोई ज़मींदार किसी निश्चित तिथि के सूर्यास्त तक कर का भुगतान नहीं करता था, तो उसकी ज़मीन छीनकर बेच दी जाती थी।

प्र 2: "कुदाल और हल के बीच की लड़ाई लंबी थी।" 18वीं शताब्दी के दौरान राजमहल की पहाड़ियों के पहाड़िया और संथालों के संदर्भ में इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर:यह कथन पहाड़ियों को कुदाल और संथालों को हल से प्रदर्शित करता है,

पहाड़िया:

(i) वे पहाड़ी लोग थे जो झूम खेती करते थे।

(ii) वे जंगल को अपनी पहचान और आजीविका का स्रोत मानते थे।

संथाल:

(i) उन्हें ब्रिटिश और ज़मींदारों द्वारा मैदानों में बसने और स्थायी कृषि (हल) के लिए जंगल साफ करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

(ii) उन्हें "सभ्य" कृषक के रूप में देखा जाता था।

संघर्ष:

(i) जैसे-जैसे संथाल बस्तियों का विस्तार हुआ, पहाड़ियों की पारंपरिक भूमि और जीवन शैली खतरे में पड़ गई।

(ii) सीमांकन (दामिन-ए-कोह) की ब्रिटिश नीति ने पहाड़ियों को पहाड़ियों में और गहरा धकेल दिया, जिससे संघर्ष तेज हो गया और दोनों पक्षों से नाराजगी और हिंसा हुई।

महत्वपूर्ण शब्दावली / प्रमुख बिंदु

- जोतदार (Jotedars): (मंडलों / होलादारों / कांतिदारों के नाम से भी जाने जाते थे) धनी रैयत (किसान)।
- महुआ (Mahua): एक फूल।
- शांति स्थापना की नीति (Policy of Pacification): कलेक्टर ऑगस्टस क्लीवलैंड द्वारा पहाड़ियों के साथ अपनाई गई नीति।
- दामिन-ए-कोह (Damin-i-Koh): संथालों की भूमि।
- दिकू (Dikus): (संथालों द्वारा) साहूकार।
- सीमा कानून (Limitation Law): जिसमें कहा गया था कि साहूकारों और रैयतों के बीच ऋण बांड की वैधता 3 साल के लिए होगी।
- दक्कन दंगा रिपोर्ट (Deccan Riots Report): 1878 में ब्रिटिश संसद में प्रस्तुत की गई।

अध्याय 10

विद्रोही और राज

अध्याय का सारांश

- 10 मई 1857 को मेरठ की छावनी में मौजूद सिपाहियों ने विद्रोह कर दिया। भारतीय सैनिकों से बनी पैदल सेना ने इस विद्रोह की शुरुआत की
- सरकारी भवन जैसे रिकॉर्ड ऑफिस, डाकघर, सरकारी कोषागार, न्यायालय आदि को लूट लिया गया।
- वे इस विद्रोह को पूरे देश में फैलाना चाहते थे, इसलिए यह सैनिकों का समूह अगली सुबह 11 मई को दिल्ली के लाल किले पहुँचा और बहादुर शाह ज़फ़र से बातचीत करने की अनुमति माँगी।

तात्कालिक कारण:

● नई एनफील्ड राइफल का परिचय और यह अफ़वाह कि इसकी कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी लगी है, जो हिन्दू और मुस्लिम दोनों के लिए आपत्तिजनक थी।

राजनैतिक कारण:

● सहायक संधि प्रणाली - लैप्स सिद्धांत

● रानी लक्ष्मीबाई ब्रिटिशों की दुश्मन बन गई।

सामाजिक एवं धार्मिक कारण:

● नस्लीय घमंड, सामाजिक सुधार कानून

● सती प्रथा का उन्मूलन – 1829

● विधवा पुनर्विवाह अधिनियम – 1856

● धार्मिक धर्मांतरण – ईसाई धर्म में

सैन्य कारण:

● सिपाहियों में असंतोष, उच्च पदों पर नियुक्ति नहीं – पदोन्नति नहीं

● धार्मिक प्रतीकों पर प्रतिबंध – वेशभूषा के नियम

नेता और अनुयायी:

● मुगल शासक बहादुर शाह ज़फ़र, जिन्होंने विद्रोह के नाममात्र नेता बनने पर सहमति जताई।

● कानपुर में सिपाही और नगरवासी नाना साहिब का समर्थन करने को तैयार हुए।

● झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई को विद्रोह का नेतृत्व करने के लिए विवश होना पड़ा।

● बिहार के आरा में स्थानीय ज़मींदार कुँवर सिंह ने भी नेतृत्व किया।

● 1851 में गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी ने अवध राज्य को "एक चेरी" कहा जो एक दिन हमारे मुँह में गिर जाएगी और पाँच साल बाद उसे ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया।

सहायक संधि प्रणाली लॉर्ड वेलेजली द्वारा 1798 में शुरू की गई थी। जो भी राज्य ब्रिटिशों से ऐसी संधि करता था, उन्हें कुछ शर्तें माननी पड़ती थीं।

● नवाब वाजिद अली शाह को "दुशासन का आरोप" लगाकर गद्दी से हटाकर कलकत्ता निर्वासित कर दिया गया।

● इश्तिहार (सूचनाएँ) ब्रिटिश पूर्व हिन्दू-मुस्लिम इतिहास की ओर इशारा करते थे और मुगल शासन के अंतर्गत विभिन्न समुदायों के सह-अस्तित्व की प्रशंसा करते थे। राष्ट्रवादी आंदोलन को 1857 की घटनाओं से प्रेरणा मिली।

● झाँसी की रानी को एक पुरुषोचित छवि में दर्शाया गया — जो दुश्मनों का पीछा करती हैं, ब्रिटिश सैनिकों को मार गिराती हैं और अन्त तक बहादुरी से लड़ती हैं।

● ब्रिटिशों और भारतीयों द्वारा चित्रमय छवियाँ बनाई गईं — चित्रकला, पेंसिल चित्र, व्यंग्यचित्र और बाज़ार में बिकने वाले प्रिंट।

एक पंक्ति में उत्तर

Q1 1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण क्या था?

उत्तर एनफील्ड राइफल की कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी लगे होने की अफ़वाह।

Q2 दिल्ली में विद्रोह के दौरान विद्रोहियों द्वारा भारत के सम्राट के रूप में प्रतीकात्मक नेता किसे घोषित किया गया था ?

उत्तर बहादुर शाह द्वितीय (ज़फ़र)।

Q3 1857 के विद्रोह में नाना साहब ने किस क्षेत्र से प्रतिभाग किया

उत्तर कानपुर

Q4 सहायक संधि प्रणाली किस वर्ष लॉर्ड वेलेजली द्वारा शुरू की गई थी?

उत्तर वर्ष 1798

Q5 नवाब वाजिद अली शाह को किस आधार पर गद्दी से हटाकर कलकत्ता निर्वासित किया गया था?

उत्तर यह कहकर कि उस क्षेत्र का शासन ठीक से नहीं हो रहा था।

Q6 रानी लक्ष्मीबाई के साहस पर लिखी प्रसिद्ध वीर कविता "खूब लड़ी मर्दानी..." किसने लिखी?

उत्तर सुभद्राकुमारी चौहान।

Q7 1857 के विद्रोह के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी से भारतीय प्रशासन का प्रत्यक्ष नियंत्रण किसने लिया?

उत्तर विद्रोह को दबा दिया गया और ब्रिटिश क्राउन ने ईस्ट इंडिया कंपनी से भारत का प्रशासन अपने अधीन ले लिया।

Q8 1857 का विद्रोह कब शुरू हुआ था?

उत्तर मेरठ में।

Q9 अवध के विलय में अंग्रेजों की इतनी ज्यादा रुचि क्यों थी?

उत्तर अवध एक उपजाऊ और समृद्ध क्षेत्र था।

Q10 बिहार में विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?

उत्तर कुँवर सिंह ने।

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q1 1857 से पहले भारतीय सिपाहियों में असंतोष के तीन कारणों की व्याख्या करें।

उत्तर:

1. ब्रिटिश सैनिकों की तुलना में वेतन कम और व्यवहार अपमानजनक था।
2. पदोन्नति की कोई संभावना नहीं थी और नस्लीय भेदभाव था।
3. ग्रीस लगे कारतूसों का प्रयोग धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाता था, जिससे हिंदू और मुस्लिम सिपाहियों में रोष उत्पन्न हुआ।

Q2 हड़प की नीति क्या थी ? इसने भारतीय शासकों में असंतोष कैसे पैदा किया?

उत्तर:

1. जिसके तहत जिन रियासतों के शासक बिना प्राकृतिक उत्तराधिकारी के मर जाते थे, उन्हें ब्रिटिश सरकार हड़प लेती थी।
2. दत्तक उत्तराधिकारी को मान्यता नहीं दी जाती थी।
3. इससे कई राजपरिवारों जैसे झांसी और सतारा को अपना राज्य खोना पड़ा, जिससे भारतीय परंपराओं और संप्रभुता का अपमान हुआ।

Q3 1857 के विद्रोह में बहादुर शाह ज़फ़र की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर:

1. दिल्ली में सिपाहियों ने बहादुर शाह ज़फ़र को विद्रोह का प्रतीकात्मक नेता घोषित किया।
2. वह वृद्ध और अनिच्छुक थे, लेकिन उनके नाम ने आंदोलन को वैधता दी और कई विद्रोही नेता मुगल ध्वज के नीचे एकजुट हो गए।
3. बाद में जब दिल्ली पर दोबारा कब्ज़ा किया गया, तो उन्हें गिरफ्तार कर रंगून निर्वासित कर दिया गया, जिससे मुगल साम्राज्य का औपचारिक अंत हुआ।

Q4 ब्रिटिशों ने 1857 के विद्रोह को "सिपाही विद्रोह" क्यों कहा?

उत्तर:

1. ब्रिटिशों ने इस विद्रोह को "सिपाही विद्रोह" कहकर उसकी गंभीरता को कम करके प्रस्तुत किया।
2. उन्होंने इसे केवल सैनिकों तक सीमित एक सैन्य विद्रोह के रूप में दिखाया, न कि व्यापक जनविद्रोह के रूप में।
3. इससे उन्हें यह दिखाने में मदद मिली कि उनका शासन स्थिर है और विद्रोह को जन समर्थन या राष्ट्रीय उद्देश्य प्राप्त नहीं था।

Q5 1857 के विद्रोह का ब्रिटिश नीतियों पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर:

1. ईस्ट इंडिया कंपनी को समाप्त कर शासन ब्रिटिश क्राउन को सौंप दिया गया।
2. भविष्य में विद्रोह रोकने के लिए सेना का पुनर्गठन किया गया।
3. भारतीय धार्मिक और सामाजिक रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप से बचने की नीति अपनाई गई।

Q6 1857 के विद्रोह में महिलाओं की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर:

1. रानी लक्ष्मीबाई ने वीरता से लड़ाई लड़ी और युद्ध में शहीद हो गईं, वे साहस की प्रतीक बनीं।
2. अवध की बेगम हज़रत महल ने अपने पति के निर्वासन के बाद विद्रोह का नेतृत्व किया और हमलों का समन्वय किया।
3. अन्य महिलाओं ने विद्रोहियों को शरण दी, खुफिया जानकारी जुटाई और ब्रिटिश नीतियों का विरोध किया ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

Q2 "अवध में एक श्रृंखलाबद्ध असंतोष ने राजकुमार, तालुकेदारों, किसानों और सिपाहियों को 1857 के विद्रोह में एकजुट किया।" कथन की विवेचना कीजिए।

उत्तर –**अवध का विलय:**

1. 1801 में अवध पर सहायक संधि थोप दी गई, जिससे नवाब की सैन्य शक्ति समाप्त हो गई।
2. नवाब वाजिद अली शाह को 1856 में 'कुशासन' के आरोप में पदच्युत कर कलकत्ता भेज दिया गया।
3. इससे जनता में भावनात्मक और आर्थिक हानि हुई।

तालुकेदारों की स्थिति:

1. ब्रिटिश शासन से पूर्व तालुकेदारों के पास स्वतंत्रता और सैन्य शक्ति थी।
2. ब्रिटिशों ने अवध का विलय करते ही उनके क़िलों को ध्वस्त कर दिया और शस्त्र ले लिए।
3. राजस्व व्यवस्था (समरी सेटलमेंट) के तहत तालुकेदारों को हटा दिया गया।

किसानों की दुर्दशा:

1. अकाल या फसल की खराबी में भी कर माफ़ नहीं किया जाता था।
2. पहले जो सहायता तालुकेदार देते थे, वह अब नहीं मिलती थी।

सिपाहियों का आक्रोश:

1. ब्रिटिश अफसरों ने सिपाहियों को अपमानित करना शुरू कर दिया।
2. कारतूसों की अफ़वाह, छुट्टियों की समस्या और नस्लीय भेदभाव उनके आक्रोश के मुख्य कारण बने।

Q3 1857 के विद्रोह में अफ़वाहों और भविष्यवाणियों क्या योगदान था ?

उत्तर – i . सबसे प्रसिद्ध अफ़वाह यह थी कि नई एनफ़ील्ड राइफ़ल के कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी लगी है।

ii. इससे हिंदू और मुस्लिम दोनों सिपाही आक्रोशित हो गए, क्योंकि यह उनके धार्मिक विश्वासों का उल्लंघन था।

iii. यह अफ़वाह फैली कि अंग्रेज सिपाहियों और भारतीयों को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने की गुप्त योजना बना रहे हैं।

iv . यह मान्यता प्रचलित थी कि 1757 (प्लासी युद्ध) से लेकर 1857 तक अंग्रेजों का समय ही है, और इसके बाद उनका राज समाप्त हो जाएगा।

v. कुछ क्षेत्रों में यह भी फैला कि अंग्रेज दुकानों पर ऐसा चावल बाँट रहे हैं जिसमें जानवरों की हड्डी पिसी हुई है, जिससे हिंदू-मुस्लिम धर्म भ्रष्ट हो जाएँ।

vi . विद्रोह के दौरान कमल का फूल और चप्पल जैसे प्रतीक एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजे गए, जो विद्रोह का गुप्त संदेश माना जाता था।

<u>मुख्य बिंदु</u> :

एनफ़ील्ड राइफ़ल – ब्रिटिश सेना की नई बंदूक

सिपाही विद्रोह – ब्रिटिश सेना के भारतीय सिपाहियों का विद्रोह

हड़प नीति – उत्तराधिकारी न होने पर राज्य जब्त करने की नीति

बेगम हज़रत महल – अवध की रानी, ब्रिटिशों के विरुद्ध संघर्षरत

भू-राजस्व नीति – ज़मीनों की जब्ती और उच्च कर प्रणाली

ज़मींदारी उन्मूलन – ज़मींदारों की शक्ति का ह्रास

मानचित्र आधारित प्रश्न

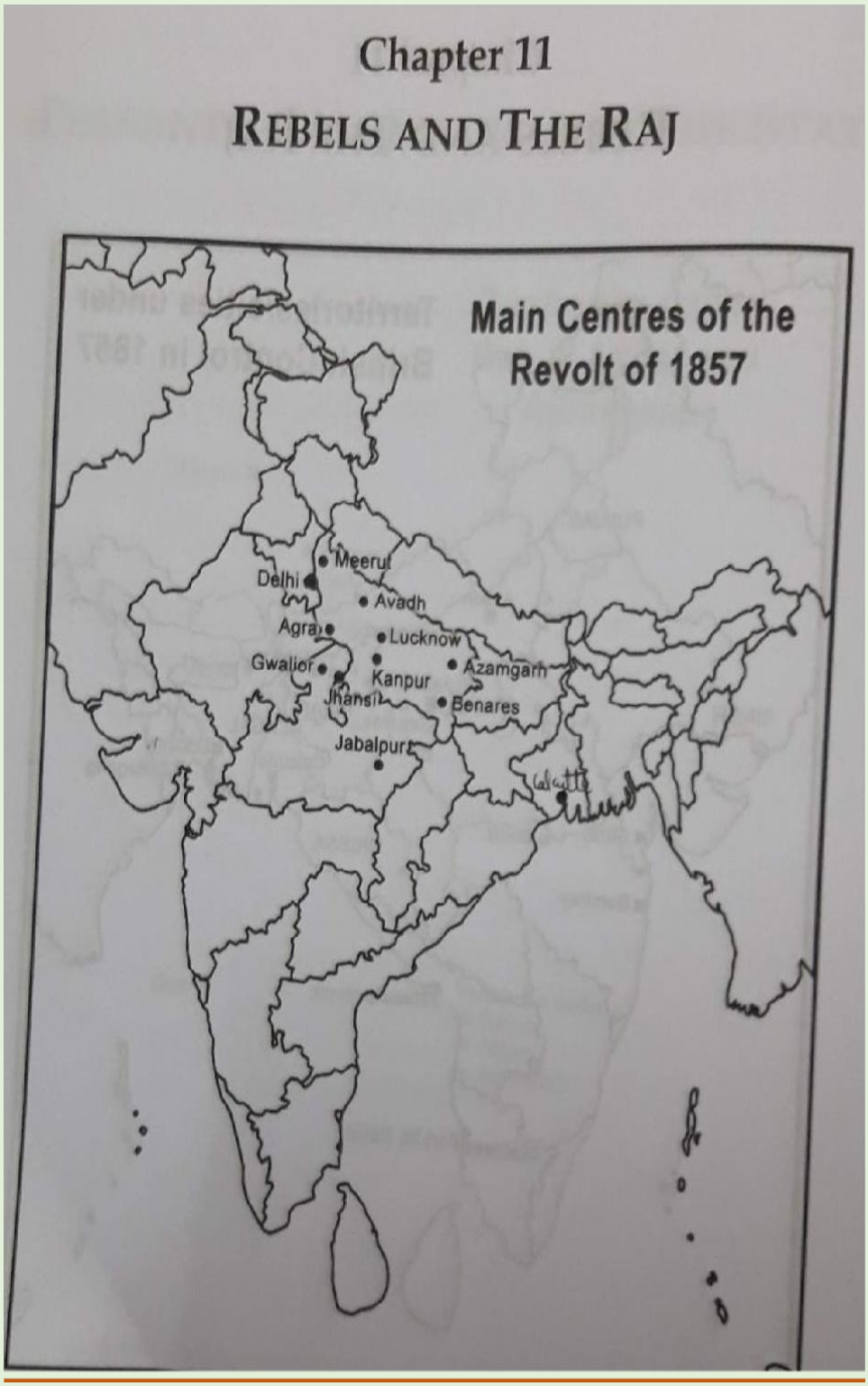

अध्याय 11

महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन
सविनय अवज्ञा और उसके आगे

संक्षिप्त सारांश:

- महात्मा गांधी को भारत का 'राष्ट्रपिता' माना जाता है। उनका जन्म 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर (गुजरात) में हुआ।
- उन्होंने इंग्लैंड से कानून की पढ़ाई की और 1893 में वकील के रूप में दक्षिण अफ्रीका गए, जहाँ उन्होंने रंगभेद के विरुद्ध सत्याग्रह किया। 1915 में भारत लौटे और गोपाल कृष्ण गोखले उनके राजनीतिक गुरु बने।
- गांधीजी ने भारत में चंपारण (1917), अहमदाबाद (1918) और खेड़ा (1918) आंदोलनों से राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। रॉलेट एक्ट (1919) के विरुद्ध आंदोलन और जलियाँवाला बाग हत्याकांड ने उन्हें राष्ट्रीय नेता बना दिया।
- खिलाफत आंदोलन (1919–20) में उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता पर बल दिया।
- **असहयोग आंदोलन (1920–22)** गांधीजी के नेतृत्व में चला, लेकिन चौरी-चौरा हिंसा के बाद उन्होंने इसे स्थगित कर दिया।
- **सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930)** दांडी मार्च से शुरू हुआ। इसने ब्रिटिश कानूनों की अहिंसक अवहेलना की और वैश्विक ध्यान आकर्षित किया।
- **गांधी-इरविन समझौता (1931)** के तहत कांग्रेस ने गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- **कम्युनल अवॉर्ड (1932)** के विरोध में गांधीजी ने आमरण अनशन किया, जिससे पूना समझौता हुआ।
- **भारत छोड़ो आंदोलन (1942)** में गांधीजी ने "करो या मरो" का नारा दिया। इसके बाद स्वतंत्रता संघर्ष तेज हुआ।
- 15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र हुआ, लेकिन गांधीजी विभाजन से दुखी थे।
- 30 जनवरी 1948 को उनकी हत्या नाथूराम गोडसे ने कर दी।
- गांधीजी के सिद्धांत – सत्य, अहिंसा, स्वदेशी और चरखा – भारतीय राष्ट्रवाद के प्रतीक बने।
- उन्होंने आम जनता से गहरा जुड़ाव रखा और उनके संघर्ष ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को एक नैतिक आधार प्रदान किया।
- उनके जीवन और आंदोलन से संबंधित जानकारियाँ विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होती हैं – जैसे पत्र, भाषण, आत्मकथाएँ, समाचार पत्र, और सरकारी अभिलेख।

एक-पंक्ति प्रश्न और उत्तर

1. गांधीजी ने सबसे पहले सत्याग्रह की प्रयोगशाला किस देश को बनाया?

उत्तर : दक्षिण अफ्रीका

2. भारत में गांधीजी का पहला बड़ा जन आंदोलन कौन-सा था?

उत्तर :चंपारण सत्याग्रह (1917)

3. गांधीजी के राजनीतिक गुरु कौन थे?

उत्तर : गोपाल कृष्ण गोखले

4.नमक सत्याग्रह किस आंदोलन की शुरुआत थी?

उत्तर : सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930)

5. 'करो या मरो' का नारा गांधीजी ने किस आंदोलन के दौरान दिया?

उत्तर : भारत छोड़ो आंदोलन (1942)

6. दांडी मार्च कहाँ से कहाँ तक हुआ था?

उत्तर : साबरमती आश्रम से दांडी तक

7. पूना समझौता किन दो नेताओं के बीच हुआ था?

उत्तर : महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर

8. गांधी-इरविन समझौता किस वर्ष हुआ था?

उत्तर :1931

9. गांधीजी द्वारा विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किस सिद्धांत पर आधारित था?

उत्तर : स्वदेशी

10. किस घटना के बाद गांधीजी ने असहयोग आंदोलन को स्थगित कर दिया?

उत्तर : चौरी-चौरा कांड (1922)

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन क्यों शुरू किया?

उत्तर. i. गांधीजी की ग्यारह सूत्रीय मांगें

ii.पूर्ण स्वराज के लिए

iii. लाहौर में सालाला लाजपत राय की नृशंस हत्या होना।

2. नमक यात्रा का महत्व बताएं।

उत्तर. i. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन ने वैश्विक ध्यान प्राप्त किया

ii. पहला राष्ट्रीय आन्दोलन जिसमें महिलाएं भी अधिक सक्रिय थीं।

iii. गांधीजी भारत के विश्व प्रसिद्ध राजनीतिक नेता बने।

3. भारत छोड़ो आंदोलन के मुख्य कारण क्या थे?

उत्तर. भारत छोड़ो आंदोलन के मुख्य कारण-

i. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी खतरा

ii. धुरी राष्ट्रों की आक्रामकता के खिलाफ भारत की रक्षा करने की ब्रिटिश क्षमता के बारे में संदेह,

iii. क्रिप्स मिशन की विफलता और पूर्ण स्वतंत्रता की मांग

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन शुरू करने के कारणों का वर्णन कीजिए तथा इस आंदोलन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: परिस्थितियाँ :

(i) 1919 का रॉलेट एक्ट के विरोध के कारण

(ii) जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में

(iii) खिलाफत आंदोलन के समर्थन में

(iv) देश में राष्ट्रवाद की भावना और स्वराज की मांग

महत्व :

(i) पहली बार ब्रिटिश शासन की नींव हिल गई।

(ii) ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाया

(iii) सभी वर्गों के लोगों ने आंदोलन में भाग लिया।

(iv) हिंदू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा

2. किन स्रोतों से हम गांधी जी के राजनीतिक जीवन का पुनर्निर्माण कर सकते हैं?

उत्तर. 1. महात्मा गांधी और उनके समकालीनों की रचना और भाषणों

2. निजी पत्र

3. गांधीजी अपनी पत्रिका हरिजन

4. जीवनी - लुई फिशर, अमेरिकी पत्रकार, जिन्होंने गांधीजी की जीवनी "ए लाइफ ऑफ महात्मा गांधी" नाम से लिखी थी।

4. आत्मकथाएं- गांधीजी ने "मेरे सत्य के साथ अनुप्रयोग" नामक अपनी आत्मकथा लिखी।

5. पुलिसकर्मियों और उनके अधिकारियों द्वारा लिखे गए आधिकारिक दस्तावेज या पत्र और रिपोर्ट

6. अखबार लेखन- भारतीय और विदेशी दोनों अखबार।

7. महत्वपूर्ण व्यक्तियों की निजी डायरी

मुख्य बिंदु

मुख्य बिंदु	व्याख्या
सत्याग्रह	महात्मा गांधी द्वारा विकसित अहिंसात्मक प्रतिरोध की एक विधि, जो "सत्य की शक्ति" या "आत्मबल" पर आधारित थी।
स्वदेशी	भारतीय वस्तुओं के उपयोग और विदेशी विशेषकर ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार की नीति
पूना समझौता (1932)	गांधीजी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के बीच दलितों की राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर हुआ समझौता
खिलाफत आंदोलन	जिसका उद्देश्य तुर्की के खलीफा की सत्ता की पुनःस्थापना था
भारत छोड़ो आंदोलन	गांधीजी के नेतृत्व में विशाल जन आंदोलन, जिसमें उन्होंने "करो या मरो" का नारा दिया और ब्रिटिश शासन को तुरंत समाप्त करने की मांग की।
बहिष्कार	बहिष्कार एक अहिंसात्मक विरोध की विधि है, जिसमें व्यक्ति या समूह किसी वस्तु को खरीदने, उपयोग करने या किसी गतिविधि में भाग लेने से इंकार कर देते हैं

मानचित्र

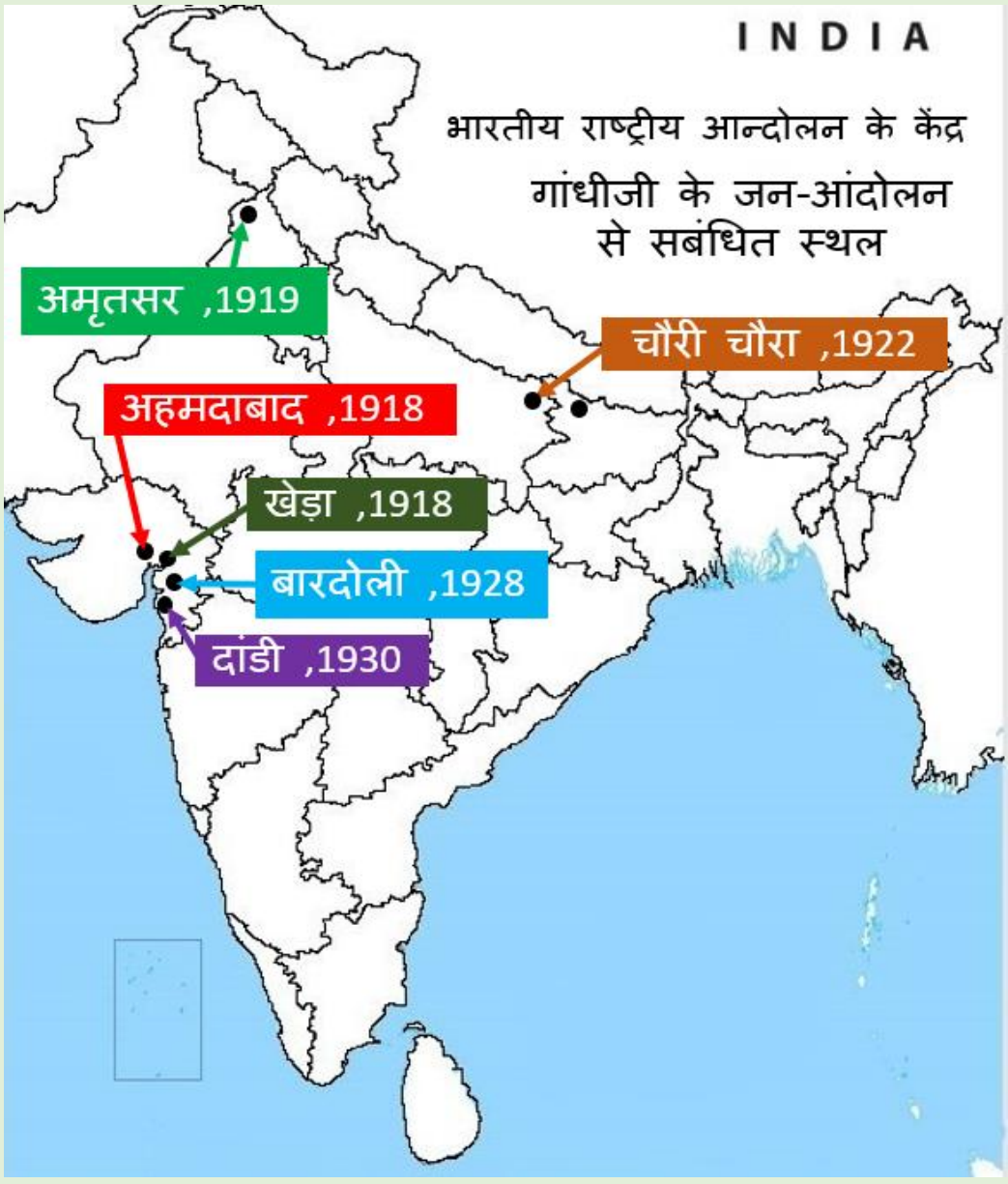
INDIA
भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के केंद्र
गांधीजी के जन-आंदोलन
से सबंधित स्थल
अमृतसर ,1919
चौरी चौरा ,1922
अहमदाबाद ,1918
खेड़ा ,1918
बारदोली ,1928
दांडी ,1930

अध्याय- 12: संविधान का निर्माण

एक युग की शुरुआत

अध्याय का सारांश

- भारतीय संविधान, जो 26 जनवरी, 1950 को प्रभावी हुआ, दुनिया का सबसे लंबा संविधान बताया जाता है, इसकी जटिलता भारत के आकार, विविधता और स्वतंत्रता के समय गहरे विभाजन को दर्शाती है।
- संविधान दिसंबर 1946 और नवंबर 1949 के बीच तैयार किया गया था। इस अवधि के दौरान, भारत की संविधान सभा में मसौदों पर खंड दर खंड चर्चा की गई, जिसमें 165 दिनों में ग्यारह सत्र आयोजित किए गए।
- संविधान सभा के सदस्यों को 1945-46 में प्रांतीय चुनावों के बाद प्रांतीय विधानमंडलों द्वारा चुना गया था, और उन्हें सार्वभौमिक मताधिकार के आधार पर नहीं चुना गया था।
- विधानसभा में एक पार्टी, कांग्रेस का वर्चस्व था, जिसने सामान्य सीटों पर कब्ज़ा कर लिया था। मुस्लिम लीग ने अधिकांश आरक्षित मुस्लिम सीटों पर कब्ज़ा कर लिया, लेकिन पाकिस्तान की मांग को आगे बढ़ाते हुए विधानसभा का बहिष्कार करने का फैसला किया।
- विधानसभा के भीतर चर्चाएँ जनता की राय से प्रभावित होती थीं, अखबारों में छपती थीं और सार्वजनिक रूप से बहस होती थीं।
- छह सदस्यों ने विशेष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जवाहरलाल नेहरू, वल्लभ भाई पटेल और राजेंद्र प्रसाद कांग्रेस के प्रमुख प्रतिनिधि थे। नेहरू ने महत्वपूर्ण "उद्देश्य प्रस्ताव" और राष्ट्रीय ध्वज के लिए प्रस्ताव पेश किया।
- इस तिकड़ी के अलावा, बी.आर. अंबेडकर, वकील के.एम. मुंशी और अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर ने सहायता प्रदान की। इन छह लोगों को दो सिविल सेवकों ने सहायता प्रदान की: बी.एन. राव, संवैधानिक सलाहकार, और एस.एन. मुखर्जी, मुख्य ड्राफ्ट्समैन ।
- 13 दिसंबर, 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने "उद्देश्य संकल्प" पेश किया, जिसमें स्वतंत्र भारत के लिए संविधान के परिभाषित आदर्शों को रेखांकित किया गया और संविधान निर्माण के लिए रूपरेखा प्रदान की गई।
- एक कम्युनिस्ट सदस्य, सोमनाथ लाहिड़ी ने संविधान सभा को "ब्रिटिश निर्मित" और ब्रिटिश साम्राज्यवाद के प्रभाव में संचालित होते देखा।
- **अलग निर्वाचक मंडल:** बी. पोकर बहादुर ने अल्पसंख्यकों के लिए अलग निर्वाचक मंडल जारी रखने की वकालत की, उनका तर्क था कि यह उनके प्रतिनिधित्व के लिए और उनकी आवाज़ को सुनने के लिए आवश्यक था।
- सरदार पटेल ने इसे राष्ट्र को विभाजित करने वाला "ज़हर" कहा। गोविंद बल्लभ पंत ने तर्क दिया कि अलग निर्वाचक मंडल अल्पसंख्यकों के लिए "आत्मघाती" होंगे, उन्हें स्थायी रूप से अलग-थलग कर देंगे और उन्हें राष्ट्र का अभिन्न अंग बनने से रोकेंगे।
- एन.जी. समाजवादी और किसान नेता रंगा ने तर्क दिया कि "असली अल्पसंख्यक" गरीब और दलित जनता थी जो शोषण और शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच की कमी के कारण संवैधानिक अधिकारों से लाभ उठाने में असमर्थ थे।

- आदिवासियों (आदिवासियों) के प्रतिनिधि जयपाल सिंह ने अपने लोगों द्वारा सामना किए गए ऐतिहासिक शोषण और बेदखली पर प्रकाश डाला।
- दलित जातियों के सदस्य, जैसे जे. नागप्पा और के.जे. खांडेरकर ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पीड़ा सामाजिक अक्षमताओं और जाति समाज द्वारा व्यवस्थित हाशिए पर डाले जाने के कारण थी, संख्यात्मक महत्वहीनता के कारण नहीं।
- महिलाएँ: हंसा मेहता ने महिलाओं के लिए "सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और राजनीतिक न्याय" की माँग की, आरक्षित सीटों या अलग निर्वाचन क्षेत्रों के बजाय पुरुषों और महिलाओं के बीच सहयोग के आधार के रूप में समानता की वकालत की।

एक मजबूत केंद्र के लिए तर्क:

- संविधान के प्रारूप में संघ, राज्य और समवर्ती सूची के विषयों का प्रावधान किया गया, जिससे अन्य संघों की तुलना में अधिक विषयों को विशेष संघ नियंत्रण में और समवर्ती सूची में रखा गया।
- केंद्र ने खनिजों, प्रमुख उद्योगों को भी नियंत्रित किया और अनुच्छेद 356 के तहत राज्य प्रशासन को अपने हाथ में ले सकता था। अंबेडकर, गोपालस्वामी अयंगर और बालकृष्ण शर्मा ने भी सांप्रदायिक उन्माद को रोकने, देश की भलाई के लिए योजना बनाने, संसाधनों को जुटाने, प्रशासन स्थापित करने और आक्रमण से बचाव के लिए एक मजबूत केंद्र की जोरदार वकालत की।

मजबूत राज्यों के लिए तर्क:

- मद्रास के के. संथानम ने राज्यों और केंद्र दोनों को मजबूत करने के लिए शक्तियों के पुनर्वितरण का तर्क दिया, उनका मानना था कि केंद्र पर अत्यधिक बोझ डालने से यह अप्रभावी हो जाएगा।
- संथानम ने चेतावनी दी कि पर्याप्त वित्त के बिना, राज्य "केंद्र के खिलाफ विद्रोह" करेंगे।
- संविधान ने अंततः "भारत संघ के अधिकारों के प्रति एक अलग पूर्वाग्रह" दिखाया।

राष्ट्र की भाषा:

- इस मुद्दे पर गहन बहस हुई। 1930 के दशक तक, कांग्रेस ने हिंदुस्तानी (हिंदी और उर्दू का मिश्रण) को राष्ट्रीय भाषा के रूप में पसंद किया, जिसे महात्मा गांधी ने एक लोकप्रिय, मिश्रित भाषा के रूप में देखा जो विभिन्न समुदायों को एकजुट करने में सक्षम थी।
- गांधी ने हिंदुस्तानी के मिश्रित चरित्र में विश्वास बनाए रखा। विधानसभा में, आर.वी. धुलेकर ने आक्रामक रूप से हिंदी के लिए जोर दिया, यहां तक कि उन्होंने कहा कि जो लोग इसे नहीं जानते वे "योग्य" सदस्य नहीं हैं।
- भाषा समिति ने एक समझौता प्रस्तावित किया: देवनागरी लिपि में हिंदी आधिकारिक भाषा के रूप में, पहले पंद्रह वर्षों तक आधिकारिक उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी जारी रही, और प्रांत आधिकारिक कार्यों के लिए अपनी क्षेत्रीय भाषाओं का चयन करें।

1. किसने कहा: “अंग्रेजों ने संरक्षणके नाम पर अपना खेल खेला, “इसकी इसकी आड़ में उन्होंने तुम्हे (अल्पसंख्यकों को) फुसला लिया है।”
उत्तर : आर.वी. धुलेकर

2 . किसने जनजातियों की सुरक्षा की आवश्यकता पर वाक्पटुता से बात की?

उत्तर :- जयपाल सिंह

3.. संविधान सभा के मुख्य योजनाकार कौन थे?

उत्तर :- एस.एन. मुखर्जी

4 . प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर : डॉ. बी.आर. अंबेडकर

5 . भारत का संविधान कब लागू हुआ:

उत्तर : 26 जनवरी 1950

6 . भारतीय संविधान की प्रस्तावना किस पर आधारित है:

उत्तर : उद्देश्य प्रस्ताव

7. संविधान सभा का गठन हुआ:

उत्तर : 1946

8. किस दिन प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने संविधान सभा के अध्यक्ष श्री बाबू राजेंद्र प्रसाद को संविधान सौंपा था।

उत्तर : 26 नवंबर 1949

9. संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर: डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

10. संविधान की प्रस्तावना में भारत को किस रूप में घोषित किया गया है?

उत्तर: संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य।

{लघु उत्तरीय प्रश्न}

11 . उद्देश्य प्रस्ताव का क्या महत्व था?

उत्तर:

i. जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1946 में पेश किए गए उद्देश्य प्रस्ताव ने संविधान के दर्शन और आदर्शों को निर्धारित किया।
ii. इसने भारत को एक स्वतंत्र संप्रभु गणराज्य घोषित किया और सभी नागरिकों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता की गारंटी देने के लिए प्रतिबद्ध किया ।
iii. यह बाद में संविधान की प्रस्तावना बन गया।

12. संविधान सभा को प्रतिनिधि निकाय क्यों माना जाता था?

उत्तर:

i. यद्यपि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार द्वारा निर्वाचित नहीं किया गया था ।
ii. संविधान सभा को प्रतिनिधि माना जाता था क्योंकि इसके सदस्य प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते थे।
iii. वे विभिन्न समुदायों, जातियों, धर्मों और क्षेत्रों सहित भारतीय समाज के एक व्यापक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते थे।

13. संविधान सभा ने भाषा के मुद्दे को कैसे सुलझाया ?

उत्तर:

i. देवनागरी लिपि में हिंदी ही राजभाषा होगी, लेकिन हिंदी में परिवर्तन धीरे-धीरे होगा।
ii. पहले पंद्रह वर्षों तक, सभी सरकारी उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी का उपयोग जारी रहेगा।
iii. प्रत्येक प्रांत को प्रांत के भीतर आधिकारिक कार्यों के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में से एक चुनने की अनुमति दी जानी थी।

14. संविधान सभा में सरदार वल्लभभाई पटेल की क्या भूमिका थी?

उत्तर:

i.सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों को एकीकृत करने और एक मजबूत केंद्रीय सरकार की वकालत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
ii.संघवाद पर बहस में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।
iii.उन्होंने राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए एक शक्तिशाली केंद्र के साथ एकीकृत भारत के विचार का समर्थन किया।

{दीर्घ उत्तरीय प्रश्न}

15. भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की भूमिका और योगदान पर चर्चा करें।

उत्तर:

- डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, क्योंकि वे संविधान के मुख्य वास्तुकार के रूप में जाने जाने वाले प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे।
- वे एक दूरदर्शी नेता और समाज सुधारक थे, जिन्होंने हाशिए पर पड़े समुदायों, खासकर अनुसूचित जातियों के अधिकारों की पुरजोर वकालत की।
- उन्होंने सुनिश्चित किया कि संविधान में भेदभाव और नागरिक स्वतंत्रता की सुरक्षा का प्रावधान हो।
- अंबेडकर ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए संवैधानिक नैतिकता और कानूनी सुरक्षा उपायों के महत्व पर जोर दिया।
- उनका मानना था कि राजनीतिक लोकतंत्र के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र भी होना चाहिए।
- अंबेडकर ने एक संतुलित दस्तावेज तैयार करने के लिए कुशलतापूर्वक विभिन्न दृष्टिकोणों को शामिल किया।

16. भारत में सरकार की संरचना के बारे में संविधान सभा में हुई प्रमुख बहसों की जाँच करें।

उत्तर:

- संविधान सभा ने भारत को किस तरह की सरकार अपनानी चाहिए।
- मुख्य बहसों में से एक संघीय बनाम एकात्मक प्रणाली के बीच थी। जहाँ कुछ नेता एकता बनाए रखने के लिए मजबूत केंद्रीय सत्ता चाहते थे, वहीं अन्य को केंद्रीय प्रभुत्व का डर था।

- एक और बड़ी बहस सरकार की प्रणाली पर थी - क्या यह संसदीय या राष्ट्रपति होनी चाहिए। ब्रिटिश और अमेरिकी प्रणालियों का विश्लेषण करने के बाद, सभा ने सामूहिक जिम्मेदारी सुनिश्चित करने और अधिनायकवाद को रोकने के लिए संसदीय प्रणाली का विकल्प चुना।
- भाषा के मुद्दों पर भी गहन चर्चा हुई। अंततः, हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया, जबकि संक्रमण काल के लिए आधिकारिक उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी की अनुमति दी गई।
- सभा ने अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा करने, यह सुनिश्चित करने पर भी विचार-विमर्श किया कि धार्मिक और सांस्कृतिक समुदायों को अपनी पहचान बनाए रखने की स्वतंत्रता मिले।

मुख्य शब्दावली

1. संप्रभु (Sovereign): भारत पूर्ण रूप से स्वतंत्र राष्ट्र है, वह किसी बाहरी शक्ति के अधीन नहीं है।
2. समाजवादी (Socialist): भारत समाज में आर्थिक और सामाजिक समानता स्थापित करने के लिए प्रयास करता है।
3. धर्मनिरपेक्ष (Secular): राज्य सभी धर्मों को समान सम्मान देता है और किसी एक धर्म को विशेष मान्यता नहीं देता।
4. लोकतांत्रिक (Democratic): भारत में जनता को शासकों को चुनने का अधिकार है, और सरकार जनता के लिए होती है।
5. गणराज्य (Republic): भारत का राष्ट्राध्यक्ष (राष्ट्रपति) चुना जाता है, न कि वह वंशानुगत होता है।
6. न्याय (Justice): सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित किया जाता है।
7. स्वतंत्रता (Liberty): विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता का अधिकार सभी को प्राप्त है।
8. समानता (Equality): सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समान माना जाता है; किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता।
9. बंधुत्व (Fraternity): भारत के नागरिकों में भाईचारा, एकता और राष्ट्रीय अखंडता की भावना को बढ़ावा दिया जाता है।

MINIMUM PORTION OF LEARNING
CLASS 12 HISTORY

Chapter 1: Bricks, Beads and Bones

Gist of the Chapter

Introduction: This chapter focuses on the **Harappan or Indus Valley Civilization**, one of the world's oldest urban cultures, which flourished between **2600–1900 BCE**. It introduces the archaeological discoveries, urban planning, craft production, trade practices, and social life of the Harappans.

.

Key sites include **Mohanjodaro, Harappa, Lothal, Dholavira**, etc.

Town Planning

- The Harappans built well-planned cities with **grid-pattern streets, citadels, drainage systems**, and used **baked bricks**.
- The settlement is divided into two section, one smaller but higher and the other much larger. It seems that the settlement was first planned and then implemented accordingly.
- Other signs of planning include bricks, which whether sun-dried or baked.

Domestic Architecture

Every house had its own bathroom paved with bricks. There are no windows in the walls along the ground level.

Socio Economic Differences

- Some graves contain pottery and ornaments, perhaps indicating a belief that these could be used in the afterlife.
- Jewellery has been found in burials of both men and women.
- Another strategy to identify social differences is to study artefacts, which classified as **utilitarian** and **luxuries.**

Art and Technology

They developed script (containing 375-400 signs), weights, beads, and ornaments showcasing artistic skills.

Internal and External Trade

- Specialized craft production centers- Nageshwar, Balakot, Chanhudaro and Lothal.
- Strategy for procuring material- settlement near raw material, send expedition to Rajasthan (for copper) and South India (for gold), Contact with distant land.
- Trade networks were established with regions like **Mesopotamia**. Oman and other Asian countries.
- Seals and Sealings were used to facilitate long distance communication.
- Exchanges were regulated by weights based on binary and decimal system.

End of the Civilisation

After 1900 BCE, the civilization declined due to **climate change, drying rivers**, or **resource overuse**. Archaeology helps us reconstruct their past through **material remains, settlement patterns**, and comparison with other cultures.

Very Short Answer Question

Q1.What is the time period of the Mature Harappan Civilization?
Ans-2600–1900 BCE

Q2.Name two important cities of the Harappan Civilization.
Ans- Mohenjodaro and Harappa

Q3.Which site was the source of copper for Harappans?
Ans-Rajasthan

Q4.What kind of bricks were used in Harappan buildings?
Ans-Baked bricks

Q5.What was the main item of trade in Mesopotamia from Harappa?
Ans-Carnelian beads

Q6.What were weights made of?
Ans- Chert

Q7.What is the name of the dockyard site in Gujarat?
Ans- Lothal

Q8Which river was Mohanjodaro located nearby?
Ans-Indus

Q9.Who was the first Director General of Archaeological Survey of India?
Ans- Alexander Cunningham

Q10. The streets and roads were laid approximately according to the pattern of……
Ans- Grid

Short Answer Questions

Q11. What are the main features of Harappan towns?
Ans
- Streets were laid out in a grid pattern.
- Cities were divided into citadel and lower town.
- Well-developed drainage and sanitation systems.

Q12. How do archaeologists identify social economic differences in Harappan society?
Ans
- Some burial Pits were lined with bricks while others not.
- Some graves contain Pottery and Precious ornaments.
- Findings of luxurious objects also indicates differences.
- So, we can say that all People were not of equal Position or there may be some socio-economic differences amongst Harappans people.

Q13. What was the use of seals in Harappan culture?
Ans
- to facilitate long distance communication
- ensured the safety of goods.
- conveyed the identity of sender.

Q14. What were the possible reasons for the decline of the Harappan Civilization?
Ans
- Environmental changes like floods or drought.
- Drying up of major rivers (e.g., Ghaggar-Hakra).
- Decline in trade and agricultural productivity.

Long Answer Questions

Q15. Describe the main features of Harappan urban planning.
Ans.
- Division into citadel (upper) and lower town.
- Grid pattern streets at right angles.
- Covered drainage system along streets.
- Houses made with standardized baked bricks.
- Presence of public buildings and granaries.
- Individual wells and private bathrooms.
- Proper waste disposal systems.
- Fortified city walls for protection.

Q.16. Discuss the importance of craft production in Harappan Civilization**.**
Ans.

- Use of raw materials like carnelian, shell, steatite.
- Specialized craftsmen made beads, pottery, and seals.
- Discovery of workshops in cities (e.g., Chanhudaro).
- Use of copper, bronze, and terracotta in tools and art.
- Standardized weights and measures used in trade.

- Ornaments made from gold, precious stones, terracotta etc
- Mass production techniques used in pottery.
- Trade of goods with Mesopotamia and within Indian subcontinent.

🔑 Key Terms

S.NO	TERMS	MEANING
1	**Citadel**	Raised fortified area in Harappan cities.
2	**Seal**	Inscribed object used for stamping goods.
3	**Beads**	Decorative items made from stones/metals.
4	**Granary**	Storehouse for surplus grain.
5	**Drainage System**	Underground water disposal method.
6	**Craft Production**	Making of beads, pottery, and ornaments.
7	**Standardized Weights**	Uniform stone weights used for trade.
8	**Terracotta**	Baked clay used in figurines and pottery.
9	**Dholavira**	Harappan city known for water management.
10	**Trade**	Exchange of goods within and beyond civilization.

Map Work

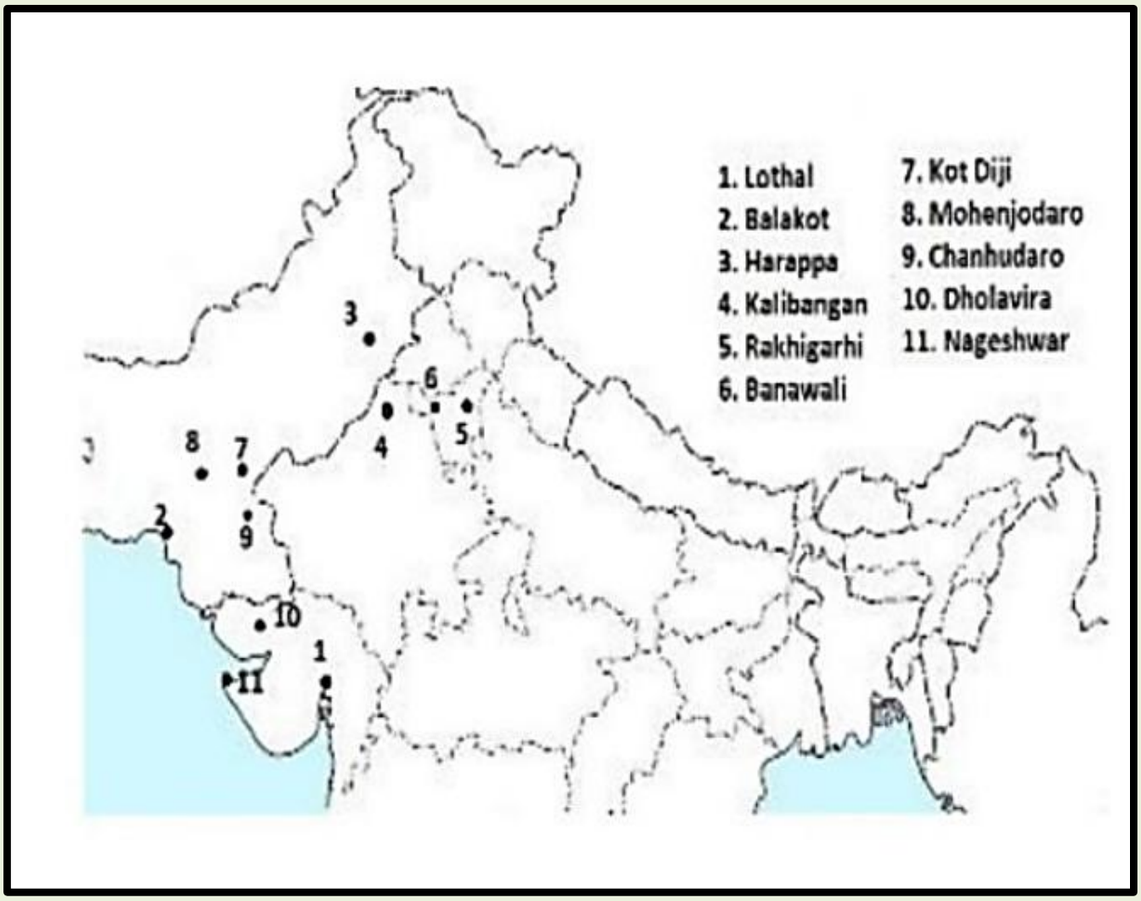

Important Harappan Sites and their present location

Mohenjodaro	Sindh, Pakistan
Harappa	Punjab Province, Pakistan
Kalibangan	Rajasthan, India
Lothal	Gulf of Khambhat in Gujarat
Dholavira	Rann of Kutch,Gujarat, India
Suktagendor	Baluchistan Province, Pakistan
Kot Diji	Sindh, Pakistan.
Banawali	Haryana, India
Chanhudaro	Sindh, Pakistan.
Nageshwar	Gujarat India
Rangpur	Gujarat India
Manda	Jammu Kashmir India
Rakhigarhi	Haryana India

Chapter 2: Kings, Farmers and Towns (*c.*600 BCE to 600 CE)

GIST OF THE CHAPTER

Introduction: This chapter talks about the political and economic history of the Indian Subcontinent during 600BCE to 600 CE.

Importance of the sixth century BCE

- Development of early states and cities
- The growing use of iron
- The development of coinage
- The growth of diverse systems of thought, including Buddhism and Jainism.

Rise of Magadha- A number of factors made Magadha the most powerful Mahajanpada like

- Fertile plains
- Productive agriculture
- Availability of iron
- Availability of elephants
- Cheap and convenient communication through rivers like the Ganga and its tributaries
- Ambitious kings like Bimbisara, Ajatasattu and Mahapadma Nanda.

Sources to reconstruct the history of the Mauryan Empire

- Archaeological findings
- Accounts of Greek ambassador Megasthenes, Kautilya's Arthashtra , Buddhist, Jain and Puranic literature
- Asoka's inscriptions.

Strategies for Increasing Production

- There was a shift to **plough agriculture** in the fertile plains of the Ganga and the Kaveri from the sixth century BCE.
- **Iron tipped plough** was used which was much more efficient.
- Production of **paddy** increased due to **transplantation**.

Land grants

- The practice of the land grants started from the early centuries of the Common Era.
- Mostly recorded on copper plates.
- **Prabhavati Gupta**, the daughter of Chadragupta II and married into the Vakataka family also made land grants.

Development of Coinage

- The first coins were the **punch-marked** coins made of silver and copper.
- The **Indo-Greek rulers** issued coins with images and names.
- The **Kushanas** issued first gold coins.
- **Roman coins** were found from many sites in south India.

- Tribal republics like **Yaudheyas** of Punjab and Haryana also issued coins.
- The **Gupta rulers** issued the most spectacular coins.

Very Short Answer Questions

Q1. Who deciphered Asokan inscriptions?

Ans. James Prinsep

Q2. Which two scripts deciphered by James Prinsep are used in Asokan inscriptions?

Ans. Brahmi and Kharosthi

Q3. Which word is used for Asoka in most of the inscriptions?

Ans. Piyadassi means "pleasant to behold".

Q4. How many states or Mahajanapada emerged in the sixth century BCE?

Ans. 16

Q5. Name the capital of Magadha.

Ans. Initially the capital was Rajagaha but in the fourth century BCE Pataliputra became the capital.

Q6. Which officers were appointed to spread the message of dhamma by Asoka?

Ans. Dhamma mahamatta

Q7. Name the kingdoms emerged in Tamilakam in ancient period.

Ans. The Cholas, the Cheras and the Pandyas.

Q8. Which title was adopted by the Kushanas rulers?

Ans. "Devaputra" which means son of God.

Q9. What was ‘agrahara’?

Ans. The land which was granted to Brahamanas.

Q10. What were shrenis?

Ans. Shrenis or guilds were organisations of craft persons and merchants.

Short Answers Questions

Q11.Why is the sixth century BCE is often regarded as a major turning point in early Indian history?

Ans.

- Development of early states and cities
- The use of iron and Development of coinage
- Development of different schools of thoughts like Jainism and Buddhism.

Q12. What are the sources to reconstruct the history of the Mauryan Empire?

Ans.

- Account of Megasthenes
- Arthashastra, written by Kautilya or Chanakya
- Buddhist, Jaina and Puranic literature
- Asoka's Inscriptions. They are considered the most valuable sources.

Q13. Write a note on the Prayag Prashasti.

Ans.

- The prashastis were Composition in praise of kings.
- The Prayag Prashasti was composed by Harishena.
- It was composed in the praise of Gupta ruler Samudragupta.

Q14. Mention the strategies adopted to increase agricultural production in sixth century BCE.

Ans.

- Use of iron tip plough
- Transplantation method for paddy
- Use of Wells and tanks for irrigation

Long Answer Questions

Q15. Why did Magadha become most powerful mahajanapada?

Ans.

- Agriculture was good.
- Fertile plains
- Iron mines available. Iron was an important resource for making tools and weapons.
- Elephants were available in forests. Elephants were an important component of the army.
- Rivers used for transportation.
- Ambitious kings like Bimbisaara, Ajatasattu and Mahapadma Nanda
- Strategic benefits of location
- Ruled by mighty dynasties

Q16. What are the limitations of inscriptional evidence?

Ans.

- Letters are faintly engraved
- Inscriptions may be damaged
- Letters may be missing.
- Meaning of words may be changed.
- It shows the perspective of rulers who had commissioned them.
- It does not tell about ordinary people’s life.
- Only important events have been recorded.
- Some inscriptions are still not deciphered.

🔑 Key Terms

S.NO	TERMS	MEANING
1	**Epigraphy**	Study of inscriptions
2	**Votive Inscriptions**	Inscriptions which record gifts made to religious institutions.
3	**Shreni/Guild**	Organisation of craft producers or merchants
4	**Numismatics**	The study of coins
5	**Gana/sangha**	Mahajanapadas ruled by group of kings
6	**Vellalar**	Large Landowner
7	**Sattvahas**	Rich merchant community
8	**Gahapati**	Small farmers and large landholders
9	**Agrahara**	Land granted to Brahmanas
10	**Dharmsutras**	Sanskrit text composed by Brahmanas from 600 BCE onwards

Map Work

Chapter 3: Kinship, Caste and Class (600BCE to 600CE)

Gist of the Chapter

The critical edition of Mahabharat: Project began in 1919 under the leadership of V. S Sukthankar. Various versions of Mahabharat text studied comparatively. This study clear two things- 1)some elements were common 2) regional variations also become clear.

Kinship and marriage (Rules and Practices): Story of Mahabharat reinforced the idea of patriliny.

- Exogamy was prevailed.
- Kanyadan gradually become the religious duty of parents.
- Gotra system- members of same gotra could not marry, after marriage women had to give up father gotra.
- Norms laid down by Brahmanical text were not followed always. Satvahan shows exception of gotra system.
- Importance of mother- Satwahan rulers were identified through metronymics.

Varna and caste system (Rules and practices):- Varna system projected as a divine order based on birth.

- Four varnas associated with their ideal occupation.
- According to sutras only kshatriya could be a king, but we had example of non kshatriya kings also.
- Occupational categories other than prescribed four varnas were put into jatis.
- Jatis sharing same occupation organized into shrenis.
- Members of shrennis sometimes adopted other occupation.
- Certain social categories were classified as untouchables. Example of chandals.

Property rights:-According to sanskrit text women had no rights over property except Stridhan.

- Exceptional case of Prabhavati gupta who grant a village.
- The only occupation prescribed for shudras was servitude.
- Buddhist text give example of wealthy shudras.

Explaining social differences: Buddhist explanation of social differences based on the theory of social contract.

Mahabharata a complex and dynamic text: written in many languages and script, classified under two heads narrative and didactic, composed between 500 BCE to 500CE, lack of supportive archaeological evidences.

Very Short Answers

Q1.Which of the following text is consider a key source for understanding kinship and social order in ancient India?
Ans-Mahabharat

Q2.In the Mahabharata'the term 'Kula" refers to-
Ans-Clan or family.

Q3.The term 'varna'in ancient Indian society primarily refers to
Ans-Colour or social class.

Q4.Which group was placed at the bottom of the varna hierarchy?
Ans-Sudras.

Short Answer Questions

Q.1 Identify any two strategies evolved by Brahmanas to enforce the norms of varna order.
Ans i)Brahmans used to assert that the Varna order was a divine order.
ii) Brahmans advised the kings to ensure that the Varna order norms are to be followed within their kingdoms.

(iii) Brahmans attempted to persuade people that their status is determined by birth.

Q2.Mahabharat is a dynamic text . Explain it.
Ans i)The growth of the Mahabharata did not stop with the Sanskrit version.
(ii) Over the centuries versions of the epic were written in a variety of languages through a process of dialogue between people and communities.
(iii) Several stories originated in specific region.
(iv) Central story of the epic was often retold in different ways.
(v) Episodes of the Mahabharata were depicted in Sculpture and painting.
(vi) Themes taken for performing arts- plays, dance and other kinds of narrations.

Q3. Explain the language and content of Mahabharat.
Ans (i) The language of Mahabharata is Sanskrit, which is far simpler than the Vedas.
(ii) There are versions in other languages as well. i.e. Prakrit ,Pali , Tamil etc.
(iii) The contents are classified into two broad heads- narrative section and didactic section.
(iv) (a) The narrative section includes social messages.
(b) Generally, historians agree that Mahabharata was meant to be a dramatic, moving story and that the didactic portion was probably added later.
(v (a) The didactic section contains prescriptions about social norms and stories.
(b) Didactic refer to something that's meant for purposes of instruction.
(vi) The history of an actual conflict amongst Kinfolk was preserved in the narrative.
(vii) Some historians argue that there is no other corroborative evidence of the battle.

Long Answer Questions

Q1. Explain why the ideal of Patriliny was important among the elite families from 600BCE to 600CE.
Ans (i) This ideal of patriliny was prevalent before the story of Mahabharta.
(ii) The central story of the epic reinforced the ideal of patriliny.
(iii) Most of the ruling dynasties claimed to follow this system.
(iv) Sometimes there were no sons, then the Kinsmen claimed the property .
(v) The concern of patriliny was not unique to the ruling families as is evident in Mantras in ritual texts such as Rigveda.
Q2. Mention the process involved in the task of preparing the critical edition of Mahabharat.
Ans i) In 1919 , V. S. Sukthankar , a team of scholars initiated the task of preparing a critical edition of the Mahabharata.
ii). Collection of Sanskrit manuscripts.
iii). Selection of common verses from Kashmir and Nepal in the north to Kerala and Tamil Nadu in the south.
iv). Found enormous regional variations.
v). Scholars studied works in Pali, Prakrit and Tamil

Q3.The Mahabharata is a good source to study the social value of ancient times. Prove it.
Ans i) Mahabharata is a story of battle between two groups of cousins, over land and power. So we can find out the traces of changing values of kinship in this text.
ii)Mahabharata indicates that patrilineal system was followed in ancient times
iii)Cousins were seen as blood relations
iv)For the continuity of the patrilineage sons were important. Daughter had no claims to the resources of the household
v)Daughters were married into the families outside the kin. This system called exogamy
vi)Kanyadan become important religious duty of parents
vii)The story of bhima and hidimba suggest that non brhmanical marriage practices also performed
viii)Polyandry was also practiced
ix)It gives two contrasting social norms in the relationship between the mother and the son
x)Gotra system was followed

Q.4 Because of the diversity of the Indian subcontinent there have always been population whose social practices were not influenced by the Brahmanical ideas during 600BCE to 600CE. Examine this statement.

Ans i)In Sanskrit texts populations whose social practices were not influenced by Brahmanical ideas are often described as odd, uncivilised, or even animal-like.

(ii) In some instances, these included forest-dwellers –for whom hunting and gathering remained an important means of subsistence.

(iii) Categories such as the Nishada, to which Ekalavya is supposed to have belonged, are examples of this.

(iv) Others who were viewed with suspicion included populations such as nomadic pastoralists, who could not be easily accommodated within the framework of settled agriculturists who spoke non-Sanskritic languages were labelled as Melachhas.

(v) While the Brahmanas considered some people as being outside the system, they also developed a sharper social divide by classifying certain social categories as "untouchables but historians have tried to find out whether chandalas accepted the life of degradation prescribed in the shastras.

(vi) Hidimba marrying Bhima against the social practices prescribed in the Dharamshastras.

(vii) Whenever Brahmanical authorities encountered new groups which did not easily fit into the fourfold varna system they classified them as Jatis.

(viii) Aspects related with non-Kshatriyas king

(ix) Many new questions were raised alternate traditions like Buddhism

(x) Jainism appealed to lower class as it believes all things are animated and all are equal

(xi) Metronymics was followed by the Satavahanas

(xii) The case of chandala named Matanga given in Matanga Jataka

(xiii) Prabhavati Gupta had access to property unlike other daughters

Chapter 4: Thinkers, Beliefs and Building

Gist of the chapter

Introduction: This chapter tries to understand the ideas and beliefs emerging during the period of 600BCE to 600CE on the basis of Buddhists, Jains, Brahmanical texts, monuments and inscriptions.

Role of rulers of Bhopal

- Sanchi stupa(Buddhist monument) discovered in 1818 and preserved by ruler of Bhopal Shahjahan Begum and her successors Sultan Jehan Begum.
- Rulers provided funding and manage to keep the original monument at site.
- John Marshall dedicated his work on Sanchi to Sultan Jehan Begum.
-

Mahavira- 24th Tirthankar: who guide men and women across the river of existence.
Message of Mahavir :life in stones, rocks; non- injury to livings beings, principle of ahimsa, karma reason for the cycle of birth and rebirth, monastic life necessary for liberation.

Teachings of Buddha

- **Sorrow** is universal, even pleasure is temporary. **Cause of sorrow**: Desire and ignorance. **World**: Constantly changing and soulless.
- **Goal**: *Nibbana* – end of ego and desire, **Path**: Self-effort, ethical life, path of moderation.
- Organisation of monks(Sangha) founded by Buddha. Followers from all social groups.
- Buddhist text- Tripitaka- **Vinaya Pitaka(**Rule for the Sangha) **,Sutta Pitaka(**Teachings of the Buddha) **Abhidhamma Pitaka (**Philosophical matter)

Stupas: Earlier chaitya's later on stupa.

- Stupa, house of bodily remains or objects used by Buddha.
- How stupas were built? Donations by the kings, guilds, women and men.
- The structure of the stupa- Anda(A semi-circular mound), Harmika(a balcony like structure: abode of gods), Yashti (A Pole- Arising from the harmika).

The fate of Amravati and Sanchi

- Sanchi survived but Amaravati did not. Amaravati Stupa found before value of in-situ preservation was known.
- By 1850s, slabs of Amravati stupa sent to Calcutta, Madras, and London.
- **H.H. Cole's** support for in-situ preservation followed at Sanchi Stupa.

NOTE: **In-situ preservation** means protecting and keeping a monument or structure at its original place, without moving it elsewhere.

Sculptures: Story in stones- 1. Vesantara Jataka story 2. Worship of symbols(Empty seat- meditation of the Buddha, Stupa- Mahaparinibbana, Wheel- First sermon of Buddha 3.Popular traditions(Shalbhanjika- Auspicious symbol, Gajalakshmi- Symbol of good fortune)

New religious traditions. – Mahayana Buddhism, 1st century CE,(Salvation of all, Concept of saviour-Boddhisatva, image worship of Buddha started)
The growth of Puranic Hinduism- Vaishnavism and Shaivism, Building of temples
Barabar Caves (Bihar), Deogarh Temple(UP), Kailashnath Temple, Ellora, Maharashtra

Very Short Answer Questions

Q.1 What was the balcony like structure in a stupa called?
Ans. Harmika

Q.2 Which Buddhist texts dealt with philosophical matters?
Ans. Abhidhamma Pitaka

Q.3 ……provided money for the preservation of the Sanchi Stupa.
Ans. Begum of Bhopal

Q.4 Sanchi stupa(Buddhist monument) discovered in …….
Ans 1818

Q.5 Describes the meaning of 'Tirthankaras' in Jainism.
Ans Teachers who guide men and women across the river of existence.

Q.6 'The concept of Bodhisattva is central to Mahayana sect of Buddhism.' State whether True or False.
Ans. True.

Q. 7 'The world is soulless.' Which philosophy believes in this idea about world?
Ans Buddhism

Q.8 In which state of India is the eighth century temple, Kailashnath Temple situated?
Ans. Maharashtra

Q.9 Symbol of the 'Wheel' represent which event of the life of Buddha?
Ans First sermon of Buddha

Q.10 Organisation of Monks founded by Buddha was called the ……..
Ans Sangha

Short Answer Questions

Q.11 Discuss the role of Rulers of Bhopal in the preservation of Sanchi Stupa.
Ans.

- Shahjahan Begum managed to keep the original finds of stupa at site by providing plaster casts copies to the Europeans.
- She also provided funding for preservation of Stupa.
- Sultan Jehan provided funding for museum and publication of John Marshalls findings.

Q.12 What were the features of Mahayana Bhuddism?
Ans.

- Later Buddhist teachings – from 1st century CE
- Mahayana meaning -Great vehicle- **salvation for all**.
- **Concept of Saviour** was emerged.
- **Bodhisattvas** were compassionate beings who achieve merits – use to help others.
- **Image worship** of Buddha and Bodhisattvas started.

Q.13 Describe the teachings of Jainism.
Ans.

- Non-violence: All things have life; Do not harm anyone.
- Karma, reason for the cycle of birth and rebirth.
- Liberation Path: Through sacrifice and monastic life.
- Five Vows: No killing, stealing, lying; follow celibacy; no possessions.

Q.14 Why men and women joined the Sangha?
Ans.

- Buddha's teachings attracted those unhappy with old religions and social changes.
- Buddha's teachings were simple to follow.
- He focussed on Self-effort, ethical life, path of moderation.
- He taught in simple language.

Long Answer Questions

Q.15 Examine the major teachings of Buddha?
Ans.

- **Sorrow** is universal, even pleasure is temporary.
- **Cause of sorrow**: Desire and ignorance.
- **World**: Constantly changing and soulless.
- **Goal**: *Nibbana* – end of ego and desire.
- **Path**: Self-effort, ethical life, path of moderation
- Buddha emphasised **individual effort** and **righteous action**.
- He advised Kings and Gahapati to be humane and ethical.
- The Buddha regarded the social world as **the creation of humans** rather than of divine origin.

Q.16 Why are Buddhist stupa said to be 'stories in stone'? Explain.
Ans.

- Sculpture at Sanchi Stupa depicts a scene from the **Vessantara Jataka**.
- Sculptors showed **Buddha's presence through symbols**.

- The empty seat meant the meditation of the Buddha.
- The wheel stood for the first sermon of the Buddha delivered at Sarnath.
- The stupa indicates the Mahaparinibban of the Buddha.
- The **Shalabhanjika motif** shows the popular belief. This woman considered an auspicious symbol whose touch caused trees to flower and bear fruit.
- **Animals like elephants, horses, monkeys,** and cattle were depicted to signify strength and wisdom.
- A motif of a woman surrounded by lotuses and elephants also shown on stupa. Some historians identify the figure as Maya, the mother of the Buddha, while others identify her with **Gajalakshmi,** the goddess of good fortune.
- **A serpent motif** at Sanchi also seems to be derived from popular traditions.

Key Terms

S. NO	TERMS	MEANING
1.	Upanishad	A group of texts which built upon Vedic concepts and new idea of Brahm, Karma and Moksha.
2.	kutagarashala	literally, a hut with a pointed roof, where debates took place.
3.	Hagiography	A biography of a saint or religious leader.
4.	Buddha	the Enlightened One
5.	Nibban	the extinguishing of the ego and desire.
6.	Theris	Respected women who had attained liberation.
7.	Chaitya	A funerary mound or Sacred place with small shrine.
8.	Jataka	Buddhist text(stories of previous birth of Buddha)
9.	Bodhisattas	Compassionate beings who help others to attain nibban.
10.	Hinayana or Theravada	Followers of the older Buddhist tradition
11.	Puranas	Text compiled by Brahmanas (by middle of the first millennium CE) contains stories of Hindu God and Goddess.
12.	Garbhagriha	A room where idol of deity placed in temple.

Map Work

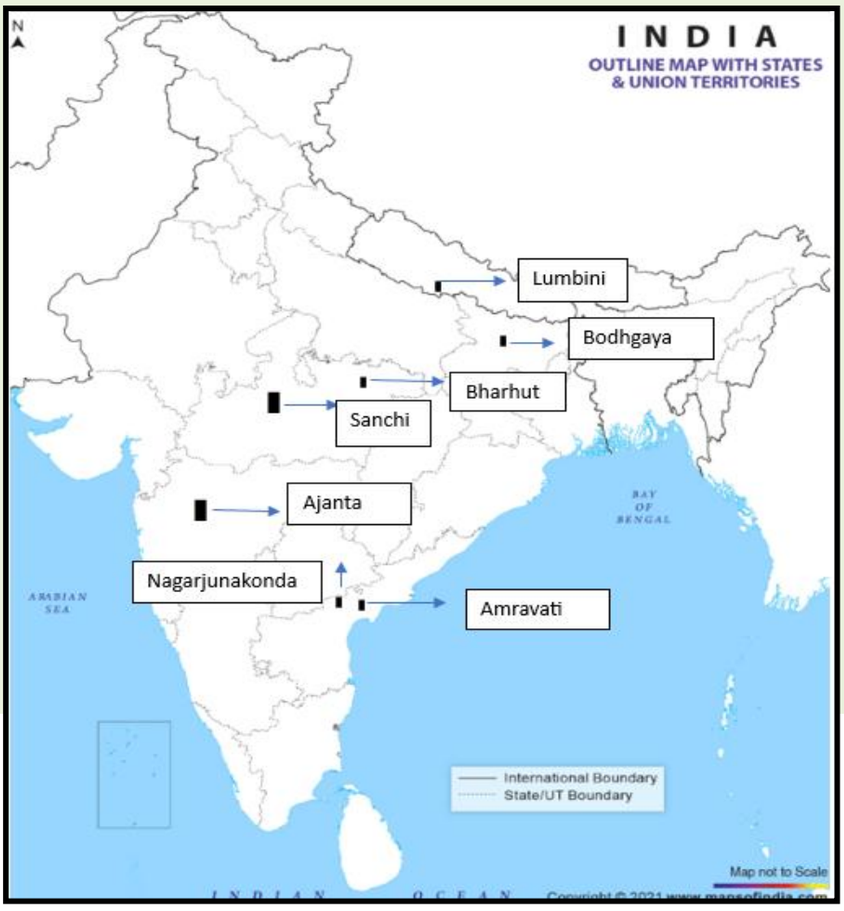

Image Based Questions

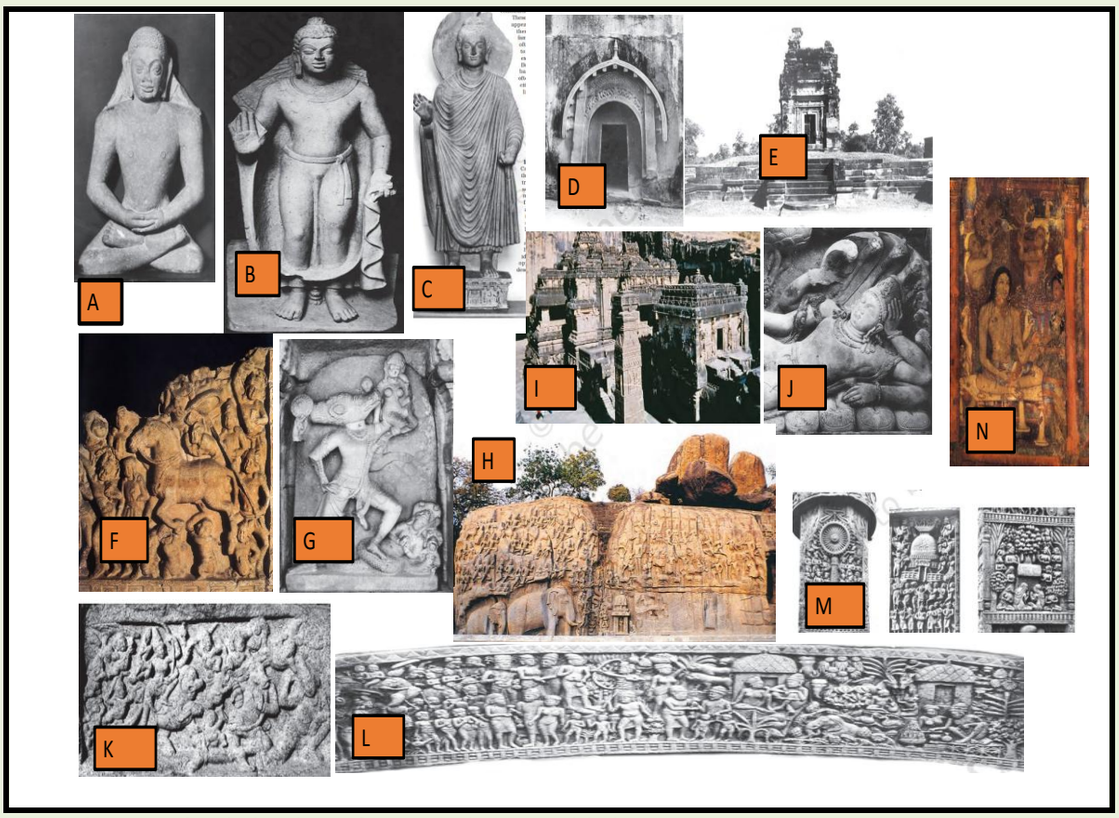

A An image of a tirthankara from Mathura, c. third century CE
B An image of the Buddha from Mathura, c. first century CE
C A Bodhisatta from Gandhara
D Entrance to a cave at Barabar (Bihar), c. third century BCE
E A temple in Deogarh (Uttar Pradesh), c. fifth century CE
F A sculpture (c. 200 CE) from Amaravati (Andhra Pradesh), depicting the departure of the Buddha from his palace
G The Varaha or boar avatar of Vishnu rescuing the earth goddess, Aihole (Karnataka) c. sixth century CE
H A rock-cut sculptural panel at Mahabalipuram
I Kailashnatha Temple, Ellora (Maharashtra). This entire structure is carved out of a single piece of rock.
J Vishnu reclining on the serpent Sheshnag, sculpture from Deogarh (Uttar Pradesh), c. fifth century CE
K An image of Durga, Mahabalipuram (Tamil Nadu), c. sixth century CE
L A part of the northern gateway depicting Jataka story.
M (far right) Worshipping the Bodhi tree- Symbol of meditation of Buddha. (middle right) Worshipping the stupa- Symbol of Mahaparinibban, Setting in motion the wheel of dharma
N A painting from Ajanta.

Chapter 5: Through the Eyes of Travellers (c. tenth to seventeenth centuries)

Gist of the Chapter

Introduction: This chapter is focussed on the accounts of foreign travellers in order to understand the social political and economic life during the tenure of different rulers in the medieval period.

AL -BIRUNI

- Al-Biruni, a great scholar of central Asia, came to India in the 11th century.
- He arrived India during the invasion of Mahmud of Ghazni.
- Al-Biruni was born on 4 Sept 973 CE at Khwarizm in Uzbekistan.
- Al-Biruni was well-versed in many languages. Languages such as Arabic, Persian, Hebrew and Sanskrit were known to him.
- Al-Biruni's most outstanding work 'Kitab-ul-Hind' was written in Arabic and was concerned with India. It was also known as Tarikh-ul-Hind.

IBNA BATTUTA –

- He visited India in 14th century from Morocco.
- He had made pilgrimage trips to Mecca, and had already travelled extensively in Syria, Iraq, Persia, Yemen, Oman and a few trading ports on the coast of East Africa.
- **Muhammad bin Tughlaq**, the Sultan was impressed by his scholarship, and appointed him the Qazi or judge of Delhi. He remained in that position for several years, until he fell out of favour and was thrown into prison.
- Once the misunderstanding between him and the Sultan was cleared, he was restored to imperial service, and was ordered in 1342 to proceed to China as the Sultan's envoy to the Mongol ruler.
- The great traveller of Morocco died in 1377, but the account written by him '**Rihla**' is of immense wealth.
- He gives the details about communication system of India during sultanate period.

Postal system in India.

- These were uluq (horse post) and dawa (footpost).
- Uluq stationed at a distance of every four miles while the dawa has three stations per mile, means one-third of a mile.
- The foot-post is quicker than the horse post and often it was used to transport the fruits of Khurasan.

FRANCOIS BERNIER

- He was a French traveller who came to India in 17th century.
- Francois Bernier was a great French doctor, philosopher and an historian who remained in India from 1656 to 1688 and wrote his famous book entitled. "**Travels in the Mughal court".**
- Francois has given great detail about Indian Kharkhanas.
- He wrote about Town, land ownership system and social evil, i.e. sati system.

The Practice of Sati

- Bernier has provided a detailed description of sati in his account.
- He mentioned that while some women seemed to embrace death cheerfully, others were forced to death.
- He also noticed the child sati at Lahore where a twelve-year-old young widow was sacrificed.

Women labourer

- Women labour was crucial in both agricultural and non-agricultural production.
- Women from merchant families participated in commercial activities.
- Therefore, it seems unlikely that women were confined to the private spaces of their homes.

Very Short Answer Questions

Q1. From whose account we do get the information of efficient postal system?
ANS. Ibn-Battuta

Q2. Who said, 'the subcontinent full of exciting opportunities?'
ANS. Ibn Battuta

Q.3. Which traveller was appointed as the Qazi or judge of Delhi by the Muhammad bin Tughlaq?
ANS. Ibn-Batuta

Q4. Which were the chief barrier faced by Al-Biruni in India?
ANS. a. The language b. The religious practice

Q5. Who wrote Kitab-ul-Hind ?
ANS. Al-Biruni

Q6. Who wrote 'Travel in Mughal Empire' ?
ANS- Francois Bernier

Q7- Who were the Nagar Sheth?
ANS- Head of the merchant community

Q8. To which king did Francois Bernier dedicate his major writings?
ANS- Louis XIV

Q9. Ibn Batu got swapped after seeing India's two wonderful objects…..
ANS- coconut and betel leaf

Q10.Who called the Mughal cities as camp cities?
ANS- Bernier

Short Answer Questions

Q.11. Write a note on the Kitab-ul-Hind.

Ans:

- Kitab-ul-Hind was written by Al-Biruni.
- It was considered with India and also known by the name of Tarikh-ul-Hind and Tahqiq-maul-Hind. It was written in Arabic. It is divided into 80 Chapters.
- They have thrown a detailed light on Hindu religions and philosophy, festivals, customs and tradition, the social and economic as well as political life of the people. In each chapter he adopted a distinctive style and had a question in the beginning. It was followed by a description based on Sanskrit tradition.

Q.12. Analyse the evidence for slavery provided by Ibn Battuta.

Ans:

- Battuta has given a detailed description on the practice of slavery prevalent in India.
- Delhi Sultan-Muhammad bin Tughlaq had a large number of slaves. Most of these slaves were forcibly captured during the aggressions.
- Many people sold their children as a slave, because of acute poverty. Slaves were also offered as a gift during this time.
- Battuta when visited him, also brought many horses, camels and slaves for the Sultan to present him.

- Sultan Muhammad bin Tuglaq, himself had presented two hundred slaves to Nasiruddin a religious preacher.
- Nobels are used to keep slave those days. Through these slaves, the Sultan used to get information about the activities of the noble and all other important events of the empire. The woman slaves served as servants in the house of the rich (nobles). These women informed the Sultan about the activities of their masters (i.e., nobles).
- Most of the slaves used to do domestic works and there was a lot of difference between the status of these slaves and the court slaves.

Q13. What were the elements of the practice of sati that drew the attention of Bernier?

Ans: The practice of sati according to Bernier showed the difference in the treatment of women in western and eastern society. He noticed how a child widow was forcefully burnt screaming on the funeral pyre while many of the older women were resigned their fate.

The following elements drew his attention.

- Under these cruel practices an alive widow was forcibly made to sit on the pyre of her husband.
- People had no sympathy for her. The widow was an unwilling victim of the sati-practice. She was forced to be a Sati.

Long Answer Questions

Q.14."Ibn Battuta found cities in the subcontinent full of exciting opportunities" Support your answer with evidences given by him"

Ans.

- Ibn Battuta found cities in the subcontinent full of exciting opportunities for those who had the necessary drive, resources and skills.
- They were densely populated and prosperous.
- These cities having streets and Markets with a wide variety of goods.
- Delhi a vast city, with a great population, the largest in India.
- Daulatabad (in Maharashtra) was no less, and easily rivalled Delhi in size.
- The bazaars were not only places of economic transactions, but also the hub of social and cultural activities. Most bazaars had a mosque and a temple, and in some of them where spaces were marked for public performances by dancers, musicians and singers.
- Historians have used his account to suggest that towns derived a significant portion of their wealth from villages.
- The subcontinent was well integrated with inter-Asian networks of trade and commerce, with Indian manufactures.
- Indian textiles, cotton cloth, fine muslins, silks, brocade and satin, were in great demand in the Inter National market.

Q15.Explain Bernier's perception about ownership of land property in India.

Ans.

- He constantly compared Mughal India with contemporary Europe, generally emphasising the superiority of the latter. He also ordered (arranged) the perceived differences hierarchically, so that India appeared to be inferior to the Western world.
- Lack of private property in India- According to Bernier, one of the fundamental differences between Mughal India and Europe was the lack of private property in land in India. He was a firm believer in the virtues of private property, and saw crown ownership was both the state and its people.
- Crown ownership of all lands- He thought that the Mughal emperor owned all the land and distributed it among his nobles, this had disastrous consequences for the economy and society.

- No inheritance no investment- Owing to crown ownership of land, land holders could not pass on their land to their children. So there had any long-term investment in the sustenance and expansion of production.
- No improvement of Lands- The absence of private property in land had prevented the emergence of the class of "improving" landlords
- Decline in the living standards- It had led to the uniform ruination of agriculture, excessive oppression of the peasantry and a continuous decline in the living standards of all sections of society.
- People impoverished by ruling class- As an extension of this, Bernier described Indian society as consisting of impoverished people, subjugated by a minority of a rich and powerful ruling class.
- The king of "beggars and barbarians- Bernier confidently asserted that, "There was no middle state in India." and the king was the king of "beggars and barbarians"; its cities and towns were ruined and contaminated with "ill air"; and its fields, "overspread with bushes" and full of pestilential marshes".
- Remunerations of sovereignty- For instance, Abu'l Fazl, the sixteenth-century official chronicler of Akbar's reign, describes the land revenue as "remunerations of sovereignty. European travellers regarded such claims as rent because land revenue demands were often very high. However, this was a tax on the crop .

Chapter 6: Bhakti-Sufi Traditions (c. eighth to eighteenth centuries)

GIST OF CHAPTER

Introduction: This chapter talks about the religious development of the Indian Subcontinent during eighth to eighteenth centuries.

1. Mosaic of Religious Beliefs and Practices

Most striking feature of this phase is the increasing visibility of a wide range of gods and goddesses in sculpture as well as in texts.

- **Brahmanas accepting and reworking on their beliefs and practices.** For example, at Puri Temple, Orissa, the principal deity came to be identified as Jagannatha (the lord of the world), a form of Vishnu.
- **Tantric practices**: These were widespread in several parts of the sub-continent.

2. Poems of Prayer: Early Tradition of Bhakti

- It is classified into **two categories. Saguna:** It focused on the **worship of specific deities such as Shiva, Vishnu and his avatars** and forms of the goddess.
- **Nirguna:** It was the **worship of an abstract form of God**.
- Some of the earliest bhakti movements (sixth century CE) were led by the **Alvars (devotees of Vishnu)** and **Nayanars (devotees of Shiva).**
- The Alvars and Nayanars **initiated a movement of protest against the caste system and the dominance of Brahmanas.**
- The **Nalayira Divyaprabandham**, an **Alvar composition**, was described as the **Tamil Veda** and claimed to be as significant as the four Vedas in Sanskrit.

3 The Virashaiva Tradition in Karnataka

- **A new movement led by a Brahmana** named **Basavanna** emerged in the twelfth century.
- The followers were known as **Virshaivas (heroes of shiva)** or **Lingayats (wearers of Linga).**
- Lingayats bury their dead instead of cremating them as they believe they will be united with Shiva and will not return to this world.
- They **also challenged the idea of caste and rebirth** and encouraged post-puberty marriage and remarriage of widows.

4 Religious Ferment in North India

- **Religious leaders who challenged orthodox Brahmanical framework** started gaining ground. These were the **Naths, Jogis and Siddhas**.

5 New Strands in The Fabric:-Islamic Traditions

- The universal features of Islam were overlaid with diversities and influence of local customary practices.
- Turkish rulers were designated as **Turushka, Tajika** were people from Tajikistan, **Parashika** were people from Persia. A more general term for these migrant communities was **Mlechchha.**

6 The Growth of Sufism

- A group of religious minded people called **sufis** turned to asceticism and mysticism in protest against the growing materialism of the Caliphate.
- They **laid emphasis on intense devotion and love for God** by following His command.
- The sufis began to organise communities around the **hospice or khanqah (Persian) controlled by a teacher known as shaikh (in Arabic), pir or murshid (in Persian)**.
- He enrolled **disciples (murids)** and appointed **a successor (khalifa)**.
- They were known by different names – **Qalandars, Madaris, Malangs, Haidaris,** etc.

7. The Chishtis in the Subcontinent

Chishtis were the **most influential of the groups** that migrated to India in the Twelfth Century because they adopted to the local environment and traditions.

Life in the Chishti Khanqah

- **Shaikh Nizamuddin's hospice in Delhi** consisted of several rooms and a big hall.
- There was an open **kitchen (langar), run on futuh (charity)**.
- People from all walks of life came seeking discipleship.
- Practices such as bowing before the Shaikh, offering water to visitors, shaving the heads of initiates, and yogic exercises, represented attempts to assimilate local traditions.

Chishti Devotionalism: Ziyarat and Qawwali

- Pilgrimage to tombs of sufi saints is called **ziyarat.** This practice is an occasion for seeking the sufi's spiritual grace (**barakat**).

- Use of music and dance including mystical chants performed by specially trained musicians or qawwals to evoke divine ecstasy was also a part of Ziyarat.
- The sufis remember God either by reciting the **zikr** (the Divine Names) or evoking his Presence through **sama** (audition).

Languages and Communication

- In Delhi, those associated with the Chishti silsila conversed in **Hindavi, the language of the people**.
- Sufis such as Baba Farid composed verses in the local language, which were incorporated in the Guru Granth Sahib.
- The sufis **accepted unsolicited grants and donations** from the political elites.
- The Sultans set up charitable trusts (Auqaf) and granted tax-free land (inam).

8 New Devotional Paths: Dialogue and Dissent in Northern India

Weaving a Divine Fabric: Kabir

- Verses ascribed to Kabir have been compiled in **three distinct but overlapping traditions**:
- The **Kabir Bijak** ,The **Kabir Granthavali** &**Adi Granth Sahib.**
- Some are composed in the special language of nirguna poets, **the sant bhasha**.
- He **described the Ultimate Reality as Allah, Khuda, Hazrat and Pir**.
- He also used terms drawn from Vedantic traditions, **alakh** (the unseen), **nirakar** (formless), **Brahman, Atman**, etc.
- Terms with mystical connotations such as **shabda** (sound) or **shunya** (emptiness) were drawn from yogic traditions.
- Some poems draw on Islamic ideas and use monotheism and iconoclasm to attack Hindu polytheism and idol worship.

Baba Guru Nanak and the Sacred Word

- The message of Baba Guru Nanak is **spelt out in his hymns and teachings** which suggest that he advocated a form of nirguna bhakti.
- For Baba Guru Nanak, **the Absolute or "rab" had no gender or form.**
- He rejected sacrifices, ritual baths, image worship, austerities and the scriptures of both Hindus and Muslims
- He proposed a way to connect to the Divine by remembering and repeating the Divine Name, expressing his ideas through hymns called **"shabad".**

Mirabai

- She is perhaps the **best-known woman poet** within the Saguna bhakti tradition.
- She was a princess who was married against her wishes but she later escaped to live as a wandering saint.
- She **recognized Krishna, an avatar of Vishnu**, as her lover.

9. Reconstructing Histories of Religious Traditions

Historians draw on a variety of sources to reconstruct histories of religious traditions – these include sculpture, architecture, stories about religious preceptors, compositions attributed to women and men engaged in the quest of understanding the nature of the Divine.

Important facts: Very Short Answer Questions

1. Pairs are correctly matched : Shaikh Muinuddin Chisti- Ajmer , Khwaja Qutbuddin Bakhtiyar Kaki- Delhi, Shaikh Nizamuddin Auliya- Delhi, Shaikh Nasiruddin Chiragh-i-Dehli- Delhi & Shaikh Fariduddin Ganj-i-Shakar – Ajodhan (Pakistan)

2. Correct Match (Saint) - (traditions)
   i Andal - Alwar
   ii Basavanna - Lingayat
   iii Karaikkal Ammaiyar - Nayanar
   iv Baba Farid - Sufi

3. Pairs are correctly matched :- (Saints-Their Region) Kabirdas- Uttar Pradesh, Mirabai-Rajasthan, Basavanna-Karnataka, Shankaradeva- Assam

4. Arrange in chronological order : Guru Nanak Dev, Guru Arjan Dev, Guru Teg Bahadur,& Guru Gobind Singh

5. Statements regarding the 'Nath' sect of Medieval India :The Nath sect mostly came from artisans' groups(north India). They expressed themselves in a common language.

6. Correct statements about the Bhakti saint

Karaikkal Ammaiyar:a woman Nayanar(devotee of Shiva) devotee from Tamil Nadu.

7. Statements regarding Virashaiva or Lingayat tradition: Shiva as the supreme entity. Bury their dead ,believe that on death they will be united with Shiva.

8. Mentor of Amir Khusrau(a great poet and musician/ introduced qawwali.):-**Shaikh Nizamuddin Auliya**

9. Sikh Gurus compiled 'Adi Granth Sahib' -**Guru Arjun Dev ji**

10.Mirabai the devotee of Saguna Bhakti- a Rajput princess from Merta in Marwar, considered Lord Krishna as her lover& married against her wishes to a prince of the Sisodia

Short Answer Questions

Q1. "Meera Bai was perhaps one of the best-known women poets within the Bhakti Tradition." Substantiate the statement.
ANSWER:-

- Devotee of Krishna/She belongs to Saguna Bhakti tradition(Krishna as her lover)
- She did not submit to the traditional rules.(She defied her husband and did not submit to the traditional role of wife and mother.)
- Wandering singer composed songs in praise of Lord Krishna.
- Her Preceptor was Raidas(a leather worker.)
- She strongly defied the caste system.
- She did not attract a sect or group of followers.

Q2. Describe the philosophy and teachings of Kabir.
ANSWER:-

- Kabir was one of the most outstanding examples of poet saint of the fourteenth-fifteenth centuries. He believed in Nirguna bhakti
- Also striking is the range of traditions Kabir drew on to describe the Ultimate Reality.
- He drew terms from vedantic traditions-Alakh, Nirankar, Brahman etc.
- Other terms having mystical connotations were also being used. (shabada or shunya)
- He was against idolatry and polytheism and advocated communal harmony
- He advocated Caste equality and He was against all rituals and idol worship
- He used sufi concept of Zikr and Ishq (Love) to express the Hindu practice of Naam-Simran (remembrance of God's name).

Q3. How did the Virashaiva tradition initiated by Basavanna contribute to the religious and social reform movement in medieval Karnataka? Explain with examples.
ANSWER:-
i. This tradition emerged in Karnataka in the twelfth century.Led by Basavanna who was initially a Jain and a minister in the court of a Chalukya King.
ii. His followers were known as Virashaivas (heroes of Shiva) or Lingayats (wearers of the linga).
iii. Men usually wear a small linga in a silver case on a loop strung over the left shoulder.
iv. They bury their dead. They were against the caste system.
v.They do not believe in rebirth. Lingayats encouraged post-puberty marriage.
vi. They encouraged widow remarriage.

Long-Answer Questions

Q1. Explain the philosophy and teachings of Guru Nanak Dev.
ANSWER:-

- The philosophy and teachings of Guru Nanak Dev.
- He advocated Nirguna Bhakti.
- He rejected sacrifice, rituals and image worship and scriptures of both Hindu and Muslim
- For Guru Nanak absolute Rab had no gender or form
- He proposed a simpler way to Connect to the divine
- His Hymns were sung in Punjabi language
- His Hymns composed in various Ragas
- He set up rules for congregational worship(Sangat)
- He appointed his spiritual Successor Guru Angad Devji .

Q2. Explain the ideas of Alvars and Nayanars. Elucidate how they established their relations with the state?

ANSWER:-

Alvars and Nayanars :

- Alvars were (devotees of Vishnu) Nayanars were (devotees of Shiva).
- They sang hymns in Tamil in praise of God.
- They strongly protested against the caste system and They criticised the dominance of Brahmins.
- Nalayira Divyaprabandham and Tevaram, were their compositions which provides an in-depth study into their role.
- Andal who saw herself as a beloved of Vishnu in Alvars.
- Karaikkal ammaiyar ,a devotee of Shiva in Nayanars.

Relations with the state.

- There were instances to show that they had cordial relations with the rulers.
- Cholas gave grants for constructing temples of Vishnu and Shiva.
- Important temples at Thanjavur, and Chidambaram were constructed under the patronage of Chola rulers.
- These kings also introduced the singing of Tamil hymns.
- They organized them into a text (Tevaram).
- Chola ruler Parantaka I consecrated metal images of saint Appar ,Sambandar and Sundarar in a Shiva temple.

Q3. Explain the causes of the growth of Sufism and also explain the Sufis relations with the state.

ANSWER:-

- They were critical of the dogmatic definition of interpreting the Quran and Sunna.(It had a body of literature of Quranic studies and Sufi practices.)
- Instead, they laid emphasis on seeking salvation through intense devotion and love for God.
- They followed the command of the Prophet.
- They regarded the Prophet as the perfect human being.
- They sought interpretation of the Quran on the basis of their personal experience.
- Sufis began to organise communities around the hospice or Khanqah.
- Music and dance including mystical chants performed by specially trained musicians or qawwals to evoke divine ecstasy.

Sufis relations with the state

- The Sufis accepted unsolicited grants and donations from the political elites.
- The Sultans in turn set up charitable trusts as they gave endowments for hospices and granted tax free land.
- Kings demonstrated their association with Sufis. They also required legitimation from them.
- Kings often wanted their tombs to be in the vicinity of Sufi shrines and hospices.

🔑 Key Terms

- Due to this, the category of ***Zimmi*** **(the protected)** developed for people of other religions. They paid ***Jizya*** and in return they were to be protected by the Muslims.
- **Sufi silsilas (chain)** began to crystallise in different parts of the Islamic world around the twelfth century.
- **Shaikh's tomb-shrine (dargah)** became the centre of devotion after his death because the followers believed that saints united with God after death.

Chapter 7: An Imperial Capital Vijayanagar (c. fourteenth to sixteenth centuries)

Gist of the Chapter

Vijayanagar, the "city of victory," was a powerful South Indian empire and capital founded in **1336 by Harihara and Bukka**.

It flourished until its **sacking in 1565** after the Battle of Talikota, leading to its abandonment.

Its rediscovery began in **1800 by Colonel Colin Mackenzie**, relying on early surveys, inscriptions, and foreign accounts.

It was remembered by people in the Krishna-Tungabhadra doab as **Hampi**, derived from the local mother goddess, Pampadevi.

The first dynasty, **Sangama**, ruled until 1485, followed by the **Saluvas** (till 1503), and then the **Tuluvas**, to which Krishnadeva Raya belonged.By 1542, control shifted to the **Aravidu dynasty**, which ruled until the late seventeenth century.

Rulers, or **rayas**, like **Krishnadeva Raya** (1509-29), expanded the empire and patronized construction.

They utilized the **Amara-nayaka system**, where military commanders governed territories and maintained forces, though this system's eventual decentralization contributed to imperial decline.

The city boasted sophisticated **water management** via tanks and canals, and **seven lines of fortifications**.

- The **Kamalapuram tank**, built in the early fifteenth century, irrigated nearby fields and supplied water to the "royal centre" via a channel.
- The **Hiriya canal** drew water from a dam across the Tungabhadra, irrigating the valley between the "sacred centre" and "urban core," likely built by the Sangama dynasty.
- These unique walls enclosed even agricultural land, a strategy for defence during siege.

The **Royal Centre** housed structures like the **Mahanavami Dibba**, a massive platform for state rituals, and the **Lotus Maha.**

The **Sacred Centre** featured grand temples like **Virupaksha** and **Vitthala**, marked by immense **raya gopurams** and elaborate mandapas.

Vijayanagara's economy thrived on extensive trade in horses, spices, and precious goods, contributing significantly to state prosperity.... Its distinctive architecture blended indigenous styles with Indo-Islamic influences, seen in gateways and buildings. The ruins at Hampi, once Vijayanagara, are now a recognized **UNESCO World Heritage site.**

Short Answer Questions

Q1.Who was the most famous ruler of the Tuluva dynasty?
Ans. Krishnadeva Raya

Q2.What is the modern name of the city where Vijayanagara ruins are found?
Ans. Hampi

Q3. Which temple is famous for its stone chariot?
Ans. Vitthala

Q4.Which foreign traveller visited Vijayanagara from Portugal?
Ans. Paes

Q5. What was the main festival celebrated at the Mahanavami Dibba?
Ans. Dussehra

Q6.What was the significance of the Hampi region for Vijayanagara rulers?
Ans. Hampi was chosen for its strategic location and religious significance.

Q7.What was the Amara-Nayaka system?
Ans. It was a military and administrative system where chiefs were granted land in exchange for military service.

Q8. What was the function of the Mahanavami Dibba?
Ans. It was a royal platform used for ceremonies and public celebrations like Dussehra.

Q9. What do the ruins of Hampi reflect about Vijayanagara?
Ans. They reflect its advanced urban planning, architecture, and imperial grandeur.

Q10. What was the main source of water supply in Vijayanagara?
Ans. Tanks and canals were the main sources of water supply.

Short Answer Questions

Q11.Examine the uniqueness of the fortification of the Vijayanagar empire.

- The **uniqueness of the fortification of the Vijayanagara Empire** was described by **foreign traveller👉 Abdur Razzaq**.
- **Multiple Layers of Defence:** The empire had seven concentric fortification walls with gateways and watchtowers.
- **Integration with Natural Landscape:** Hills, rivers, and boulders were cleverly used as natural barriers.
- **Enclosed Agricultural Zones:** Fortified areas included fields, granaries, and water tanks to support long sieges.

Q12.Explain the importance of the Virupaksha temple in the sacred centre of Vijayanagara.

Answer:

- It was one of the oldest shrines and actively worshipped even today.
- Associated with the cult of Lord Virupaksha, a form of Shiva.
- Major centre of pilgrimage, attracting devotees and royal patronage.

Q13. The Mahanavami Dibba considered a significant structure in the Royal Centre? Explain it.

- Site of grand celebrations during the Mahanavami festival (Navratri/Dussehra).
- Used for military displays, dances, and royal processions.
- Elevated platform gave kings a view of the festivities below.

Q14.Analyse the main sources used to reconstruct the history of Vijayanagara?

- Archaeological findings: monuments, sculptures, inscriptions.
- Foreign travellers' accounts like those of Domingo Paes and Abdur Razzaq.
- Literary sources in regional languages and Sanskrit.

Long Answer Questions

Q15.Explain the distinctive features of the Royal Centre of Vijayanagara Empire.

- **Enclosed Area:** The Royal Centre was a well-fortified area with high walls and gates.
- **Royal Residences:** It included palaces, audience halls, and administrative buildings.

- **Mahanavami Dibba:** A large platform used for public ceremonies like Dussehra.
- **Lotus Mahal:** A unique pavilion blending Indo-Islamic architectural styles.
- **Cultural Importance:** The centre reflected the power, wealth, and architectural skills of the empire.
- **Elephant Stables:** A long structure with domed chambers for royal elephants.
- **Water Management:** Included well-planned tanks, canals, and underground drains.
- **No Use of Mortar:** Buildings were made by joining granite blocks without mortar.

Q16.Examine the role of Rayas and nayakas in the Vijayanagara Empire.

Role of Rayas:

- **Supreme Authority:** Rayas were the kings and held ultimate power in administration, military, and religion.
- **Centralised Rule:** They controlled key revenue areas and directly appointed top officials.
- **Royal Patronage:** They promoted temple construction, art, and literature.
- **Military Commanders:** Led large armies and protected the empire from external threats.

Role of Nayakas:

- **Chiefs:** Nayakas were military chiefs who were given land (Amaram) in exchange for service.
- **Amara-Nayaka System:** They collected revenue, maintained armed forces, and served the king in war.
- **Local Governance:** They managed local administration, temples, and justice in their regions.
- **Later Independence:** By the 17th century, many Nayakas became powerful and formed independent kingdoms.

Key Terms

Term	Meaning (English)	Hindi Meaning
Amara-Nayaka system	Military and administrative land grant	अमर-नायक व्यवस्था
Raya	King or ruler	राया (शासक)
Mandapa	Pillared hall in temples	मंडप
Gopuram	Temple gateway tower	गोपुरम्
Mahanavami Dibba	Royal platform for ceremonies	महानवमी डिब्बा

Map Work

Locate the following locations on the political map of India.
Bidar, Golconda, Bijapur, Vijayanagar, Chandragiri, Kanchipuram, Mysore, Thanjavur, Kolar, Tirunelveli

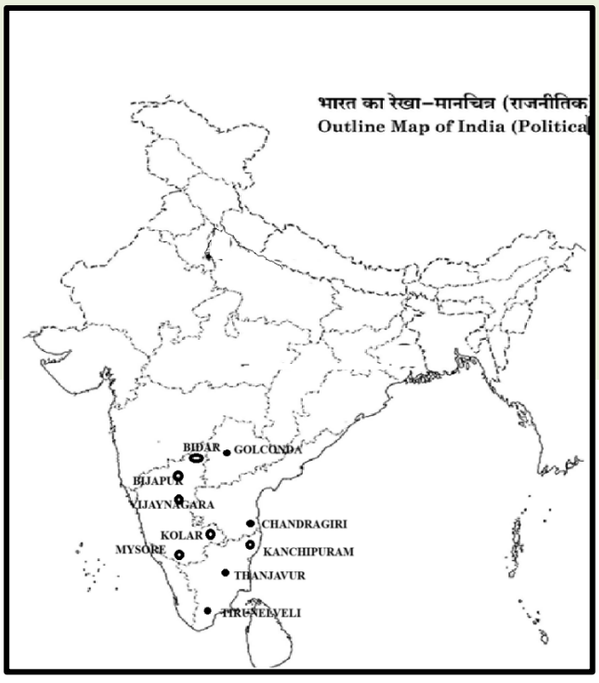

Chapter 8: Peasants, Zamindar and State

Gist of the Chapter

Most important chronicle was the **Ain-i Akbari** (in short, the Ain) authored by Akbar's court historian **Abu'l Fazl.**

Two kinds of peasants – **khud-kashta** and **pahi-kashta**. khud-kashta were residents of the village in which they held their lands and pahi-kashta were non-resident cultivators who belonged to some other village, but cultivated lands elsewhere on a contractual basis. People become pahi-kashta either out of choice or compulsion.

Monsoon was the backbone of Mughal economy. Irrigation projects received state support as well. In northern India the state undertook digging of new canals (nahr, nala) and also repaired old ones like the shahnahar in the Punjab during Shah Jahan's reign

Technologies in Agriculture

- Wooden Plough
- Drill pulled by oxen
- Hoeing and Weeding by a narrow iron blade with a small wooden handle.
- Crops such as cotton and sugarcane were jins-i kamil (perfect crops) par excellence.
- Akbar and his nobles came across tobacco for the first time in 1604. Jahangir was so concerned about its addiction that he banned it.

The panchayat was headed by a headman known as muqaddam or mandal. Some sources suggest that the headman was chosen through the consensus of the village elders

Amongst the landed gentry, women had the right to inherit property. Instances from the Punjab show that women, including widows, actively participated in the rural land market as sellers of property inherited by them.

Forest dwellers known as 'jangli' were those whose livelihood came from the gathering of forest produce, hunting and shifting agriculture.

Most zamindars had fortresses as well as an armed contingent comprising unit of cavalry', artillery and infantry. In this period, the relatively 'lower' castes entered the rank of zamindars as zamindaris were bought and sold quite briskly.

The duties of revenue assessment is done by Revenue Collector or Amil Guzar.
Classification of lands under Akbar

- Polaj: Land Annually Cultivated
- Parauti: Land left out of cultivation for a time to recover fertility
- Chachar: land left fallow for 3 to 4 years
- Banjar: land uncultivated for 5 years or more

Mansabdari system: The Mughal administrative system had at its apex a military cum-bureaucratic apparatus (mansabdari) which was responsible for looking after the civil and military affairs of the state.

Giovanni Careri who passed through India c. 1690, provides a graphic account about the way silver travelled across the globe to reach India.

AIN I AKBARI

Ain is made up of five books (daftars): - First book, called manzil-abadi, concerns the imperial household and its maintenance. - Second book, sipah-abadi, covers the military and civil administration and the establishment of servants.

Third book, mulk-abadi, is the one which deals with the fiscal side of the empire and provides rich quantitative information on revenue rates, followed by the "Account of Twelve Provinces".

Mulk-abadi give information about fiscal divisions (sarkars, parganas and mahals)

Fourth and fifth books (daftars) deal with the religious, literary and cultural traditions of the people of India and also contain a collection of Akbar's "auspicious sayings"

Limitations of Ain-i-Akbari

- It gives us a view from top (carries agenda of Mughal Empire)
- There are some arithmetic errors in Ain.
- Data was not collected uniformly from all provinces.
- Data on prices and wages of all areas are not available.

Very Short Answer Question

Q1: Who were zamindars in Mughal India?
A: Zamindars were landowners who collected revenue from peasants on behalf of the state.

Q2: What was the term used for land revenue in Mughal administration?
A: Land revenue was known as **jama**.

Q3: Who introduced the zabt system?
A: The zabt system was introduced by **Akbar**.

Q4: What is meant by the term 'zabt'?
A: Zabt was a method of revenue assessment and collection based on land measurement.

Q5: What was the role of peasants in the Mughal economy?
A: Peasants were the primary cultivators and producers of agricultural goods.

Q6: What document recorded land revenue data during Akbar's reign?
A: The **Ain-i Akbari**, compiled by Abul Fazl.

Q7: Name the tax collected from peasants in kind or cash.
A: It was called **kharaj**.

Q8: How did zamindars gain power at the local level?
A: By controlling land, mobilizing peasants, and maintaining military strength.

Q9: What caused conflict between peasants and zamindars?
A: High taxes and harsh revenue collection methods.

Q10: What happened when peasants were unable to pay revenue?
A: They faced punishment or eviction from their land.

Short Answer Questions

Q11: What were the responsibilities of zamindars in the Mughal Empire?

- **Revenue Collection**: Zamindars collected land revenue from peasants on behalf of the Mughal state.
- **Local Administration**: They maintained law and order in their areas and supported state authority.
- **Military Support**: Zamindars often maintained armed forces to assist the Mughal army when needed.

Q12: How was land revenue assessed during Akbar's reign?

- **Zabt System**: Revenue was fixed based on land measurement and average produce over 10 years.
- **Ain-i Akbari Records**: Abul Fazl recorded detailed data on crops, prices, and revenue.
- **Cash or Kind**: Revenue could be paid either in cash or in kind, depending on the system in use.

Q13: What problems did peasants face under the Mughal revenue system?

- **High Tax Burden**: Taxes were often heavy and fixed regardless of crop failure or drought.

- **Coercion by Zamindars**: Peasants faced harsh treatment and pressure if unable to pay.
- **Loss of Land**: Non-payment could lead to eviction and loss of cultivation rights.

Long Answer Questions

Q14: Explain the role and position of zamindars in the Mughal agrarian system.

- **Landowners with Rights**: Zamindars were powerful intermediaries who owned large tracts of land and had hereditary rights over them.
- **Revenue Collectors**: They collected revenue from peasants and deposited a fixed share with the Mughal state, keeping a part as their income.
- **Political Authority**: They held political and social influence in their regions and often acted as local rulers.
- **Military Role**: Many zamindars maintained armed retainers (soldiers) and provided military support to the Mughal emperor when required.
- **Mediator Role**: They acted as intermediaries between the state and the peasantry, helping implement state policies at the village level.
- **Resistance and Revolts**: Some zamindars opposed excessive state demands and led revolts, asserting autonomy.
- **Cultural Patrons**: They patronized local culture, religion, and festivals, reinforcing their status in society.
- **Contribution to Stability**: Their cooperation was crucial for the stability and efficiency of the Mughal revenue system.

Q15: Discuss the condition and role of peasants in the Mughal agrarian structure.

- **Primary Cultivators**: Peasants were the backbone of the agrarian economy, growing various crops including food grains, cotton, and sugarcane.
- **Types of Peasants**: They were divided into khudkasht (resident owners) and pahi-kasht (non-resident or tenant cultivators).
- **Heavy Tax Burden**: They paid a significant portion of their produce as revenue, either in cash or kind, to the state via zamindars.
- **Vulnerability**: Crop failure, droughts, or excessive taxation often led to debt, land loss, or migration.
- **Social Bonds**: Peasants often worked collectively, forming tight-knit village communities for mutual support.
- **Resistance Movements**: In cases of oppression, peasants sometimes united in resistance against zamindars or officials.
- **Role in Economy**: Their surplus production fueled trade and supported towns, markets, and artisans.
- **Moral Rights**: Despite exploitation, peasants had customary rights over their land and could negotiate or resist unfair demands.

KEY POINTS

Agrarian Structure: The Mughal Empire was primarily agrarian, with peasants forming the backbone of agricultural production and zamindars acting as intermediaries between the state and cultivators.

Revenue System: Land revenue was the main source of income for the Mughal state, assessed through systems like **zabt**, and collected either in cash or kind.

Role of Zamindars: Zamindars were influential landholders who collected revenue, maintained local authority, and sometimes posed a challenge to state power through resistance or revolts.

Peasant Conditions: Peasants faced heavy taxation, frequent exploitation, and vulnerability to natural calamities, yet they also played an active role in resisting injustice and sustaining the rural econom

Chapter 9: Colonialism and Countryside: Exploring Official Archives

Gist of the Chapter

Bengal and the Permanent Settlement:

- East India Company under Lord Cornwallis introduced the "Permanent Settlement" in Bengal in 1793.
- Under this system, zamindars (landlords) were given ownership of the land.
- They had to pay a fixed amount of tax to the British government every year.
- If a zamindar couldn't pay, their land could be taken away and sold.
- Why it was a problem: Many zamindars found it hard to pay the fixed tax, especially when harvests were bad. Farmers also suffered as zamindars often demanded high rents from them.

The Fifth Report:

- Presented in the British Parliament in 1813.
- It talked about how the British East India Company was running India, especially about land and revenue.
- It showed that the Permanent Settlement was causing problems and that many zamindars were losing their lands.

The Hoe and the Plough: Shifting Agriculture vs. Settled Agriculture:

- The Paharias: They were hill people who practiced "shifting agriculture" (also called jhum cultivation). They cut trees, burnt the vegetation, grew crops for a few years, and then moved to another area. They used a hoe.
- The Santhals: They were forest dwellers who came later and cleared forests for "settled agriculture." They used a plough to cultivate the land permanently.
- The Conflict: The British encouraged the Santhals to clear more land for cultivation because they could collect more tax. This pushed the Paharias away and led to conflicts between the two groups and with the British.

A Revolt in the Countryside: The Deccan Riots:

- This happened in Maharashtra in 1875.
- Farmers were in great debt because they had to pay high taxes and borrow money from moneylenders.
- When they couldn't pay back the loans, moneylenders would take their land and property.
- The farmers got angry and attacked the houses of moneylenders and burnt their account books (where records of debt were kept).

Francis Buchanan

- He was a doctor and surveyor who travelled a lot in India.
- He wrote detailed accounts of the land, people, and resources.
- His writings give us important information about life in the countryside during British rule.
- Remember: He documented what he saw.

Very Short Answer Questions

Q1: Who were recognized as zamindars under the Permanent Settlement?

A: Rajas and taluqdars.

Q2: What was the "Sunset Law" related to the Permanent Settlement?

A: If revenue was not paid by sunset of the specified date, the zamindari was liable to be auctioned.

Q3: Who were "jotedars" and what was their significance in rural Bengal?

A: Rich peasants who consolidated power in villages, often controlling local trade and moneylending, and challenging zamindars.

Q4: How did zamindars often retain control over their estates despite auctions?

A: Through fictitious sales, transferring property to their mothers or other relatives, or conniving with purchasers.

Q5: What was "Damin-i-Koh"?

A: A demarcated territory in the Rajmahal Hills created for the Santhals.

Q6: Which land revenue system was introduced in the Bombay Deccan?

A: The Ryotwari System.

Q7: What was a key feature of the Ryotwari System regarding revenue payment?

A: Revenue was directly settled with the ryot (cultivator), and the demand was subject to periodic revisions.

Q8: How did the American Civil War (1861) impact the cotton cultivators in the Bombay Deccan?

A: It led to a "cotton boom" as demand for Indian cotton increased, initially providing credit.

Q9: How did the British attempt to control the power of zamindars after the Permanent Settlement?

A: By disbanding their troops, abolishing customs duties, and bringing their courts under company supervision.

Q10: What was the consequence of the British efforts to transform nomadic tribal groups into settled cultivators?

A: Increased conflict and displacement, as seen with the Paharias.

Short Answer Questions

Q1: Explain how the Permanent Settlement created problems for the zamindars.

A: The Permanent Settlement created problems for zamindars due to:

- High Revenue Demand: The initial demands were very high, as the Company hoped to maximize its income.
- Inflexible Payment Schedule: Revenue had to be paid punctually, regardless of harvest conditions or agricultural prices. The "Sunset Law" meant failure to pay by sunset of the specified date led to auction of the zamindari.
- Restriction of Zamindars' Power: The Company disbanded the zamindars' armed contingents, abolished their cutcheries (local courts), and took away their power to organize local justice and police. This weakened their authority over the villagers.

Q2: Explain the reasons for the anger of the Deccan ryots against the moneylenders in the 19th century.

A: The anger of the Deccan ryots against moneylenders stemmed from:

- Loss of Land: Moneylenders often manipulated deeds and bonds, acquiring peasant lands when they failed to repay loans.
- High-Interest Rates: Exorbitant interest rates charged by moneylenders trapped peasants in a cycle of perpetual debt.
- Breach of Customary Norms: Ryots felt that moneylenders were violating customary norms regarding interest, such as the idea that interest could not exceed the principal.
- Refusal of Loans: After the cotton boom ended, moneylenders refused to extend further loans, leaving peasants with no means to survive or pay land revenue.

Q3: Examine the significance and shortcomings of the 'Fifth Report'.

A: The 'Fifth Report' (1813) was significant for:

- Understanding Company's Administration: It provided a detailed account of the East India Company's administration and activities in India.
- Basis for Debate: It became the basis for intense parliamentary debates in Britain about the nature of Company rule in India.
- Insights into Rural Society: It offered valuable (though biased) insights into the agrarian society, land revenue systems, and the conditions of zamindars and peasants.

Shortcomings included:

- Colonial Bias: It heavily reflected the official British perspective and often justified colonial policies, downplaying the negative impacts on Indians.
- Incomplete Picture: It often presented a partial or selective view of events, particularly regarding peasant grievances.
- Propagandist Nature: It was used to criticize the Company's misrule by various groups in Britain, including those advocating for free trade, and thus had a propagandist element.

Q4: How did the East India Company subdue the authority of the zamindars in Bengal during the 18th century?

A: The East India Company subdued the authority of the zamindars in Bengal through several measures:

- Disbanding Troops: They disbanded the armed contingents of the zamindars.
- Abolishing Customs Duties: Zamindars' power to collect customs duties was abolished.
- Supervision of Courts: Their cutcheries (local courts) were brought under the supervision of a collector appointed by the Company.
- Loss of Judicial and Police Power: The power to organize local justice and local police was taken away from the zamindars, significantly curtailing their traditional influence and control over the local populace

Long Answer Questions

Q1. Critically examines main aspects of the policy of Permanent Settlement introduced by Lord Cornwallis. What was its impact on the condition of peasants?

Answer:

Charles Cornwallis

- Started Permanent Settlement system in 1793.
- He was a British military leader.
- He fought in the American War of Independence.
- Later, he became the Governor-General of Bengal in India.
- It was a way for the British government to collect taxes (revenue) from land.

Features of Permanent Settlement

- The amount of tax a Zamindar (a type of landlord) had to pay to the government was *fixed forever*. It wouldn't change.
- It was like a permanent agreement to pay a set amount.
- Zamindars didn't own the land themselves. They collected money from farmers and then paid a fixed amount to the government.

Positive impact of the Permanent Settlement

- Fixed Tax: The amount of tax was always the same, which was clear.
- Steady Income: The government got a regular amount of money.
- New Landowners: It created a group of rich landowners and farmers.
- Improved Farming: It was supposed to encourage people to invest in farming, leading to better agriculture and trade.
- Zamindar Control: Zamindars were in charge of many villages and collected rent there.
- Security for Zamindars: Zamindars felt more secure because their tax was fixed.

Negative impact of the Permanent Settlement

- Hard for Farmers: Sometimes, farmers found it very difficult to pay their rent to the Zamindars.
- Fixed, Even When Bad: The tax amount never changed, even if the harvest was poor or there was a drought.
- Sunset Law: This was a harsh rule. If a Zamindar didn't pay the tax by sunset on a specific date, their land would be taken away and sold.
- Limited Power: It limited how much rent Zamindars could collect from farmers.
- Rent Problems: Collecting rent was always a problem, especially when crops didn't grow well.

Conclusion:

- A few rich Zamindars benefited, but most farmers ended up in debt and suffered.
- Even the government lost money in the long run because the fixed tax didn't increase even when the value of land or crops went up.

Q2: "The battle between the hoe and the plough was a long one." Substantiate the statement with reference to the Paharias and Santhals of Rajmahal Hills during the 18th century.

A2: This statement refers to the conflict between the Paharias' traditional shifting cultivation (hoe agriculture) and the Santhals' settled plough agriculture, encouraged by the British:

Paharias:

- They were hill folk who practiced shifting cultivation.
- Moving from place to place, burning patches of forest, and cultivating for a few years before moving on.
- They viewed the forest as their identity and source of livelihood.
- Santhals:
- They were invited by the British and zamindars to settle in the plains and clear forests for settled agriculture (plough).
- They were seen as "civilized" cultivators.

Conflict:

- As Santhal settlements expanded, the Paharias' traditional lands and way of life were threatened.
- The British policy of demarcation (Damin-i-Koh) further pushed the Paharias deeper into the hills, intensifying the conflict and leading to resentment and violence from both sides.

Important Facts

- Amlah: Zamindar’s rent collector official
- Jotedars: Rich ryots
- Mahua: A flower
- Policy of Pacification with Paharias: By collector Augustus Cleveland
- Damin-i-Koh: Land of the Santhals
- Dikus: Moneylenders
- Economist: David Ricardo
- 1861: American Civil War, Cotton boom in India
- Limitation Law stated that loan bonds between moneylenders & ryots had validity for 3 years
- Deccan Riots Report 1878 in the British Parliament

Chapter 10: Rebels and Raj

GIST OF THE CHAPTER

On 10 May 1857, the sepoys present in the cantonment of Meerut revolted. The infantry made up of Indian soldiers started this rebellion and soon the cavalry also joined it.
All government buildings like records office, post office, government treasury, court etc were looted and finally destroyed.
They wanted to spread this rebellion in the whole country, so this group of soldiers reached the Red Fort in Delhi the next morning on 11 May and asked for permission to talk to Bahadur Shah Zafar.

Immediate Cause: Introduction of New Enfield rifle and a rumour spread that the cartridges of the new Enfield rifle was greased with the fat of cows and pigs, objectionable to both Hindus and Muslims.

Political Causes:
Subsidiary Alliance System - Doctrine of Lapse
Rani Lakshmi Bai became the enemy of the British.

Social & Religious Causes:

- Racial Arrogance, Social Reform Legislations.
- Abolition of Sati-1829.
- Widow Re-marriage Act of 1856.
- Religious conversion – into Christianity.

Military Causes:

- Dissatisfaction of the sepoys, No higher post- No promotion
- Banning of religious symbols – Dress code.

Leaders and followers

- The Mughal ruler, Bahadur Shah, who agreed to be the nominal leader of the rebellion.
- In Kanpur, the sepoys and people of the town agreed to support Nana Sahib.
- The Rani of Jhansi was forced to assume the leadership of the uprising.
- Kunwar Singh, a local Zamindar in Arrah in Bihar, too took the leadership.

Annexation of Awadh

- In 1851, Governor General Lord Dalhousie described the kingdom of Awadh as “a cherry that will
- drop into our mouth one day” and five years later it was annexed to the British Empire.

- Subsidiary Alliance was a system devised by Lord Wellesley in 1798. All those who entered into such an alliance with the British had to accept certain terms and conditions.

- Nawab Wajid Ali Shah was dethroned and exiled to Calcutta on the plea that the region was being misgoverned.
- The British government also wrongly assumed that Wajid Ali Shah was an unpopular ruler.
- The condition of the taluqdars became very bad under British rule.
- The rebellion was seen as a war in which both Hindus and Muslims had equally to lose or gain.
- The ishtahars (notifications) harked back to the pre-British Hindu-Muslim past and glorified the coexistence of different communities under the Mughal Empire.

The nationalist movement drew its inspiration from the events of 1857.

- Heroic poems were written about the velour of the queen (Rani Lakshmi Bai).
- Rani of Jhansi was represented as a masculine figure chasing the enemy, slaying British soldiers, and valiantly fighting till her last.
- Official accounts of colonial administration and military men left their versions in letters and diaries, autobiographies, and official histories.
- The pictorial images were produced by the British and Indians – paintings, pencil drawings, cartoons, and bazaar prints.

Very Short Answer Questions

Q1 What was the immediate cause of the 1857 Revolt .
Ans Enfield rifle cartridges rumoured to be greased with cow and pig fat.

Q2 Who was proclaimed the symbolic leader (Emperor of India) by the rebels in Delhi during the uprising.
Ans Bahadur Shah II (Zafar)

Q3 Which city was led by Nana Sahib Peshwa ?
Ans Kanpur (Cawnpore).

Q4 Subsidiary Alliance was a system devised by Lord Wellesley in which year
Ans Year 1798

Q5 On which grounds Nawab Wajid Ali Shah was dethroned and exiled to Calcutta
Ans On the plea that the region was being misgoverned.

Q6 Famous Heroic poem "khoob ladi Mardani…" about the valour of the queen (Rani Lakshmi Bai) were written by
Ans Subhadara kumari Chauhan

Q7 After the revolt of 1857 who took direct control of Indian administration from the East India Company.
Ans The revolt was suppressed and the British Crown took over Indian administration from the East India Company.

Q8 When did the Revolt of 1857 begin?
Ans The Revolt of 1857 began on 10th May 1857 in Meerut.

Q9 Who was Maulvi Ahmadullah Shah Mal ?
Ans He was revolutionary from Uttar Pradesh.

Q10 Who led the revolt in Bihar?
Ans Kunwar Singh led the revolt in Bihar.

Short Answer Questions

Q1 Explain any three causes of discontent among Indian sepoys before 1857.
Ans
- Low salaries and poor treatment compared to British soldiers.
- Lack of promotion opportunities and racial discrimination.
- Introduction of the greased cartridges offended religious beliefs, especially among Hindu and Muslim sepoys, leading to widespread anger.

Q2 What was the Doctrine of Lapse? How did it cause resentment among Indian rulers?
Ans
- The Doctrine of Lapse was a policy under which the British annexed states where the ruler died without a natural heir.
- Rulers were not allowed to adopt successors.
- This caused resentment as many royal families lost their thrones and territories, such as Jhansi and Satara. It was seen as an insult to Indian traditions and sovereignty.

Q3 Describe the role of Bahadur Shah Zafar in the Revolt of 1857.
Ans:
- Bahadur Shah Zafar was proclaimed the symbolic leader of the 1857 revolt by the sepoys in Delhi.
- Though old and reluctant, his name provided legitimacy to the movement. His involvement united various rebel leaders under the Mughal banner.
- However, after Delhi was recaptured, he was arrested, tried by the British, and exiled to Rangoon. His exile marked the formal end of the Mughal Empire.

Q4 Why was the revolt of 1857called a “mutiny” by the British?
Ans

- The British termed the revolt a “sepoy mutiny” to downplay its significance.
- They portrayed it as a military rebellion limited to Indian soldiers, rather than a widespread uprising.
- This helped them maintain the narrative that their rule was stable and that the revolt lacked popular support or nationalist intent.

Long Answer Questions

Q1 Examine the visual representations of the revolt of 1857 that provoked a range of different emotions and reactions.

Answer: There are a number of visual representations of the revolt of 1857 like paintings, pencil drawings, etchings, posters, cartoons, bazaar prints, etc which were produced by the British and Indian artists and painters. These are discussed below:

- British picture offers a variety of images that were meant to provoke a range of different emotions and reactions. Some of them commemorate the British heroes who saved the English and repressed the rebels. For e.g. ‘Relief of Lucknow’, painted by Thomas Jones Barker
- Newspaper reports have a power over public imagination. This reported about the incidence of violence against women and children and raised a public demand in Britain for revenge and retribution. Artists expressed as well as shaped these sentiments through their visual representations of trauma and suffering.
- “In Memoriam” was painted by Joseph Noel Paton in which English women and children huddled in a circle, looking helpless and innocent seemingly waiting for the inevitable dishonour, violence and death coming from the rebels. This represents the rebels as violent and brutish.
- In another set of sketches and paintings women are seen in a different light. They appear heroic, defending themselves against the attack of rebels.
- As waves of anger and shock spread in Britain, demands for retribution grew louder. Threatened by the rebellion, the British felt that they had to demonstrate their invincibility.
- When Governor General Canning declared that a gesture of Leniency, he was mocked in the British press.
- On the other hand, leaders of the revolt were presented as heroic figures leading the country into battle, rousing the people to righteous indignation against oppressive imperial rule.

Q2 ‘A chain of grievances in Awadh linked the prince, taluqdars, peasants and sepoy to join hands in the revolt of 1857 against the British”. Examine the statement.

Answer: For 1800 century, Awadh faced a number of grievances which linked the princes, taluqdars, peasants and sepoys to join hands in the revolt of 1857 against the British. The British wanted to annex Awadh in their empire. This conquest happened in stages which were:
Annexation of Awadh:

- The Subsidiary Alliance had been imposed on Awadh in 1801, which confined the power of the Nawab over his territory as his military force disbanded.
- The British became increasingly interested in acquiring the territory of Awadh as it was economically and geographically important for them.
- By annexation policy Nawab Wajid Ali Shah (Awadh) was dethroned and exiled to Calcutta on the plea that the region was being misgoverned.
- The emotional upheaval was aggravated by immediate material losses, e.g. it led cultural loss as well as many people lost their livelihood.

Dispossession of Taluqdars:

- Before the advent of the British, the Taluqdars were powerful and maintained armed retainers, built forts and enjoyed degree of autonomy.
- Immediately after the annexation of Awadh, the taluqdars were disarmed and their forts destroyed.
- The revenue settlement, known as the ‘Summary Settlement’, proceeded to remove the taluqdars wherever possible.

Suppression of the Peasants:

- Under the British rule there was no guarantee that in times of hardship or crop failure the revenue demand of the state would be reduced or collection postponed, or that in times of need they would get any loan or support that the taluqdar had earlier provided.
- Thus, with this suppression, neither taluqdars nor peasants had any reasons to be happy with the annexation.

Rage of Sepoys:

- Before 1820, the British were very gentle with the sepoys but in 1840 this began to change.
- The British officers developed sense of superiority and started treating the Indian sepoys as their inferiors. Abuse and physical violence became common. Trust was replaced by suspicion.
- Most of the sepoys were from Awadh and Eastern Uttar Pradesh. The fears of the sepoys about the new cartridges, their grievances about leave, their grouse about the increasing misbehaviour and racial abuse on the part of their white officers were the responsible factors for their rage.

Q3 "Rumours and prophecies played a part in moving the people into action during the revolt of 1857." Examine the statement with rumours and reasons for its belief.

Answer: Rumours and prophecies played an important part in moving people to action. Rumours and prophecies reflect about the minds of people who believed them, their fears and anxiety, their faiths and beliefs. Rumours circulate only when they resonate with the deeper fears and suspicions of people.

Rumours during Rebellion:

- There were rumours that the Indian sepoys were intentionally given the Enfield rifles, and its bullets were coated with the fat of cows and pigs and biting those bullets would corrupt their caste and religion.
- Another rumour was The British had mixed the bone dust of cows and pigs into the flour that was sold in the market.
-

The reasons of believing in these rumours are discussed below:

- From that time under the leadership of Governor General Lord William Bentinck, the British adopted policies aimed at 'reforming' Indian society by introducing Western education, Western ideas and Western institutions.
- The British established laws to abolish customs like sati (1829) and to permit the remarriage of Hindu widows.

Q4 A cherry that will drop into our mouth one day. Explain this statement

Ans In 1851, Governor General Lord Dalhousie described the kingdom of Awadh as "a cherry that will drop into our mouth one day" and five years later in 1856 it was annexed to the British Empire in allegation of misgovernment.

- The Subsidiary Alliance had been imposed on Awadh in 1801.
- The terms of this alliance the nawab had to disband his military force of the British to position their troops within the kingdom and act in accordance with the advice of the British.
- Deprived of his armed forces the nawab became increasingly dependent on the British to maintain law and order within the kingdom.
- He could no longer assert control over the rebellious chief and taluqdars.
- British were interested in Awadh due to its productive land and ideal for market of upper part of India

Map Work

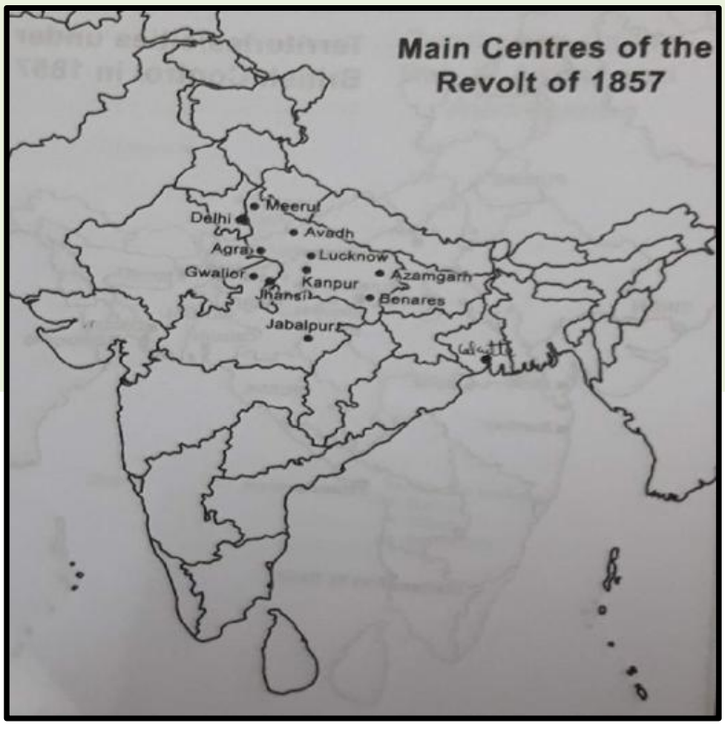

Chapter 11: Mahatma Gandhi and Nationalist Movement

Gist of the Chapter

- Mahatma Gandhi is regarded as the 'Father of the Nation' in India. He was born on 2 October 1869 in Porbandar, Gujarat.
- He studied law in England and went to South Africa in 1893 as a lawyer, where he fought against racial discrimination through the method of *Satyagraha*.
- He returned to India in 1915, where Gopal Krishna Gokhale became his political mentor.
- Gandhiji began his political journey in India with the **Champaran (1917)**, **Ahmedabad (1918)**, and **Kheda (1918)** movements.
- The **Rowlatt Act (1919)** and the **Jallianwala Bagh massacre** turned him into a national leader.
- He promoted Hindu-Muslim unity through the **Khilafat Movement (1919–20)**.
- The **Non-Cooperation Movement (1920–22)**, led by him, was suspended after the **Chauri Chaura** incident.
- The **Civil Disobedience Movement (1930)** began with the **Dandi March**, in which Gandhi broke the British Salt Law and garnered global attention.
- In the **Gandhi-Irwin Pact (1931)**, Congress agreed to participate in the Second Round Table Conference.
- He opposed the **Communal Award (1932)** through a hunger strike, which led to the **Poona Pact** with Dr. B.R. Ambedkar.
- During the **Quit India Movement (1942)**, Gandhi gave the historic call of "**Do or Die**." This intensified the freedom struggle.
- On 15 August 1947, India gained independence, but Gandhi, saddened by the partition, chose not to participate in celebrations.
- He was assassinated on **30 January 1948** by Nathuram Godse.
- Gandhiji's principles — **truth, non-violence, swadeshi, and the spinning wheel (charkha)** — became symbols of Indian nationalism.
- He remained deeply connected with the masses, and his moral leadership gave the freedom movement a strong ethical foundation.
- Information about his life and the nationalist movement is preserved in various sources like letters, speeches, autobiographies, newspapers, and government records.

Very Short Answer Questions

Q1. Which country did Gandhi first use as a laboratory for Satyagraha?
Answer: South Africa

Q2.What was Gandhi's first major mass movement in India?
Answer: Champaran Satyagraha (1917)

Q.3Who was Gandhi's political mentor?
Answer: Gopal Krishna Gokhale

Q.4Which movement began with the Salt Satyagraha?
Answer: Civil Disobedience Movement (1930)

Q.5During which movement did Gandhi give the slogan "Do or Die"?
Answer: Quit India Movement (1942)

Q.6 From where to where did the Dandi March take place?
Answer: From Sabarmati Ashram to Dandi

Q.7Between which two leaders was the Poona Pact signed?
Answer: Mahatma Gandhi and Dr. B.R. Ambedkar

Q.8In which year was the Gandhi-Irwin Pact signed?
Answer: 1931

Q.9 On which principle was Gandhi's boycott of foreign clothes based?
Answer: Swadeshi

Q.10 Which incident led Gandhi to suspend the Non-Cooperation Movement?
Answer: Chauri Chaura incident (1922)

Short Answer Questions

Q1. Why did Gandhiji start the Civil Disobedience Movement?
Answer:
i. Due to Gandhiji's eleven-point demands being ignored.
ii. For the attainment of complete independence (Purna Swaraj).
iii. Against the brutal killing of Lala Lajpat Rai in Lahore.

Q.2. What is the significance of the Salt March?
Answer:
i. The Indian national movement gained international attention.
ii. It was the first national movement in which women participated actively.
iii. Gandhiji emerged as a globally renowned political leader.

Q3. What were the main reasons behind the Quit India Movement?
Answer:
i. The threat of Japanese invasion during the Second World War.
ii. Doubts about the British capability to defend India against Axis powers.
iii. Failure of the Cripps Mission and the demand for complete independence.

Long Answer Questions

Q1. Describe the reasons why Gandhiji started the Non-Cooperation Movement and explain its significance.

Answer:
Circumstances:
i. The Rowlatt Act of 1919, which allowed imprisonment without trial.
ii. The Jallianwala Bagh massacre, where innocent civilians were killed.
iii. In support of the Khilafat Movement.
iv. Rise in nationalist sentiments and the demand for Swaraj (self-rule).

Significance:
i. For the first time, the foundations of British rule were shaken.
ii. Boycott of British goods and promotion of Swadeshi (indigenous) products.
iii. People from all sections of society participated in the movement.
iv. It promoted Hindu-Muslim unity.

Q2. What are the sources through which we can reconstruct Gandhiji's political life?
Answer:

- **Writings and speeches** of Mahatma Gandhi and his contemporaries.
- **Private letters** written by Gandhiji.
- Gandhiji's **journal** *Harijan*.
- **Biographies** – For example, *A Life of Mahatma Gandhi* written by American journalist Louis Fischer.
- **Autobiographies** – Gandhiji's own autobiography *The Story of My Experiments with Truth*.
- Official documents, **letters, and reports** written by police officers and their superiors.

- Articles from Indian and foreign **newspapers**.
- **Personal diaries** of important contemporaries.

KEYWORDS

Keyword	Explanation
Satyagraha	A method of non-violent resistance developed by Mahatma Gandhi. It emphasized *truth-force* or *soul-force*, aiming to bring change through moral appeal and passive resistance rather than violence.
Swadeshi	The practice of using Indian-made goods and rejecting foreign products, especially British ones, as a means of promoting Indian economy and nationalism.
Poona Pact (1932)	An agreement between Gandhi and Dr. B.R. Ambedkar concerning the political representation of Dalits. It replaced separate electorates with reserved seats in legislatures.
Khilafat Movement	A pan-Islamic, political protest launched by Indian Muslims (1919–1924) to restore the Caliph of the Ottoman Empire. Gandhi supported this to unite Hindus and Muslims.
Quit India Movement	A mass protest launched in August 1942, during WWII, demanding an immediate end to British rule. Gandhi's slogan: "Do or Die." It marked the final mass movement before independence.
Boycott	Boycott refers to a non-violent method of protest where individuals or groups refuse to buy, use, or participate in something as a form of protest.
Constructive Programme	Gandhi's vision of nation-building through activities like promoting khadi, basic education, Hindu-Muslim unity, and upliftment of Harijans (Dalits), aimed at self-reliance and social reform.

MAP WORK

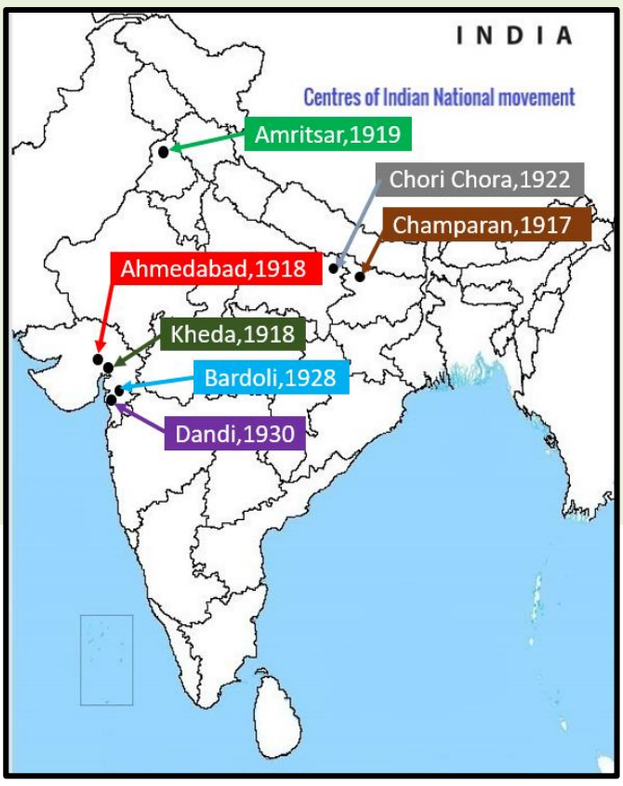

Chapter 12: Framing the Constitution

Gist of the Chapter

- After India became free in 1947, leaders had to write a constitution to govern the country.
- The Constitution was written by the Constitution Assembly, which had members from all over India.
- It took nearly 3 years to make the Constitution (1946-1950).
- Leaders had different opinions but discussed and debated peacefully.
- Dr. B.R. Ambedkar was the chairman of the Drafting Committee.
- Important issues were democracy, rights, religion, caste, and language.
- The Constitution aimed to ensure equality, freedom, and justice for all.
- It was influenced by ideas from other countries but made to suit India.
- The Preamble is the soul of the Constitution.
- India chose to be a secular, democratic country.

Very Short Answer Questions

Q1.Dr. B.R. Ambedkar was the chairman of the Drafting Committee. State whether True or False. Ans .True

Q2.The Constitution was written in the year 1947. State whether True or False.

Ans False

Q3.The _____ is the introduction to the Constitution.

Ans. Preamble

Q4.The Indian Constitution framed between

Ans 1946-1949

Q5.When did the Indian Constitution came into effect?

Ans 26 the January, 1950.

Q6.Who was appointed as the first law minister of India?

Ans B.R.Ambedkar

Q7.Who introduced Objective Resolution?

Ans Jawaharlal Nehru

Q8 .Gandhi ji favoured ____ language as a national language.

Ans Hindustani

Short Answer Questions

Q1.What is the role of the Constituent Assembly?

A. The Constitution Assembly was responsible for drafting the Indian Constitution. It debated and discussed key issues like democracy, rights, and federalism to make a constitution suitable for India's needs.

Q2. What are the main values mentioned in the Preamble?

A. The preamble mentions the key values of the Constitution: Justice, Liberty, Equality, Fraternity. These reflect the ideas of democracy and guide the functioning of the Indian government

Q3.Why did the leaders of Independent India decide to adopt a constitution?

A. To give a legal and political framework to the country and ensure rights, justice, and equality to all citizens.

Q4. Why was the Constituent Assembly formed in India?

A. The Constituent Assembly was formed to draft the Constitution of independent India, ensuring it reflected the aspirations of the Indian people and guaranteed justice, liberty, and equality

Q5.What was the significance of the Objective Resolution?

A. The Objective Resolution, moved by Jawaharlal Nehru, laid down the guiding principles of the Constitution, such as sovereignty, democracy, and justice, and became the basis of the Preamble.

Q6. What was the main concern of smaller provinces during the Constituent Assembly debates?

A. Smaller provinces feared domination by larger provinces and demanded safeguards to ensure fair representation and protection of their interests.

Q7.What role did Dr. Rajendra Prasad play in the making of the Constitution?

A. Dr. Rajendra Prasad was the President of the Constituent Assembly and played a key role in conducting its proceedings and ensuring smooth functioning of the debates.

Long Answer Questions

Q1.Why is the Indian Constitution important and what are its key features?

- Written after independence by the Constituent Assembly
- Protects rights of people and ensures equality
- Mentions values like liberty, justice, and secularism
- Helps in ruling such a large and diverse country

- Gives power to citizens through democracy

Q2. What were the main features of the Indian Constitution as framed by the Constituent Assembly?

- It guarantees fundamental rights to citizens
- It establishes a democratic and secular state.
- It provides for a federal structure with a strong centre
- It includes provisions for social justice and equality.
- It is a written and lengthiest constitution in the world.

Q3. Describe the role of Dr. B.R. Ambedkar in the making of the Indian Constitution.

- Dr. B.R. Ambedkar was the Chairman of the Drafting Committee.
- He studied the constitutions of many countries before drafting India's.
- He strongly advocated for social justice and equality.
- He ensured protection of fundamental rights for all citizens.
- He worked to safeguard the rights of Dalits and other marginalized groups.

Q4. What were the main challenges before the Constituent Assembly while framing the Constitution?

- Ensuring unity in a country with vast diversity.
- Handling communal tensions and partition issues.
- Providing rights and justice to all citizens equally.
- Deciding the form of government - federal or unitary.
- Balancing the power between the Centre and the States.

Q5. Why is the Preamble considered an important part of the Constitution?

- It states the ideals and objectives of the Constitution.
- It declares India as a Sovereign, Socialist, Secular, and Democratic Republic.
- It ensures justice, liberty, equality, and fraternity for all.
- It reflects the vision of the Constituent Assembly.
- It guides the interpretation of other parts of the Constitution.

🔑 Key Terms

TERM	MEANING(ENGLISH)	HINDI MEANING
Constitution	Basic rules to run the country	संविधान
Constituent Assembly	Group that made the Constitution	संविधान सभा
Preamble	Introduction to the Constitution	प्रस्तावना
Secular	No official religion	पंथनिरपेक्ष
Republic	Head of state is elected	गणराज्य

ACTIVITY OR VISUAL

Create a poster of the preamble and decorate key word like Liberty, Equality, justice